Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 04 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-124

अमेरिकी पूंजीपति और कट्टरपंथी तत्व भारत को अस्थिर करने में लगे

साजिश है किसी भी स्थिति में मोदी की सरकार न बने

फेक वीडियो, गलत व्याख्या, झूठा प्रचार, नफरत का सृजन और हिंसा पर खर्च किया जा रहा अकूत धन

जैसे-जैसे भारतवर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार हो रहा है, अमेरिकी गुप्तचर एजेंसी सीआईए, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी), पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई और अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस सहित डीप स्टेट तत्वों का आपराधिक गठबंधन भारत को अस्थिर करने की नापाक योजना पर तेजी से काम कर रहा है। उनकी कपटपूर्ण रणनीति में एक्टिविस्टों के वेश में अराजक तत्वों को धन मुहैया कराना, वैश्विक मीडिया के नैरेटिव (व्याख्या) में हेरफेर करना, भारत की लोकतांत्रिक साख को धूमिल करना और इसके निर्वाचित नेतृत्व को कमजोर करने के लिए गलत सूचनाएं फैलाना शामिल है।

शुभ-लाभ चिंता

डिसइंफो-लैब के खुलासे से अमेरिकी सरकार में शामिल लोगों, शोधकर्ताओं, मानवतावादी समूहों और भारतीय अमेरिकी अधिकार कार्यकर्ताओं से जुड़े धोखे के जाल का पता चलता है, जिन्हें वैश्विक इस्लामिक समूहों और जॉर्ज सोरोस द्वारा रची गई साजिश में झूठा फंसाया गया था। यह दुष्प्रचार अभियान भारत की संप्रभुता को कमजोर करने और इसके लोकतांत्रिक संस्थानों को अस्थिर करने का प्रयास है। भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद, जिसे आईएसआई द्वारा फंड दिया जाता है और पाकिस्तान द्वारा प्रचारित किया जाता है, नरेंद्र मोदी की समावेशी सरकार पर भारत में मुसलमानों पर अत्याचार करने का आरोप लगाते हुए झूठे आख्यानों का प्रचार कर रही है।

उधर, सीआईए उस खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को पूरी सहायता कर रही है, जो पंजाब और भारत के कई पड़ोसी हिस्सों में अलग खालिस्तान बनाने के लिए मुहिम चला रहा है। पन्नू अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूनाइटेड किंगडम में जनमत संग्रह करा रहा है। अजीब बात है कि एंग्लोस्फीयर, जिसे पांच आंखों ▶8पर

भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिए पत्रकारों और एनजीओ को मिल रहा है धन

भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिए पत्रकारों को भारी मात्रा में धन मिल रहा है। यह केवल कहने-सुनने की बातें नहीं रही, अब यह प्रमाणित हो चुका है कि अमेरिका में बैठे जॉर्ज सोरोस जैसे शैतान पूंजीपतियों और विदेशों से सक्रिय भारत विरोधी तत्व भारत में लगातार फंडिंग कर रहे हैं और यहां के लोग जूठन चाट कर भारत के खिलाफ काम करने में लगे हैं। ऐसे जघन्य लोगों में भारत के मीडियाकर्मी भी शामिल हैं। आपने देखा ही है कि न्यूज़क्लिक नामक समाचार पोर्टल से जुड़े भारतीय पत्रकारों ने किस तरह भारत सरकार के खिलाफ नियोजित दुष्प्रचार फैलाया। शाहीनबाग षडयंत्र से लेकर दिल्ली में दंगा फैलाने और अब सीएए को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों तक के लिए विदेश से फंडिंग हो रही है। अमेरिका के रास्ते तीस्ता सीतलवाड़ जैसी छद्मी समाजसेवी को चीन का धन कैसे मिल रहा था और तीस्ता कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य के खिलाफ दुष्प्रचार (कैम्पेन) चला रही थी, इसे अब पूरा देश जानता है। न्यूज़क्लिक की राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के बारे में खुफिया तंत्र को सुराग देने वाले लोगों ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं, जिसे यूएपीए की धारा 41 के तहत चार्जशीट में शामिल किया गया और उसे कोर्ट में पेश किया गया है। इन गवाहों ने बताया है कि उन्हें धर्म विशेष (हिंदुओं) के खिलाफ हिंसा भड़काने के लिए सीएए विरोधी उपद्रवों और शाहीनबाग के प्रदर्शनों में भेजा गया था। इसके लिए न्यूज़क्लिक के मालिक नेविल रॉय सिंघम ने अपने कर्मचारी-पत्रकारों को पैसे देकर बांटने के ▶8पर

मोदी ने जताई कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच खतरनाक सौदे की आशंका

सीट जिताने के एवज में मुस्लिम आरक्षण का सौदा

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकेत दिया कि वायनाड की सीट जिताने के लिए राहुल गांधी और मुस्लिम लीग के बीच मुस्लिम आरक्षण देने का सौदा हुआ। पीएम मोदी ने कहा, मेरे मन में एक सवाल है। क्या वायनाड में कोई सौदा हुआ है कि मुसलमानों को आरक्षण में हिस्सा दिया जाएगा और बदले में हमें वायनाड की सीट जिताओ? देश यह जानना चाहता है। प्रधानमंत्री ने धर्म आधारित आरक्षण को असंवैधानिक करार देते हुए कांग्रेस पर एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों से आरक्षण छीनने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज क्या हो रहा है। क्या कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों से आरक्षण छीनने के तरीके ढूंढ़ रहे हैं जो उन्हें संविधान द्वारा दिया गया है। वे धर्म आधारित आरक्षण आखिर क्यों देना चाहते हैं। संविधान निर्माताओं द्वारा तय किया गया था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। जब संविधान बना तो महीनों तक चर्चा हुई, कई जानकार लोगों के बीच इस बात पर चर्चा हुई कि क्या आरक्षण धार्मिक आधार पर दिया जाना चाहिए।

वायनाड सीट जीतने के लिए कुछ भी करने को आमादा राहुल

तब इस पर सहमति बनी कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। अब वे वोट बैंक के कारण धार्मिक आधार पर आरक्षण देने की कोशिश कर रहे हैं।

इसी के साथ पीएम मोदी ने अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में न जाने को लेकर भी कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला। पीएम ने पूछा कि क्या भगवान पर किसी का अधिकार हो सकता है? भाजपा जैसी साधारण पार्टी भगवान राम के सामने कुछ भी नहीं है। भगवान राम सबके होने चाहिए और वे इस बारे में ▶8पर

रायबरेली से भी चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी

रायबरेली में भाजपा ने कमजोर प्रत्याशी दिया तो कांग्रेस ने अमेठी में कमजोर प्रत्याशी दिया

रायबरेली और अमेठी में भाजपा-कांग्रेस ने एक दूसरे को दिया वॉक-ओवर

रायबरेली, 03 मई (एजेंसियां)।

केरल के वायनाड में पराजय की आशंका से ग्रस्त कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के रायबरेली से भी चुनाव लड़ेंगे। राहुल के रायबरेली से चुनाव लड़ने की तैयारी भांपते हुए भाजपा ने पहले ही रायबरेली से कमजोर प्रत्याशी मैदान में उतार दिया था। ताकि राहुल गांधी को रायबरेली सीट जीतने में अधिक परेशानी न हो। भाजपा की सदाशयता का बदला कांग्रेस ने भी चुकाया और ▶8पर

वायनाड से भाग कर राहुल रायबरेली पहुंचेः भाजपा

रायबरेली, 03 मई (एजेंसियां)।

रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव लड़ने पर भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, राहुल गांधी वायनाड से हार रहे हैं इसलिए वे रायबरेली से चुनाव लड़े जा रहे हैं। पहले उन्होंने अमेठी से हार मानी और सीट छोड़कर भाग गए, अब वायनाड को छोड़कर भाग रहे हैं। हालात ऐसे ▶8पर

सोनिया के पुत्र-प्रेम में गया प्रियंका का राजनीतिक करियर

रायबरेली और अमेठी से प्रत्याशियों की घोषणा हो गई है। प्रियंका गांधी चुनाव नहीं लड़ रही हैं। अब इस बात के राजनीतिक मायने तलाशे जा रहे हैं। सोनिया गांधी के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद से रायबरेली के लिए प्रत्याशी की तलाश शुरू हो गई थी। शुरुआती दौर में प्रियका गांधी रायबरेली को लेकर रुचि दिखा रही थीं। वह यहां से चुनाव लड़ना चाहती थीं। इसी बीच ▶8पर

अमित शाह ने कहा, मेरी बात लिख लेना

राहुल की रायबरेली लॉन्चिंग भी फेल होगी

बेंगलुरु, 03 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कर्नाटक में एक रैली के दौरान राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेठी से भागने के बाद अब रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन राहुल वहां भी हार जाएंगे। अमित शाह ने दावा किया कि राहुल गांधी को रायबरेली से लॉन्च करने की सोनिया गांधी की कोशिश असफल होगी।

कर्नाटक के बेलगावी में चिक्कोडी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार अन्नासाहेब जोले के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, मोदी जी ने कोशिश की और चंद्रयान लॉन्च हो गया। सोनिया गांधी ने राहुल बाबा (राहुल गांधी) नाम के यान को 20 बार लॉन्च किया, लेकिन इनकी लॉन्चिंग सफल नहीं हो रही। आज 21वीं बार अमेठी से भागकर रायबरेली से नामांकन किया है। अमित शाह ने कहा, राहुल बाबा, मैं यहीं से ही रायबरेली का नतीजा बता रहा हूं, भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ आप भारी अंतर से चुनाव हारेंगे। मेरी बात लिख लेना।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल किया। पिछले दो दशकों से इस सीट से सोनिया गांधी सांसद रहीं। रायबरेली सीट गांधी परिवार की परंपरागत सीट मानी जाती है। रायबरेली सीट से ही इंदिरा गांधी और फिरोज ▶8पर

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा

टीएमसी से अच्छा है भाजपा को वोट दें

कुछ स्वार्थियों ने देश बेचा: ममता बनर्जी

कोलकाता, 03 मई (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को वोट देने से अच्छा है भाजपा को वोट देना। अधीर रंजन के बयान से तृणमूल कांग्रेस में तल्खी आ गई। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी ने कांग्रेस के दिग्गज नेता और बहरामपुर लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी पर निशाना साधा। यहां तक कि ▶8पर

14 मई को प्रधानमंत्री मोदी के जोरदार नामांकन की तैयारी

पर्चा दाखिले से पहले काशी में मोदी करेंगे भव्य रोड शो

वाराणसी, 03 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी लोकसभा सीट से 14 मई को नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। इससे पहले 13 मई को वाराणसी में रोड शो भी करेंगे। वाराणसी लोकसभा सीट पर एक जून को वोटिंग होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नामांकन को जोरदार तरीके से प्रस्तुत करने की तैयारियां चल रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की जीत को ऐतिहासिक बनाने के लिए भाजपा कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही। भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेशों के नेता मई के दूसरे सप्ताह से वाराणसी पहुंचना शुरू हो जाएंगे। यहां छोटी-छोटी जनसभाएं

करेंगे, पन्ना प्रमुखों के साथ बैठकें करेंगे और मतदाताओं से सम्पर्क करेंगे। इसके अलावा समाज के अलग-अलग लोगों के साथ बैठकें की जाएंगी।बनारस पहुंचने वाले नेताओं की सूची भी तैयार की जा रही है और कार्यकर्ताओं से भी सूची मांगी जा रही है। प्रधानमंत्री के रोड शो को भव्य बनाने के लिए भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ▶8पर

अब भारत को छोटे हथियार बेचेंगी जर्मन कंपनियां

भारत से होने वाली पनडुब्बी डील पर है नजर

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

भारत के रक्षा क्षेत्र में जर्मनी खासी रुचि ले रहा है। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार भारत को छोटे हथियार बेचने पर प्रतिबंध हटाने के लिए सहमत हो गई है। जर्मन सरकार के इस फैसले को भारत-जर्मनी रक्षा सहयोग में बड़ा कदम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि जर्मनी की नजर भारत से होने वाली पनडुब्बी डील पर है। इससे पहले खबरें आई थीं कि जर्मन सरकार छह नई पारंपरिक पनडुब्बियों के निर्माण के लिए भारतीय नौसेना के साथ बातचीत कर रही है, जिसमें जर्मनी के कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम ▶8पर

TIBCON CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

इस बार लोकसभा चुनाव में रही सांसदों की भगदड़

वैचारिक दलबदल से अधिक टिकट कटने से बदला पाला

चुनाव का मौसम है। नेताओं का दलबदल जारी है। इस बीच भाजपा, कांग्रेस समेत कई दलों के मौजूदा सांसदों ने भी दल बदल लिया है। आम आदमी पार्टी के लोकसभा में एकलौते सांसद थे, जो टिकट मिलने के बाद पाला बदलकर भाजपा के साथ आ गए। अपनी पार्टी छोड़ने वाले कई सांसदों को दूसरे दलों से टिकट भी मिला है। इसके अलावा कांग्रेस के कई प्रवक्ताओं ने पार्टी का साथ छोड़ दिया। चुनावी मौसम में तमाम पार्टियों के नेताओं ने दलबदल किया है। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक नुकसान बसपा को हुआ, जिसके ज्यादातर मौजूदा सांसद पार्टी छोड़ चुके

शुभ-लाभ जायजा

हैं। 2019 में निर्दलीय जीते चार सांसदों में से दो भाजपा में शामिल हो गए हैं।

543 सदस्यीय लोकसभा में सबसे ज्यादा 80 सीटें उत्तर प्रदेश से आती हैं। यहां चुनाव से पहले कई सांसदों ने दलबदल किया, जिसमें सबसे अधिक नुकसान बसपा को हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा के 10 सांसद जीतकर संसद पहुंचे थे। वर्तमान में बसपा के चार सांसद ही रह गए हैं। आजमगढ़ जिले की लालगंज सीट से सांसद संगीता आजाद, अंबेडकर नगर सीट से सांसद रितेश पांडेय भाजपा में

शामिल हो चुके हैं। रितेश पांडेय को भाजपा ने इस बार अंबेडकर नगर सीट से उम्मीदवार भी बना दिया है।

अमरोहा सांसद दानिश अली कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। कांग्रेस ने दानिश को यहां से अपना उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले बसपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते दानिश को पार्टी से निकाल दिया था। मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी बसपा का साथ छोड़कर फिर से समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। इसके बाद उन्हें गाजीपुर संसदीय सीट से सपा ने अपना प्रत्याशी भी घोषित कर दिया। पार्टी छोड़ने वालों में सबसे ताजा नाम मलूक नागर का है। बिजनौर सांसद मलूक नागर बसपा छोड़कर राष्ट्रीय लोक दल में शामिल हो गए हैं। हालांकि, रालोद पहले ही बिजनौर लोकसभा सीट पर विधायक चंदन चौहान को अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। पार्टी छोड़ने वालों में एक नाम राम शिरोमणि वर्मा का है। श्रावस्ती ▶8पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,540/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 82,518/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 43^0

न्यूनतम : 27^0

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद हो सकती है उथल-पुथल, डोनाल्ड ट्रंप ने दिए संकेत

वॉशिंगटन, 03 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इस दौड़ में राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। एक दूसरे पर आरोप लगाने का दौर जारी है।

इस बीच पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे चुनाव के बाद उथल-पुथल होने का संकेत मिला है। उन्होंने दावा किया कि शायद वह (बाइडन) विस्कॉन्सिन में इस साल के चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकें।

देश के अधिकार के लिए लड़ना होगा

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर वह नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों को सही नहीं मानते हैं तो आपको देश के अधिकार के लिए लड़ना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर सब कुछ ईमानदार रहा तो मैं परिणामों को पूरी तरह स्वीकार करूंगा।

राजनीतिक हिंसा की आशंका...

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्होंने चुनाव के आसपास राजनीतिक हिंसा की आशंका से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया की निष्पक्षता पर निर्भर करता है।

बाइडन का पलटवार

वहीं, उत्तरी कैरोलिना के शारलोट में एक कार्यक्रम में जाने के दौरान बाइडन से पूछा गया कि क्या वह परेशान हैं कि ट्रंप चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं करेंगे। इस पर राष्ट्रपति ने कहा कि वह (ट्रंप) क्या कह रहे हैं यह सुनिए।

फिर लगाया यह आरोप

ट्रंप ने एक बार फिर अपने दावे को दोहराया कि उन्होंने साल 2020 में विस्कॉन्सिन का चुनाव जीता था। हालांकि, तब करीब 21 हजार वोटों से बाइडन जीते थे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यदि आप पीछे जाएं और सामने आई सभी चीजों को देखें, तो इससे पता चलता है कि मैंने विस्कॉन्सिन में चुनाव जीता था।

ट्रंप ने कहा कि अगर उन्हें लगता है कि नतीजों में कुछ गड़बड़ है तो वह चुनाव को लेकर संदेह जताने से नहीं हिचकिचाएंगे। उन्होंने कहा, अगर मैंने कुछ और कहा तो यह देश के हित में नहीं होगा। इसलिए मैं एक ईमानदार चुनाव की उम्मीद करता हूं और बड़ी जीत की उम्मीद करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

गाजा के पुनर्निर्माण में आएगी करीब 30 से 40 अरब डॉलर की लागत, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का दावा

अम्मान । संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक एजेंसी ने कहा कि युद्ध से तबाह गाजा को फिर से खड़ा करने में अनुमानित 30 से 40 अरब डॉलर की लागत आएगी। एजेंसी ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार होगा जब इतने बड़े पैमाने पर कोशिश होगी। यूएन के सहायक महासचिव अब्दुल्ला अल-दरदारी ने कहा, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का शुरुआती अनुमान है कि गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए लागत 30 से 40 अरब डॉलर को पार कर सकती है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, विनाश का पैमाना बहुत बड़ा और अभूतपूर्व है। यह एक ऐसा मिशन है जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक समुदाय ने नहीं निपटाया है। उन्होंने कहा, अगर गाजा का पुनर्निर्माण सामान्य प्रक्रिया के जरिए किया जाता है, तो इसमें दशकों लग सकते हैं और फलस्तीन लोगों के पास दशकों तक इंतजार करने की सुविधा नहीं है। इस लिए यह जरूरी है कि हम लोगों का घर फिर से बसाने और स्वास्थ्य, शिक्षा के मामले में आर्थिक, सामाजिक रूप से उनके जीवन को सामान्य करने के लिए शीघ्रता से काम करें। उन्होंने कहा, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसे शत्रुता खत्म होने के बाद पहले तीन वर्षों के भीतर हासिल किया जाना चाहिए। उन्होंने अनुमान लगाया कि बमबारी और विस्फटों से कुल 37 मिलियन टन मलबा होगा। अल-दरदारी ने कहा, हम एक विशाल आंकड़े के बारे में बात कर रहे हैं। यह आंकड़ा हर दिन बढ़ रहा है। ताजा आंकड़े इस ओर इशारा कर रहे हैं कि यह पहले से ही 40 मिलियन टन के करीब पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, सभी आवासीय भवनों का 72 फीसदी पूरी तरह से या आंशिक रूप से नष्ट हो गया है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को लताड़ा, कहा- हर मामले में इनका ट्रैक रिकॉर्ड खराब है

न्यूयॉर्क । भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई। भारत ने पाकिस्तान की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड हर मामले में संदिग्ध है। संयुक्त राष्ट्र में शांति की संस्कृति विषय पर आम सभा की बैठक हुई, जिसमें पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने भारत के खिलाफ बयानबाजी की और कश्मीर, सीएए और अयोध्या के राम मंदिर के मुद्दे पर भारत के खिलाफ टिप्पणियां की। इसका जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। भारत ने पाकिस्तान को पढ़ाया शिष्टाचार का पाठ रुचिरा कंबोज ने कहा कि इस सभा में हम शांति की संस्कृति की बात कर रहे हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में हमारा फोकस रचनात्मक बातचीत पर होना चाहिए। ऐसे में हमें एक प्रतिनिधिमंडल (पाकिस्तान) की टिप्पणियों को नजरअंदाज करना चाहिए क्योंकि उनमें न सिर्फ शिष्टाचार की कमी है, बल्कि उनका खुद का ट्रैक रिकॉर्ड हर मामले में संदिग्ध है। ये अपनी विनाशकारी और हानिकारक स्वभाव के चलते हमारे सामूहिक प्रयासों को भी गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। कंबोज ने कहा कि हम चाहेंगे कि ये प्रतिनिधिमंडल सम्मान और कूटनीति के आधारभूत सिद्धांतों का पालन करे। भारत कई धर्मों की जन्मस्थली भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि आतंकवाद शांति की संस्कृति के खिलाफ है और यह धर्म की शिक्षाओं जैसे दया, सहअस्तित्व के भी खिलाफ है। हमारा देश मानता है कि ये पूरी दुनिया एक परिवार है और संयुक्त राष्ट्र सभा के सभी सदस्य देशों को भी ऐसा मानना चाहिए ताकि शांति की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके। कंबोज ने कहा वैश्विक चुनौतियां बढ़ रही हैं। बढ़ती असहिष्णुता, भेदभाव और धर्म आधारित हिंसा की चुनौतियों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। पवित्र स्थलों जैसे चर्च, बौद्ध स्थल, गुरुद्वारे, मस्जिद, मंदिर और यहूदी धर्मस्थलों पर हमलों की घटनाओं में तेजी आने से हम चिंतित हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में आए दिन हिंदू मंदिरों और गुरुद्वारों पर हमले की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कंबोज ने कहा कि अहिंसा का मंत्र महात्मा गांधी ने दिया था और यह आज भी हमारे देश का आधार है। पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत की प्रतिनिधि ने कहा कि भारत न सिर्फ हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म की जन्मस्थली है बल्कि यहां इस्लाम, यहूदी, ईसाई और पारसी जैसे धर्मों का भी मजबूत आधार है। जिन वर्गों और धर्मों के लोगों को शोषण का सामना करना पड़ा, उन्हें शरण देने और विविधता में एकता बनाए रखने का भारत का इतिहास रहा है।

ओपेक पर काम कर रहे चीनी नागरिकों की जान को खतरा, हमलों से घबराए पाक सरकार ने लिया बड़ा फैसला

इस्लामाबाद, 03 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों पर कुछ समय से हमले लगातार बढ़ रहे हैं। हमले में अनेकों चीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। ड्रैगन अपने लोगों के मारे जाने पर गुस्से में है। बताया जा रहा है कि उसने पाकिस्तान को खूब खरी-खोटी सुनाई है। वहीं, अब भारत के पड़ोसी देश ने चीनी नागरिकों की रक्षा के लिए एक नया कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने चीनी नागरिकों को बिना बख्तरबंद वाहन के प्रांत में यात्रा नहीं करने का आदेश दिया है।

सुरक्षा प्रोटोकॉल से कोई समझौता नहीं होगा: पाकिस्तान

पाकिस्तान प्रशासन का स्पष्ट तौर पर कहना है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हाल ही में चीनी नागरिकों को बुलेट प्रूफ वाहन के अलावा किसी भी वाहन में यात्रा करने से एक तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हजारा रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) ताहिर अयूब खान ने कहा, हम चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी संभव उपायों को अपना रहे हैं। इन लोगों को सरकार के निर्देशों के अनुसार बिना बख्तरबंद वाहनों के प्रांत में यात्रा नहीं करनी चाहिए।

यह है मामला

बता दें, पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला 26 मार्च की घटना को देखते हुए लिया है। दरअसल, चीनी इंजीनियरों के एक काफिले को निशाना बनाया गया था, जो उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में एक बांध परियोजना में काम कर रहे थे। हमले में छह चीनी नागरिक मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले के बेशम इलाके में चीनी नागरिकों को निशाना बनाया गया था। आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी कार चीनी नागरिकों के काफिले में घुसा दी थी।

एक सप्ताह में तीसरी बार हमला किया गया था। इससे पहले हुए हमलों में पाकिस्तान के नौसैनिक हवाई अड्डे और दक्षिण पश्चिम प्रांत बलूचिस्तान में चीनी निवेश के लिए महत्वपूर्ण एक रणनीतिक बंदरगाह को निशाना बनाया गया था, जो इस क्षेत्र में चीनी परियोजनाओं के लिए बढ़ती सुरक्षा चिंताओं को दर्शाता है।

सीपीईसी परियोजनाओं पर काम कर रहे नागरिकों पर हो रहे हमले

रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच कई चीनी नागरिकों के अपने होटलों से बाहर निकलने पर रोक लगा दी थी। पुलिस के एक पत्र में उन चीनी नागरिकों की सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया गया है जो गैर-चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं में शामिल हैं।

पाकिस्तान के गृह विभाग ने यह भी कहा कि बदलाव नहीं होने तक बुलेटप्रूफ वाहनों का इस्तेमाल नहीं करने वाली परियोजनाओं को बंद कर दिया जाएगा। दरअसल, थोड़े दिनों पहले ही पाकिस्तान ने सीपीईसी प्रोजेक्ट में काम कर रहे चीनी नागरिकों को बुलेट प्रूफ वाहन में यात्रा करने की सलाह दी थी।

डीआईजी ने जिला पुलिस अधिकारी शफीउल्लाह गंडापुर के साथ सुकी किनारी और बालाकोट जलविद्युत परियोजनाओं के स्थलों का दौरा किया और कागन घाटी के मलकंडी इलाके में सुकी किनारी परियोजना के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने मलकंडी और घनूल क्षेत्रों में जलविद्युत परियोजनाओं से संबंधित सुरक्षा बैठकों में भाग लिया। उपस्थित लोगों में दोनों साइटों के सुरक्षाकर्मी, चीनी इंजीनियर और परियोजना प्रबंधक शामिल थे।

यह कदम अपनाए जा रहे

ताहिर ने कहा कि चीनी इंजीनियरों और श्रमिकों की आवासीय कॉलोनियों की चारदीवारी कम से कम आठ फीट ऊंची होगी और कंटीले तारों से भी किलेबंदी की जा सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुरक्षाकर्मी हर कीमत पर चीनी इंजीनियरों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

डीआईजी ताहिर ने चीनी अधिकारियों पर हमले के बाद पूर्व डीआईजी मोहम्मद एजाज खान को निलंबित कर दिया था।

फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन में 2000 गिरफ्तार, पुलिस को करनी पड़ी फायरिंग खाली कराया विश्वविद्यालय परिसर

वॉशिंगटन, 03 मई (एजेंसियां) ।

पुलिस ने हाल के हफ्तों में अमेरिका के कॉलेज परिसरों में फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन के दौरान 2000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। एसोसिएटेड प्रेस टेली ने यह जानकारी दी। अमेरिका के करीब हर कोने में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन हुए और गिरफ्तारियां हुईं। बीते चौबीस घंटों में लॉस एजिंल्स के प्रदर्शन ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है, जहां अधिकारी प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर टूट पड़े।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने जगह खाली करने के आदेश का उल्लंघन किया। कुछ लोगों ने मानव श्रृंखला बनाई। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए फ्लैश ग्रेनेड का इस्तेमाल किया।

लॉस एजिंल्स काउंटी शेरिफ विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए कैलिफोर्निया राजमार्ग गश्ती दल के सार्जेंट एलेजांद्रो रुबियो ने बताया कि कम से कम 200 लोगों को गिरफ्तार किया गया। रुबियो ने कहा कि लॉस एंजिल्स शहर के पास काउंटी जेल परिसर में उन पर मामला दर्ज किया जा रहा है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय पुलिस तय करेगी कि कौन से आरोप लगाने हैं।

प्रदर्शनकारियों ने आह्वान किया कि इजराइल या उसकी कंपनियों के साथ व्यापार करना बंद करें, क्योंकि वे गाजा में युद्ध का समर्थन करते हैं।

17 अप्रैल को कोलंबिया विश्वविद्यालय में शुरु हुए प्रदर्शन अब देशभर के विश्वविद्यालयों के परिसरों तक फैल गए हैं। छात्र इजराइल-हमास युद्ध को खत्म करने का आह्वान कर रहे हैं। इस युद्ध में गाजा पट्टी में अब तक 34 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले साल सात अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों ने दक्षिणी इजराइल पर हमला किया था और करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और करीब ढाई सौ लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद इजराइल ने गाजा पर हमला शुरू किया था। कैलिफोर्निया राजमार्ग गश्ती अधिकारी सैकड़ों की संख्या में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय परिसर में घुसे। उन्होंने फेसशील्ड, हेलमेट और गैस मास्क पहने हुए थे और हाथों में डंडे लिए हुए थे। अधिकारियों ने घंटो तक लाउड स्पीकर से चेतावनी दी कि अगर एक हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ तितर-बितर नहीं हुई तो गिरफ्तारियां होंगी। प्रदर्शनकारियों और पुलिस में धक्का-मुक्की हुई।

यूक्रेन संकट के बीच इस बीच इस देश में साथ काम कर रहीं अमेरिका-रूस की सेनाएं, एक बेस पर मौजूद हैं सैनिक

नियामे, 03 मई (एजेंसियां) ।

रूस और अमेरिका की प्रतिद्वंदिता जगजाहिर है, लेकिन अफ्रीकी देश नाइजर में दोनों देशों की सेनाएं साथ काम कर रही हैं। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका और रूस के सैनिक नाइजर में बीते कई हफ्तों से एक ही सैन्य अड्डे पर ठहरे हुए हैं। हालांकि नाइजर की सेना अमेरिका के सैनिकों को देश छोड़ने को कह चुकी है।

नाइजर के एयर बेस पर मौजूद अमेरिका और रूस के सैनिक - मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस और अमेरिका के सैनिक नाइजर के एयर बेस 101 पर मौजूद हैं। रूस के सैनिक बेस के एक हैंगर से ऑपरेट कर रहे हैं। हालांकि एक बेस पर काम करने के चलते दोनों देशों के सैनिकों में जुड़ाव बना हुआ है। नाइजर में जुलाई 2023 में हुए तख्तापलट में नाइजर की सेना जुंटा सत्ता पर काबिज हो गई है। नाइजर की सेना अपने देश से अमेरिका के सैनिकों को निकालना चाहती है। साल 2014 में अमेरिका और नाइजर के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके तहत अमेरिका के सैनिक और नागरिक स्टाफ नाइजर

में तैनात किए जा सकते हैं। अब तख्तापलट के बाद नाइजर की सेना ने उस समझौते को खत्म कर दिया है और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती का विरोध किया है। वहीं नाइजर में रूस का प्रभाव बढ़ रहा है।

नाइजर में रूस का बढ़ रहा प्रभाव - रूस के रक्षा मंत्रालय ने जनवरी में नाइजर के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने का एलान किया था। इसके तहत रूस ने नाइजर की सेना को प्रशिक्षित करने के लिए 100 ट्रेनर भेजने का एलान किया था। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि अप्रैल से पहले से ही नाइजर में रूसी सैनिक मौजूद हैं। अफ्रीकी देश चाड से भी अमेरिकी सैनिकों की वापसी हो गई है।

स्थानीय चुनावों के खराब नतीजों के बाद दबाव में प्रधानमंत्री सुनक, 40 साल में पार्टी का सबसे खराब प्रदर्शन

लंदन, 03 मई (एजेंसियां) ।

उपचुनाव को लेकर स्टर्मर ने कहा कि ब्लैकपूल पूरे देश की आवाज है। यहां के लोगों को ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को सीधा संदेश भेजने का मौका मिला और उनका संदेश था कि वह बदलाव के लिए वोट कर रहे हैं।

ब्रिटेन के मौजूदा पीएम ऋषि सुनक की पार्टी के लिए आगामी चुनाव की राह मुश्किलों भरी दिखाई दे रही है। पार्टी को चुनाव में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, स्थानीय चुनावों के खराब नतीजों के बाद रातोंरात स्थिती बदल गई है। इन चुनाव नतीजों को 40 साल में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी का सबसे बुरा प्रदर्शन बताया जा रहा है।

खुद के नेताओं का झेलना होगा विरोध!

कंजर्वेटिव पार्टी विपक्ष की लेबर पार्टी से पीछे छूटती दिखाई पड़ रही है। इतना ही नहीं ब्लैकपूल दक्षिण उपचुनाव में टोरी को मिले बहुमत भी पलट गया है। ऐसे में विपक्षी दल को लाभ मिलने के बाद

भारतीय मूल के नेता सुनक को खुद की पार्टी के लोगों का विरोध झेलना पड़ सकता है। यह संभावना जताई जा रही है।

स्टर्मर ने एक प्रचंड जीत करार दिया

आम चुनाव से पहले उपचुनाव के आए नतीजे को लेबर पार्टी के नेता सर कीर स्टर्मर ने एक प्रचंड जीत करार दिया। साथ ही उन्होंने इस नतीजे को पार्टी के पक्ष में एक समग्र चुनावी जनादेश के रूप में घोषित किया।

ब्लैकपूल पूरे देश की आवाज

उपचुनाव को लेकर स्टर्मर ने कहा, ब्लैकपूल पूरे देश की आवाज है। यहां के लोगों को ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को सीधा संदेश भेजने का मौका मिला और उनका संदेश था कि वह बदलाव के लिए वोट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुनक के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि अब बदलाव का समय है। आम चुनाव का समय है।

सबसे खराब प्रदर्शन

दरअसल, ब्लैकपूल साउथ में लेबर उम्मीदवार क्रिस वेब ने कंजर्वेटिव के नेता डेविड जोन्स को उस निर्वाचन क्षेत्र में हराया, जहां टोरी ने साल 2019 में जीत उपलब्ध की थी। प्रख्यात सर्वेक्षक प्रोफेसर जॉन कर्टिस ने का कहना है, हम पिछले 40 वर्षों में स्थानीय सरकार के चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी के सबसे खराब प्रदर्शन को देख रहे हैं।

मलबे में 10 हजार से अधिक लोगों के दबे होने की आशंका, खुदाई करने वाले उपकरणों और कर्मचारियों की किल्लत

गाज़ा, 03 मई (एजेंसियां) ।

इजराइली बमबारी में कई इलाके पूरी तरह से ध्वस्त हो गए हैं। सैकड़ों इमारतों को नुकसान पहुंचा है और अब भी हवाई, भूमि व समुद्री मार्ग से इजराइल की सैन्य कार्रवाई जारी है। ओसीएचए ने फलस्तीनी नागरिक प्रतिरक्षा प्राधिकरण का हवाला देते हुए बताया कि मलबे में दबे शवों को बाहर निकालना एक बड़ी चुनौती है, जिसकी एक बड़ी वजह बुलडोजर, खुदाई करने वाले उपकरणों और कर्मचारियों की किल्लत है।

फिलहाल जो पुराने औजार उपलब्ध हैं, उनकी मदद से शवों को बाहर निकालने में तीन वर्षों तक का समय लग सकता है। यूएन विशेषज्ञों ने सचेत किया है कि बढ़ते तापमान के कारण शवों के सड़ने में तेजी आ सकती है, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ेगा।

यूएन बाल कोष की प्रमुख कैथरीन रसैल ने जोर देकर कहा है कि फलस्तीनियों के लिए इस दुस्वप्न का अंत किया जाना चाहिए। उनके अनुसार लगभग दक्षिणी सीमा पर स्थित रफाह शहर में शरण लेने वाले छह लाख बच्चों में से लगभग सभी घायल, बीमार या कुपोषित हैं। गाजा में 200 से अधिक दिनों के युद्ध में पहले से ही हजारों बच्चों की मौत हो चुकी है या वे अपंग हुए हैं।

इस बीच रफाह में इजराइल द्वारा बड़े स्तर पर सैन्य कार्रवाई की आशंका प्रबल होती जा रही है। 7 अक्तूबर को दक्षिणी इजराइल पर हमास के नेतृत्व में आतंकी हमलों में 1,250 लोग मारे गए थे और 250 को बंधक बना लिया गया था, जिनमें से अनेक लोग अब भी बंधक हैं। इसके बाद शुरू हुई इजराइली कार्रवाई में अब तक 34 हजार 560 फलस्तीनियों की जान गई है और 77 हजार से अधिक घायल हुए हैं। 1 मई तक लड़ाई में इजराइल के 262 सैनिकों के मारे जाने की खबर है और 1,602 सैनिक घायल हुए हैं।

अप्रैल में इजराइली सैनिकों ने दक्षिणी गाजा में स्थित खान यूनिस शहर से वापसी की थी, जिसके बाद यूएन की समीक्षा टीम ने 10 अप्रैल को वहां हालात का जायजा लिया। यूएन मिशन के अनुसार, सड़कों व सार्वजनिक स्थलों पर अनफटे विस्फोटक बिखरे हुए हैं। मुख्य चौराहों और स्कूलों के भीतर एक हजार पाउंड वजन के विस्फोटक पड़े हुए नजर आए।

यूएन की टीम गाजावासियों की खान यूनिस में वापसी को सुरक्षित बनाने के लिए प्रयासरत है। इसके तहत फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए केंद्रों पर सैन्य कार्रवाई में हुई क्षति का आकलन किया जा रहा है। साथ ही छर्रों और अनफटी युद्धक सामग्री से प्रभावित इलाकों को चिह्नित किया जा रहा है।

इस क्रम में जागरूकता प्रसार की अहम भूमिका है, जिसे 12 लाख गाजावासियों के लिए यूएनएमएएस द्वारा सोशल मीडिया, मोबाइल फोन पर संदेशों और अन्य लिखित सामग्री के जरिए किया जा रहा है। अब तक गाजा पट्टी में 3.7 करोड़ टन मलबे का अनुमान है, जिसमें करीब आठ लाख टन ऐस्बेस्टस और अन्य दूषक पदार्थ हो सकते हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर ईडी-सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से जुड़े कथित शराब घोटाला मामले में पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को शुक्रवार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। सिसोदिया के मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति स्वर्णा कांता शर्मा ने ईडी और सीबीआई से जवाब मांगा और इस मामले की अगली सुनवाई आठ मई को मुकर्रर की गयी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन ने सिसोदिया की ओर से जिरह करते हुये कहा कि निचली अदालत के पहले के आदेश में उनके मुवक्किल को सप्ताह में एक बार अपनी बीमार पत्नी से मिलने की इजाजत दी गयी थी, जिसे जारी रखा जाना चाहिये। ईडी की ओर से पेश विशेष वकील ज़ोहेब हुसैन ने कहा कि यदि उप-मुख्यमंत्री को उनकी बीमार पत्नी से मिलने की इजाजत देने वाले निचली अदालत के आदेश को जारी रखा जाता है, तो उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। सिसौदिया ने 30 अप्रैल को सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में उनकी दूसरी जमानत याचिका खारिज करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुये उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इससे पहले ईडी और सीबीआई दोनों मामलों में निचली अदालत, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने सिसोदिया की याचिका को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने जमानत मंजूर करने से इनकार के खिलाफ सिसोदिया की समीक्षा याचिका भी खारिज कर दी थी।

उनकी क्यूरेटिव याचिका भी खारिज कर दी गयी थी। शीर्ष अदालत ने हालांकि पिछले साल 30 अक्टूबर को उनकी याचिका को खारिज करते हुये कहा था कि यदि उनका मामला धीमी गति से आगे बढ़ता है, तो वह निचली अदालत के समक्ष अपनी नयी जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। गौरतलब है कि श्री सिसोदिया को पिछले साल 26 फरवरी और नौ मार्च को सीबीआई और ईडी ने गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज कर सिसोदिया और अन्य के खिलाफ दिल्ली के लिये नयी आबकारी नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया है। नयी आबकारी नीति को तैयार किया गया था, और उसके बाद उसे रद्द कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि सिसोदिया पर 2021-22 की आबकारी नीति के संबंध में सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंसधारक को निविदा के बाद अनुचित तौर से लाभ पहुंचाने की सिफारिश करने और ऐसा निर्णय लेने का आरोप लगाया गया था।

एनआईए ने थलपुझा फायरिंग मामले में आरोप पत्र दायर किया

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल के थलपुझा इलाके में विशेष अभियान समूह के कमांडो पर फायरिंग से संबंधित मामले में नक्सली संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के चार कैडरों के खिलाफ शुक्रवार को आरोपपत्र दायर किया।

जांच एजेन्सी ने बताया कि यह घटना केरल में पिछले वर्ष 7 नवंबर को हुई थी। केरल पुलिस के विशेष अभियान समूह के कमांडो की टीम प्रतिबंधित नक्सली संगठन, सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र कैडरों को पकड़ने के लिए वायनाड में तलाशी अभियान चला रही थी। जब टीम को एक घर में मौजूद कैडरों का पता चला और पुलिस उस ओर बढी तो उस पर हमला किया गया। टीम के कमांडो ने सीपीआई (माओवादी) के दो सदस्यों को पकड़ लिया जिनकी पहचान थिरुवेंकिदम उर्फ चंदू और श्रीमथी उर्फ उन्नीमाया के रूप में हुई। तीन अन्य लोग मुठभेड़ स्थल से भाग गए। राष्ट्रीय जांच एजेन्सी ने गत 10 फरवरी को इस मामले की जांच केरल पुलिस से अपने हाथ में ली थी। एजेन्सी ने शुक्रवार को इन सबके खिलाफ भारतीय दंड संहिता, गैर कानूनी गतिविधि (पी) ए और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। मामले की जांच जारी है और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

हेमंत सोरेन को झटका गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका खारिज

रांची, 03 मई (एजेंसियां)। झारखंड उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया है। न्यायालय के इस फैसले से श्री सोरेन को बड़ा झटका लगा है। इससे पहले 28 फरवरी को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस चंद्रशेखर और न्यायाधीश नवनीत कुमार की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और आज अपना फैसला सुनाया।

श्री सोरेन की ओर से देश के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल और हाईकोर्ट के अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने बहस की थी।वहीं ईडी की ओर से एस वी राजू और अमित दास ने बहस की। उल्लेखनीय है कि हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। श्री सोरेन का कहना था कि उनके खिलाफ जो मामला दर्ज किया गया है, वह मनी लॉन्ड्रिंग का नहीं है।जिस जमीन की बात ईडी कह रहा है वह जमीन उनके नाम कभी रहा ही नहीं। श्री सोरेन ने आदेश सुरक्षित रखने के बाद फैसला नहीं सुनाये जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में भी याचिका दायर की है।

सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल को अंतरिम राहत देने पर कर सकता है विचार

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आपा) नेता एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित कथित धनशोधन एक मामले में गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर अंतरिम जमानत देने पर विचार करने का शुक्रवार को संकेत दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने सुनवाई के दौरान मौखिक तौर पर कहा कि उसने अभी कोई फैसला नहीं किया, लेकिन सुनवाई लंबी चलने की संभावना के मद्देनजर वह अंतरिम जमानत के सवाल पर विचार कर सकती है।

पीठ ने स्पष्ट करते हुए कहा कि वह केवल सभी संबंधित अधिवक्ताओं को सूचित कर रही है कि सुनवाई जल्द पूरी नहीं होने की संभावना के मद्देनजर याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत देने पर विचार किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में वह अगली सुनवाई सात मई को करेगी। इससे पहले 30 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने लोकसभा चुनाव से पहले श्री केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय पर उठाए गए सवाल पर प्रवर्तन निद-ेशालय (ईडी) को तीन मई तक अपना स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया था।

पीठ ने यह भी कहा था कि धनश-ोधन निवारण अधिनियम की धारा 19 अभियोजन पक्ष पर काफी अधिक जिम्मेदारी डालती है। इसलिए आरोपी जमानत का विकल्प नहीं चुन रहा है, क्योंकि तब उसे अदालत को यह विश्वास दिलाना होगा कि वह दोषी नहीं है। केजरीवाल ने दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित कथित धनशोधन के मामले में ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। शीर्ष अदालत के समक्ष अपने लिखित जवाब में केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद अपनी गिरफ्तारी के तरीके और समय पर सवाल उठाया है। उन्होंने तर्क दिया है कि उनकी गिरफ्तारी लोकतंत्र के सिद्धांतों, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और संघवाद पर एक अभूतपूर्व हमला था। इसलिए उनकी गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध घोषित किया जाना चाहिए।

केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। कावेरी बावेजा की विशेष अदालत के आदेश पर वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय से अपनी याचिका खारिज होने के बाद 10 अप्रैल को शीर्ष अदालत का दरव-ाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की एकल पीठ ने (नौ अप्रैल को) केजरीवाल को गिरफ्तार करने और उस केंद्रीय जांच एजेंसी को उन्हें हिरासत में देने के एक विशेष अदालत के फैसले को उचित ठहराते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी थी। एकल पीठ ने मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी और हिरासत के मामले में हस्तक्षेप करने से साफ तौर पर इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने कहा था कि ईडी की ओर से अदालत के समक्ष पेश दस्ता-वेजों से प्रथम दृष्ट्या पता चलता है कि आरोपी उक्त अबकारी नीति को तैयार करने की साजिश शामिल थे। उन्होंने उस अपराध से प्राप्त आय का इस्तेमाल किया। एकल पीठ ने यह भी कहा था कि वह व्यक्तिगत तौर पर उस नीति को बनाने और रिश्वत मांगने में भी कथित तौर पर शामिल थे। ईडी ने श्री केजरीवाल पर दिल्ली अबकारी नीति के माध्यम से गलत तरीके से करोड़ों रुपए हासिल करने और इस में मुख्य भूमिका निभाने वाला साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 17 अगस्त 2022 को अबकारी नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में की गई कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने 22 अगस्त 2022 को धनशोध का मामला दर्ज किया था। ईडी का दावा है कि आपा के शीर्ष नेताओं केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया, राज्य सभा सांसद संजय सिंह और अन्य ने अवैध कमाई के लिए साजिश रची थी। गौरतलब है कि इस मामले में आपा सांसद श्री सिंह को उच्चतम न्यायालय ने दो अप्रैल को राहत दी। शीर्ष अदालत ने उन्हें जमानत की अनुमति के साथ ही संबंधित विशेष अदालत को जमानत की शर्तें तय करने का भी निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत के इस आदेश के मद्देनजर राऊज एवेन्यू स्थित काबेरी बाबेजा की विशेष अदालत ने तीन अप्रैल को उन्हें सशर्त तिहाड़ जेल से रिहा किया।

चतुर उमर अब्दुल्ला के पास कागज पर न कार, न घर, न कोई सम्पत्ति

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 3 मई।

चतुर उमर अब्दुल्ला के पास कागज पर न ही कोई कार है और न ही कोई घर। कागज पर उनकी कोई अचल सम्पत्ति भी नहीं है और उन्होंने किसी बैंक से कोई कर्जा भी नहीं लिया है।

अपने नामांकन हलफनामे में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने खुलासा किया है कि उनके पास अपने जीवनसाथी या आश्रितों के नाम पर कोई आवासीय घर, कोई कृषि भूमि या उनके नाम पर पंजीकृत कोई अचल सम्पत्ति नहीं है। उमर ने वर्ष 2014 में श्रीनगर के सोनवार विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत किए गए अपने पिछले चुनावी हलफनामे की तुलना की, उनकी चल सम्पत्ति में 65.59 लाख से 16 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई है।

उमर के पास किसी भी आव-ासीय सम्पत्ति या कृषि भूमि का स्वामित्व नहीं है, मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के बाद से यह स्थिति अपरिवर्तित है। उन्होंने इस साल 2 मई को रिटर्निंग ऑफिसर बारामुल्ला के समक्ष प्रस्तुत अपने हालिया घोषणापत्र में इस रुख को दोहराया।

उमर बारामुल्ला लोकसभा क्षेत्र से नेकां के उम्मीदवार हैं। इसके अलावा, चुनावी हलफनामे के अनुसार, सिडेनहम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स से वाणिज्य में स्नातक उमर अब्दुल्ला ने अपनी वैवाहिक स्थिति का खुलासा करते हुए कहा कि वह अपनी पत्नी से अलग हो गए हैं और तलाक की कार्यवाही सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। उनकी आय का स्रोत मुख्य रूप से पूर्व विधायक और पूर्व संसद सदस्य के रूप में पेंशन से आता है।

विशेष रूप से, उन पर किसी भी बैंक से कोई ऋण या देनदारी नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में उनकी आय अलग-अलग रही है, 2019-20 में 7,92,093 रुपए , 2020-21 में 11,73,030 रुपए , 2021-22 में 13,20,460 रुपए और 2023 में उल्लेखनीय कमी के साथ 13,20,460 रुपए हो गई। 24, 2022-23 में 19,39,620 रुपए ।

मुख्यमंत्री मान के आवास के बाहर की सड़क फिलहाल नहीं खुलेगी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चंडीगढ़ स्थित आवास के बाहर की सड़क परीक्षण के तौर पर आम लोगों की आवाजाही के लिए खोलने के पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने पंजाब के वर्तमान मुख्यमंत्री पर खतरे का दावा करने वाली याचिका पर केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ प्रशासन को नोटिस जारी किया। पीठ ने नोटिस जारी करते हुए कहा, कोई नहीं चाहता कि कुछ भी अप्रिय घटित हो। परीक्षण के तौर पर सड़क खोलने के निर्देश पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है, लेकिन उच्च न्यायालय अपने समक्ष रिट याचिका की कार्यवाही जारी रह सकती है।

शीर्ष अदालत ने पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह की दलील को रिकॉर्ड में लिया कि हाल के वर्षों में दुर्भाग्य से आतंकवाद फिर से बढ़ गया है और खुफिया भवन पर हथगोले फेंके गए। श्री सिंह ने दलील देते हुए पीठ के समक्ष कहा कि परीक्षण के तौर पर भी उक्त सड़क को आम लोगों के लिए खोलना उचित नहीं है। उन्होंने उच्च न्यायालय के आदेश पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए लोकप्रिय पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की कथित हत्या का उदाहरण दिया और कहा कि उनकी सुरक्षा वापस लेने के तुरंत बाद उन्हें कथित तौर पर मार दिया गया था। उच्च न्यायालय ने 27 अप्रैल को अपने एक आदेश में चंडीगढ़ प्रशासन को एक मई से परीक्षण आधार पर मुख्यमंत्री आवास के सामने 500 मीटर की सड़क को आम लोगों की आवाजाही के लिए खोलकर यातायात की भीड़ को कम करने की योजना बनाने का निर्देश दिया था। इसके मद्देनजर एक मई से सभी कार्य दिवसों पर सुबह सात बजे और शाम सात बजे तक परीक्षण के आधार पर शुरू किया जाना था। वर्ष 1980 के दशक में उग्रवाद और आतंकवाद के बढ़ते मामलों के कारण सड़क का विशेष खंड बंद कर दिया गया था।

अब कश्मीर में बारिश न होने की दुआ मांग रहे लोग

जम्मू, 03 मई (ब्यूरो)। पिछले साल सर्दियों में कई महीनों तक सूखे का सामना करने वाले कश्मीर में अब इसलिए दुआ के लिए हाथ उठ रहे हैं ताकि और बारिश न हो। पहले ही दो दिनों की जबरदस्त बारिश कश्मीर में तबाही का मंजर दिखा चुकी है। हालांकि यह मंजर 2014 की बाढ़ से कम ही था।

दरअसल मौसम विभाग ने 6 और 7 मई को भी भारी बारिश की भविष्यवाणी की है और कश्मीरी इससे चिंतित हो उठे हैं। अभी वे पिछले हफ्ते की बारिश से होने वाले नुकसान से नहीं उबर पाए हैं। और यह भी सच है कि जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी, श्रीनगर केंद्र शासित प्रदेश का एकमात्र स्टेशन है जहां पिछले दो महीनों में बहुत अधिक वर्षा दर्ज की गई है, क्योंकि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर में इस साल 1 मार्च से सामान्य वर्षा दर्ज की गई है। जबकि पिछले साल सूखे के कारण वह जेहलम दरिया पूरी तरह से सूख गया था जो अब हिलोरे मार रहा है।

उपलब्ध विवरण के अनुसार, एक मार्च से 1 मई की अवधि के दौरान 255.9 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले, जम्मू और कश्मीर में 278.8 मिमी वर्षा हुई। हालांकि, श्रीनगर एकमात्र ऐसा स्टेशन है जहाँ इस अवधि के दौरान 211.1 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले बहुत अधिक वर्षा दर्ज की गई है, ग्रीष्मकालीन राजधानी में 01 मार्च, 2024 से 01 मई, 2024 तक 377 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। एयरफोर्स स्टेशन पर 79 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। सामान्य वर्षा से कई प्रतिशत अधिक वर्षा।

यहां स्थानीय मौसम विभाग द्वारा तैयार किए गए दस्तावेज के अनुसार, अनंतनाग, बडगाम, बांदीपोरा, बारामूला, गांदरबल, कुलगाम, कुपवाड़ा और पुलवामा सहित कश्मीर के आठ अन्य स्टेशनों पर अत्यधिक वर्षा दर्ज की गई है। अनंतनाग जिले में इस अवधि के दौरान 261.5 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले 329.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि बडगाम में 197.1 मिमी की तुलना में 242.9 मिमी बारिश हुई है।

इसी अवधि के दौरान 206.8 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले, बांदीपोरा में 259.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि बारामुला में 272.4 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले 376.5 मिमी वर्षा हुई है। इस अवधि के दौरान गांदरबल में 242.1 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले 304.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि कुलगाम में 316.1 मिमी की तुलना में 433.7 मिमी बारिश हुई।

इसी तरह से उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में 334.3 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले 400.2 मिमी बारिश हुई है। पुलवामा में भी इस अवधि के दौरान सामान्य वर्षा 153.7 मिमी की तुलना में अधिक वर्षा दर्ज की गई है, इस अवधि के दौरान 185.2 मिमी दर्ज की गई है।

बहरहाल, भारी बारिश के साथ-साथ कई स्थानों पर बर्फबारी और ओलावृष्टि के बावजूद, शोपियां जिले में इस अवधि के दौरान सामान्य वर्षा 217.9 मिमी के मुकाबले कम वर्षा दर्ज की गई है, जबकि 1 मार्च से जिले में 102.7 मिमी बारिश हुई है।

उत्तराखंड में चौबीस घंटे में आग से तीन की मौत, 64 वनाग्नि की घटनाएं हुईं दर्ज

नैनीताल, 03 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में वनाग्नि की चपेट में आने से अल्मोड़ा जिले में तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि एक महिला जिदंगी और मौत से जूझ रही है। पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश में वनों में आग लगने की 64 घटनायें प्रकाश में आयी हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर के स्यूनराकोट के जगंल में नेपाली मूल के दीपक बहादुर, ज्ञानेश बहादुर और अन्य दो महिलायें जंगल में पेड़ से लीसा निकाल रहे थे। इस दौरान चारों आग की चपेट में आ गये। बताया जा रहा है कि दीपक की मौके पर ही मौत गयी। ज्ञानेश ने अल्मोड़ा अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से जली दोनों महिलाओं को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में रैफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इनमें से एक महिला ने आज दम तोड़ दिया।

अल्मोड़ा के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) दीपक कुमार ने तीन की मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि आग लगाने के मामले में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

मानव अंगों की तस्करी मामले में खुलासा, दो गिरफ्तार

बांग्लादेश से किडनी डोनर-रिसीवर खोजती थी कंपनी

जयपुर, 03 मई (एजेंसियां)।
राजस्थान में मानव अंगों को खरीदने वाली कंपनी का नाम उजागर हो गया है। कंपनी ने कर्मचारियों की बजाय दलालों की भर्ती की थी। पुलिस ने मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक सुमन जाना और दलाल सुखमय नंदी उर्फ गोपाल को पश्चिम बंगाल के दो ठिकानों से गिरफ्तार किया है। बता दें कि मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी मानव अंगों की खरीदारी करती थी। मामले में पूर्व से गिरफ्तार गौरव सिंह, दोनों अस्पताल के ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर और बांग्लादेशी नागरिकों से पूछताछ के बाद पुलिस ऐसे कुछ दलालों को पकड़ने की कोशिश कर रही थी।

कंपनी के डायरेक्टर सुमन जाना और दलाल सुख में नदी उर्फ़ गोपाल बांग्लादेश से किडनी के दाता व रिसीवर ढूंढते थे। दोनों मिलने के बाद वे सौदा तय करते थे। उनके फर्जी दस्तावेज तैयार करने का काम अस्पताल के ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर और गौरव सिंह के जिम्मे था। ये लोग बांग्लादेश के रिसीवर से 25 लाख टका यानी करीब 19-20 लाख रुपये लेते थे। डोनर को चार लाख रुपये तक देते थे।

इस कंपनी का नेटवर्क बहुत बड़ा था। फरार मुर्तजा अंसारी और राजकमल नायक भी इसी कंपनी के लिए काम करता था। सुखमय नदी उर्फ गोपाल फॉर्टिस हॉस्पिटल के लिए मरीज और दाता लेकर आता था। अब जयपुर पुलिस इन दोनों आरोपियों से पूछताछ करेगी। साथ ही अन्य दलालों के ठिकानों के बारे में पता करने की कोशिश करेगी। जयपुर कमिश्नरेट की टीम पश्चिम बंगाल में लगातार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गुरुवार देर रात को जयपुर ले आए। यहां पर उनसे विस्तृत पूछताछ होगी। फोर्टिस हॉस्पिटल ने मैड सफर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक सुमन जाना के साथ अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर व रिसिपिएंट लाने का एमओयू कर रखा है। कंपनी मानव तस्करी व मानव अंगों की खरीद-फरोख्त करने का काम करती है। गिरफ्तार एसएमएस अस्पताल के गौरव सिंह, फोर्टिस हॉस्पिटल के विनोद सिंह, गिरिराज शर्मा, बांग्लादेश नागरिक नूरूल इस्लाम, मेहंदी हसन शमीम, मोहम्मद अहशानुल कोबीर व मोहम्मद आजाद हुसैन से पूछताछ के बाद कंपनी और दलाल गोपाल को चिह्नित किया गया था। मामले में दलाल मोहम्मद मुर्तजा अंसारी की तलाश में पुलिस टीम कई जगह दबिश दे रही है। कंपनी निदेशक सुमन जाना की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस फोर्टिस हॉस्पिटल के प्रबंधन और चिकित्सकों के खिलाफ जल्द कार्रवाई कर सकती है। पुलिस हॉस्पिटल से जब्त रिकॉर्ड को खंगालने में लगी है।

रवि मेहरड़ा ने एसीबी के महानिदेशक का पदभार संभाला

जयपुर, 03 मई (एजेंसियां)।
राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक डा रवि मेहरड़ा ने शुक्रवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया।

इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने पुष्प गुच्छ देकर श्री मेहरड़ा का स्वागत किया। इस अवसर पर ब्यूरो के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। पदभार संभालने के बाद श्री मेहरड़ा ने ब्यूरो टीम को शुभकामनाएं दी और कहा कि ब्यूरो में सभी को पूरी टीम भावना से आमजन के हित में कार्य करने के साथ ब्यूरो के सूचना तंत्र को मजबूत करना है और टोल फ्री नम्बर 1064 एवं व्हाटसएप हेल्पलाईन नम्बर 9413502834 का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करना है। जिससे आमजन का विश्वास मजबूत हो और वे सुगमता से ब्यूरो में भ्रष्टाचार संबंधी शिकायते कर सकें।

उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास को मजबूत करने के साथ गुणात्मक अनुसंधान पर विशेष ध्यान देना है जिससे किसी निर्दोष के साथ अन्याय न हो और भ्रष्टाचारियों पर त्वरित कार्रवाई भी करनी है। श्री मेहरड़ा ने कहा कि एसीबी के लोगों ने पूर्व में अच्छा काम किया हैं और अब इससे भी अच्छा काम करके दिखाना हैं। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ब्यूरो के टोल फ्री हेल्पलाईन नम्बर पर संपर्क कर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे, एसीबी जनता के वैध कार्य को कराने में पूरी मदद करेगी।

आरपीएससी की ओर से 16 मई से पुनः शुरू होगी प्रतियोगी परीक्षाएं

अजमेर, 03 मई (एजेंसियां)।
राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से 16 मई से प्रतियोगी परीक्षाओं का दौर पुनः शुरू होगा। अजमेर मुख्यालय पर आयोग तैयारियों में जुट गया है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मई-जून माह में 27 विभिन्न विषयों के लिये आयोजित की जाने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर, लाइब्रेरियन एंड पीटीआई परीक्षा-2023 की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस परीक्षा का प्रारंभ 16 मई 2024 से होगा, जो कि दो जून 2024 तक चलेगा।

अजमेर में आयोग सचिव ने बताया कि इन परीक्षाओं के शुचिता पूर्ण आयोजन एवं डमी अभ्यर्थियों की संभावना को रोकने के लिए आयोग द्वारा इस परीक्षा से अभ्यर्थियों की हैंडराइटिंग का नमूना भी अटेंडेंस शीट पर लिया जाएगा। इसी प्रकार अटेंडेंस शीट पर अभ्यर्थी की स्पष्ट एवं बड़ी फोटो प्रिंट की जायेगी, ताकि परीक्षा केन्द्र पर परिवीक्षकों द्वारा अभ्यर्थी की पहचान पूर्णतः सुनिश्चित करते हुये डमी अभ्यर्थियों को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा जारी प्रवेश-पत्र के साथ अटेंडेंस शीट भी संलग्न होती है। इस शीट को परीक्षा केंद्र पर परिवीक्षक अभ्यर्थी की पहचान कर स्वयं के, केंद्राधीक्षक एवं अभ्यर्थी के हस्ताक्षर करवाकर प्रवेश-पत्र से अलग कर केन्द्र पर जमा करते हैं। परीक्षा संपन्न होने के उपरांत यह अटेंडेंस शीट परीक्षा सामग्री के साथ आयोग को भेजी जाती है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त परीक्षा के तहत 27 विषयों के कुल 2033 पदों के लिये परीक्षाओं का आयोजन अजमेर एवं जयपुर जिला मुख्यालय पर निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जायेगा। परीक्षा के लिये एक लाख 82 हजार 257 अभ्यर्थी पंजीकृत किये गये हैं।

पानीपत में डिवाइडर से टकराई कार, युवक की मौत

पानीपत, 03 मई (एजेंसियां)।
फ्लाईओवर पर जिला नागरिक अस्पताल के सामने कार डिवाइडर पर टकराकर पलट गई थी। पलटने के बाद गाड़ी में शार्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। कार चालक अनिल खिड़की लॉक होने के कारण बाहर नहीं निकल पाया और अंदर ही जिंदा जल गया। उसकी मौत हो गई। सिटी थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। डॉक्टरों के अनुसार अनिल 100 प्रतिशत तक जल चुका था। पुलिस ने जली हुई कार को अपने कब्जे में ले लिया है। अब पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है।

डाडोला गांव निवासी अनिल (33) गांव में ही सीएचसी सेंटर चलाता था। वह 13 साल के प्रिंस व नौ साल के शुभम का पिता था। अनिल ने 2019 में सिलेरियो सीएनजी फिटेड कार खरीदी थी। वह वीरवार दोपहर को सीएससी सेंटर बंद कर निजी काम से करनाल गया था। वहां से वह रात करीबन साढ़े 11 बजे वापस घर के लिए चला था। रात सवा 12 बजे फ्लाईओवर पर जिला नागरिक अस्पताल के सामने उसकी कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। पलटने से कार में शार्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। कार की खिड़कियां लॉक हो गई । इसलिए अनिल बाहर नहीं निकल पाया। देखते ही देखते कार आग के गोले में बदल गई। राहगीरों ने दमकल विभाग व पुलिस को सूचित किया। 15 मिनट बाद दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। सिटी थाना पुलिस ने अनिल को कार से बाहर निकाला। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उसका आधा शव कंकाल में बदल चुका था। पुलिस ने कार के नंबर से शव की शिनाख्त की और शुक्रवार सुबह उसके परिजनों को हादसे के बारे में सूचित किया। परिजन सिटी पुलिस थाना में पहुंचे यहां पुलिस ने परिजनों को हादसे के बारे में पूरी जानकारी दी। डॉ. राघवेंद्र सिंह ने बताया कि युवक आग में लगभग 100 प्रतिशत जल चुका था। उसकी छाती, पेट चेहरा व सिर पूरी तरह से जले हुए हैं। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। सिटी पुलिस थाना प्रभारी राजबीर ने बताया कि हादसा कैसे हुआ है इसलिए जांच चल रही है। कार का सिलिंडर नहीं फटा है। आशंका जताई जा रही है कि पलटने के बाद कार में शार्ट सर्किट हुआ है। युवक कार के अंदर ही जलकर मर गया। पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

अन्तरराष्ट्रीय यज्ञ दिवस पर महायज्ञ आयोजित

अजमेर, 03 मई (एजेंसियां)।
अन्तरराष्ट्रीय यज्ञ दिवस पर शुक्रवार को महर्षि दयानंद निर्वाण स्थली पर विश्व शान्ति एवं मानव मात्र के कल्याण के लिये महायज्ञ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वैदिक विद्वान एवं निर्वाण न्यास के संस्थापक न्यासी वैदिक विद्वान पं राम स्वरूप ने कहा, यज्ञ केवल कर्मकाण्ड ही नहीं, अपितु प्रदूषण दूर करने का सर्वश्रेष्ठ प्रकल्प भी है।

अजमेर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अन्-तरराष्ट्रीय यज्ञ दिवस पर महर्षि दयानंद निर्वाण स्मारक न्यास, भिनाय कोठी, अजमेर में प्रातः 9.00 बजे वैदिक विदुषी साध्वी डॉ उत्तमा यति के सानिध्य और आचार्य जागेश्वर निर्मल के ब्रह्मत्व में वैदिक महायज्ञ किया, जिसमें न्यास के मंत्री सोमरत्न आर्य, श्रीमती वंदना आर्य, सुभाष नवाल, डॉ. रामकिशन गुर्जर, डॉ. बच्चूलाल आर्य, प्रकाश किशोर खन्ना, पुष्पा क्षेत्रपाल, गोविन्द शर्मा और विवेक चण्डक आदि मुख्य यजमान रहे। महायज्ञ के पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वैदिक विद्वान और निर्वाण न्यास के संस्थापक न्यासी पं. रामस्वरूप ने कहा कि यज्ञ केवल कर्मकाण्ड ही नहीं अपितु प्रदूषण दूर करने का सर्वश्रेष्ठ प्रकल्प है, क्योंकि यज्ञ प्रकृति के निकट रहने का सर्वोत्तम साधन है। रोग नाशक औषधियों से किया, यज्ञ वातावरण को प्रदूषण से मुक्त करके स्वस्थ रहने में सहायक होता है। हवन सामग्री से दी गयी, आहुति से पर्यावरण की शुद्धि होती है और सभी पदार्थ सूक्ष्म होकर पृथ्वी, आकाश और अंतरिक्ष में जाकर अपना प्रभाव दिखाते हैं। इससे सारे मनुष्य, अन्य जीव-जंतु और वनस्पतियां सभी प्रभावित होते हैं।

12 लाख 90 हजार की धोखाधड़ी पुलिस ने आरोपी को दबोचा

नारनौल, 03 मई (एजेंसियां)।
विदेशी पार्सल डिलीवर करने के नाम पर धोखाधड़ी करके रुपए ठगने के मामले में संलिप्त आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए साइबर थाना की पुलिस टीम ने विदेशी पार्सल डिलीवर करने के नाम पर कस्टम ड्यूटी पे कर धोखाधड़ी करके रुपए ठगने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान अली ट्राओरी निवासी टुबा हालआबाद विजय नगर, मोहन गार्डन उत्तम नगर दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी का पता लगाकर उसे दिल्ली क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

शिकायतकर्ता ने आनलाइन शिकायत दर्ज कराई कि 24 मई 2023 को उसके पास अज्ञात नंबर से फोन आया। उसने कहा कि वह एयरपोर्ट से बोल रही है, आपके नाम से पार्सल आया हुआ है, जिसमे विदेशी रुपए हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके पास किसी ने पार्सल नही भेजा है। इसके बाद आरोपी ने उसके पास पार्सल से संबंधित कागजात भेजे, जिन पर शिकायतकर्ता ने विश्वास कर लिया। इसके बाद आरोपी ने कहा कि अगर आपको पार्सल चाहिए तो कस्टम ड्यूटी पे करनी पड़ेगी। शिकायतकर्ता ने 1,29,999 रुपए डाल दिए। जिसके बाद बार-बार टैक्स की बात करके जालसाजों ने उसके साथ धोखाखड़ी करके 12,89,999 रुपए ट्रांसफर करवा लिए। शिकायतकर्ता को लगा कि उसके साथ साइबर फ्राड हो गया है तो उसने हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल करके शिकायत दर्ज कराई।

छह माह से था फरार चल रहा पांच हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

दौसा, 03 मई (एजेंसियां)।
जिला पुलिस थाना सैथल ने अपहरण और मारपीट के मामले में कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। बदमाश अमर सिंह गुर्जर पर पांच हजार का इनाम घोषित किया गया था। बदमाश की गिरफ्तारी से पूर्व दो बदमाशों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दौसा जिले में वांछित और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक दौसा रंजीता शर्मा ने बताया कि थानाधिकारी सैथल घासीराम के नेतृत्व में गठित टीम ने इनामी अपराधी अमर सिंह गुर्जर को गिरफ्तार किया है।

मामला नवम्बर 2023 की रात का है। इलाका थाना सैथल के गांव बीनावाला से युवक राहुल गुर्जर का अपहरण किया गया था। अपहरण के बाद आरोपी राहुल को सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ मारपीट की और उसके पैर तोड़ दिए। मारपीट के बाद आरोपी घायल युवक को कस्बा सैथल में फेंककर चले गए थे। अपहरण की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अपहृत युवक को दस्तयाब कर प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस ने घटना में लिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। शेष फरार आरोपी की तलाश के हरसंभव प्रयास किए जा रहे थे। शुक्रवार को इनामी अपराधी अमरसिंह उर्फ छोटू पुत्र रामसहाय जाति गुर्जर निवासी बीनावाला थाना सैथल जिला दौसा को गिरफ्तार कर लिया गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। घर में शांति और सुकून का माहौल बनाए रखने के लिए तालमेल से काम करें। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। आज का दिन उन चन्द दिनों जैसा है जब घड़ी की सुईयाँ बहुत धीरे-धीरे हिलती हैं और आप लंबे समय तक बिस्तर में पड़े रहते हैं। लेकिन इसके बाद ख़ुद को तरोताज़ा भी महसूस करेंगे और इसकी आपको काफ़ी ज़रूरत भी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। अपने दोस्तों के मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आज आप फ़ुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे । ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूद इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। जब आपके पास ज़्यादा ख़ाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। आपके जीवन-साथी की सेहत तनाव और चिंता का कारण बन सकती है। सिर्फ़ स्पष्ट समझ के माध्यम से आप अपनी पत्नी/पति को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं। आज ख़ाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपको अपने जीवन में आज किसी खास इंसान की कमी खल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। दोस्तों से गपशप करना एक अच्छा टाइमपास हो सकता है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो धुंध आपके चारों तरफ़ छायी हुई है और आपकी प्रगति को बाधित कर रही है, उससे बाहर निकलने का समय है। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज आपका मन पहाड़ों में जाने का कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है। सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। आप कुछ समय अपने व्यक्तित्व को निखारने में लगा सकते हैं, क्योंकि आकर्षक व्यक्तित्व का आत्म-निर्माण में अहम योगदान होता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं। योग ध्यान का सहारा लेना आज आपको मानसिक रुप से प्रबल बनाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी के साथ हँसते-खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। सुबह की ताजी धूप आज आपको नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 04 मई 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 08:41 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद रात्रि 10:08 तक
योग : ऐन्द्र प्रातः 11:02 तक
करण : बव प्रातः 10:05 तक
चन्द्रराशि : कुंभ सायं 04:39 तक
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : वरुथिनी एकादशी व्रत , श्री वल्लभाचार्य जयंती, पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नई गाड़ी घर लाने या शादी करने की है तैयारी तो यह महीना है सबसे ज्यादा सही, शुभ मुहूर्त के योग

सनातन धर्म में सभी शुभ और मांगलिक कार्य मुहूर्त देखकर किए जाते हैं। शुभ मुहूर्त में किए गए कार्यों को देवी देवताओं का अशीर्वाद प्राप्त होता है। मई का माह शुरू होने वाला है और पंचांग के अनुसार मई माह में शुभ और मांगलिक कार्यों के कई शुभ मुहूर्त और योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं मई माह में विवाह और गृह के शुभ मुहूर्त कब कब हैं...

मई माह में योग

ज्योतिषों के अनुसार मई माह में 5, 7, 8, 13, 14, 19, 23, 24 और 26 तारीख को सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। इसके साथ ही 7 और 19 मई को अमृत सिद्धि योग भी है।

मई में वाहन क्रय के लिए शुभ मुहूर्त

मई माह में 1, 3, 5, 6, 10, 12, 13, 19, 20, 23, 24, 29 और 30 1ई को नए वाहन खरीदने का बहुत शुभ मुहूर्त है।

मई में घर या संपति क्रय का शुभ मुहूर्त

मई माह में घर या संपति खरीदने के कई शुभ मुहूर्त है। इस माह में 3, 4, 12, 13, 17, 22, 23 और 24 तारीख को घर या संपति खरीदना शुभ होगा।

विवाह और गृह प्रवेश

मई माह में विवाह और गृह प्रवेश के कोई शुभ मुहूर्त नहीं बन रहा है।

नामकरण का शुभ मुहूर्त

मई माह में नामकरण के लिए 1, 3, 5, 9, 10, 13, 19, 20, 23, 24, 27, 30 शुभ हैं।

जनेऊ के लिए शुभ मुहूर्त

मई माह में जनेऊ के लिए 9, 10, 12, 17, 18, 19, 20, 24 और 25 तारीख शुभ है।

मुंडन के लिए शुभ मुहूर्त

मई में मुंडन के लिए 3,10, 24, 29 और 30 तारीख का दिन बहुत शुभ हैं ।

अन्नप्राशन शुभ के लिए मुहूर्त

मई में अन्नाप्राशन 3, 09, 10, 20, 23, 27 और 30 तारीख को अन्नप्राशन कया जा सकता है।

कर्णवेध के लिए शुभ मुहूर्त

मई में 1, 10, 12, 13, 19, 20, 23, 24, 29 और 30 तारीख को कर्णवेध के मुहूर्त हैं।

वरुथिनी एकादशी के दिन करें श्री हरि विष्णु के साथ देवी तुलसी की पूजा

एकादशी तिथि को बेहद शुभ माना गया है। इस दिन सृष्टि के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा होती है। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह श्री हरि को बेहद प्रिय है। इस साल यह तिथि 04 मई, 2024 को पड़ रही है। इसके अलावा इस पुण्यदायी मां तुलसी की पूजा का भी खास महत्व है, तो आइए यहां तुलसी कवच का पाठ करते हैं।

।।तुलसी कवच।।

मन ईप्सितकामनासिद्धयर्थं जपे विनियोगः ।
तुलसी श्रीमहादेवि नमः पंकजधारिणी ।
शिरो मे तुलसी पातु भालं पातु यशस्विनी ।।
दृशौ मे पद्मनयना श्रीसखी श्रवणे मम ।
घ्राणं पातु सुगंधा मे मुखं च सुमुखी मम ।।
जिव्हां मे पातु शुभदा कंठं विद्यामयी मम ।
स्कंधौ कह्लारिणी पातु हृदयं विष्णुवल्लभा ।।
पुण्यदा मे पातु मध्यं नाभि सौभाग्यदायिनी ।
कटिं कुंडलिनी पातु ऊरू नारदवंदिता ।।
जननी जानुनी पातु जंघे सकलवंदिता ।
नारायणप्रिया पादौ सर्वांगं सर्वरक्षिणी ।।
संकटे विषमे दुर्गे भये वादे महाहवे ।
नित्यं हि संध्ययोः पातु तुलसी सर्वतः सदा ।।
इतीदं परमं गुह्यं तुलस्याः कवचामृतम् ।
मर्त्यानाममृतार्थाय भीतानामभयाय च ।।
मोक्षाय च मुमुक्षूणां ध्यायिनां ध्यानयोगकृत् ।
वशाय वश्यकामानां विद्यायै वेदवादिनाम् ।।
द्रविणाय दरिद्राण पापिनां पापशांतये ।।
अन्नाय क्षुधितानां च स्वर्गाय स्वर्गमिच्छताम् ।
पशव्यं पशुकामानां पुत्रदं पुत्रकांक्षिणाम् ।।
राज्यायभ्रष्टराज्यानामशांतानां च शांतये ख
भक्त्यर्थं विष्णुभक्तानां विष्णौ सर्वांतरात्मनि ।।
जाप्यं त्रिवर्गसिध्यर्थं गृहस्थेन विशेषतः ।
उद्यन्तं चण्डकिरणमुपस्थाय कृतांजलिः ।।
तुलसीकानने तिष्टन्नासीनौ वा जपेदिदम् ।
सर्वान्कामानवाप्नोति तथैव मम संनिधिम् ।।
मम प्रियकरं नित्यं हरिभक्तिविवर्धनम् ।
या स्यान्मृतप्रजा नारी तस्या अंगं प्रमार्जयेत् ।।
सा पुत्रं लभते दीर्घजीविनं चाप्यरोगिणम् ।
वंध्याया मार्जयेदंगं कुशैर्मंत्रेण साधकः ।।
साडपिसंवत्सरादेव गर्भं धत्ते मनोहरम् ।
अश्वत्थेराजवश्यार्थी जपेदग्रेः सुरुपभाक ।।
पलाशमूले विद्यार्थी तेजोर्थ्यभिमुखो रवेः ।
कन्यार्थी चंडिकागेहे शत्रुहत्यै गृहे मम ।।
श्रीकामो विष्णुगेहे च उद्याने स्त्री वशा भवेत्।
किमत्र बहुनोक्तेन शृणु सैन्येश तत्त्वतः ।।
यं यं काममभिध्यायेत्त तं प्राप्नोत्यसंशयम् ।
मम गेहगतस्त्वं तु तारकस्य वधेच्छया ।।
जपन् स्तोत्रं च कवचं तुलसीगतमानसः ।
मण्डलात्तारकं हंता भविष्यसि न संशयः ।।

गणेश भगवान को चढ़ाएं ये 3 खास फूल

ये हैं प्रभु को प्रिय, फिर हर मनोकामना हो जाएगी पूरी

भगवान की पूजा बगैर फूल चढ़ाए पूरी नही होती है। हर देवी देवताओं को कुछ फूल बेहद प्रिय होते हैं और देवी देवताओं को उनक प्रिय पुष्प अर्पित करने से वे बेहद प्रसन्न होते हैं। गणपति के भक्तों की कमी नहीं हैं। बहुत से लोग सुबह स्नान ध्यान के बाद प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता की पूजा से अपना दिन शुरू करते हैं। भगवान गणेश को कुछ फूल बेहद प्रिय हैं। आइए जानते हैं किन फूलों को चढ़ाने से भगवान गणेश जल्दी कृपा करते हैं। ।

गुड़हल के लाल फूल

गणपति के गुड़हल के लाल फूल बेहद प्रिय है। पूजा में इन फूलों को चढ़ाने से भगवान गणेश भक्तों के जीवन से हर कष्ट को हर लेते हैं। इस फूल को चढ़ाने से जीवन में समृद्धि आती है और शत्रुओं पर विजय की प्राप्ति होती है।

पारिजात के फूल

पारिजात के छोटे छोटे सफेद फूल से भगवान गणेश झट प्रसन्न हो जाते हैं। भगवान गणेश की पूजा में पारिजात के फूल चढ़ाने से संतान प्राप्ति की मनोकामना पूरी हो जाती है। ये फूल भगवान शंकर को भी बेहद प्रिय हैं।

गेंदे के फूल

बप्पा की पूजा में गेंदे के फूल जरूर चढ़ाने चाहिए। इस फूल को चढ़ाने से से भगवान गणेश भक्तों को आरोग्य का वरदान देते हैं। गणपति को उनके प्रिय फूल गुड़हल, पारिजात और गेंदा चढ़ाने से आर्थिक परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

अपराजिता के फूल

अपराजिता का फूल शनि को बहुत प्रिय है। यह पुष्प गणेश जी को भी अत्यंत प्रिय है। इस फूल से लंबोदर की पूजा करने से विवाद में आ रही बाधा दूर हो जाती है।

कंद फूल

माना जाता है कि कुंद फूल विघ्नहर्ता को अर्पित करने से सुख-शांति की प्राप्ति होती है।

गणपति को भोग

गणपति की पूजा में उनक प्रिय फूल चढ़ाने के साथ साथ उनके प्रिय मोदक का भोग भी लगाना चाहिए। प्रभु को मादक अत्यंत प्रिय है और भाग में मोदि चढ़ाने से पसुख सौभाग्य का वरदान प्राप्त होता है।

कब है गंगा सप्तमी, जानिए इस दिन का महत्व और पौराणिक कथा

गंगा नदी को पवित्र और मोक्ष प्रदान करने वाली माना जाता है। मान्यता है कि गंगा स्नान से व्यक्ति के जीवनभर के पाप धुल जाते हैं। हर वर्ष वैशाख के माह में शुक्ल पक्ष की सप्तमी को गंगा सप्तमी मनाई जाती है। इस वर्ष वैशाख के माह में शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 14 मई को है और इस दिन गंगा सप्तमी का त्योहार मनाया जाएगा। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने गंगा नदी के प्रवाह के वेग को कम करने के लिए उन्हें अपनी जटाओं में धारण किया था। गंगा सप्तमी के दिन लोग गंगा में स्नान कर पूजा व दान करते हैं। आइए जानते हैं गंगा सप्तमी से जुड़ी कथाएं।

गंगा सप्तमी की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, राजा सगर ने युद्ध में मारे गए अपने पुत्रों को मोक्ष के लिए कठोर तपस्या कर गंगा को धरती पर अवतरित करवाया था। गंगा नदी का वेग इतना ज्यादा था कि उससे पूरी पृथ्वी का संतुलन बिगड़ने का खतरा उत्पन्न हो गया था। ऐसे में भगवान शिव ने गंगा नदी का अपने जटाओं में धारण कर लिया और नियंत्रित रूप से धरती पर अवतरित होने दिया। भगवान शिव ने गंगा नदी को वर्ष वैशाख के माह में शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि अपनी जटाओं में धारण किया था। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस दिन गंगा नदी धरती पर अवतरित हुई थीं।

जाह्नवी पड़ा नाम

एक अन्य कथा के अनुसार, गंगा सप्तमी के दिन गंगा नदी का पुनर्जन्म हुआ था। महर्षि जह्नु तपस्या कर रहे थे लेकिन गंगा नदी के बहने की कल कल ध्वनि से उनका ध्यान भटक रहा था। इससे क्रोधित हो महर्षि जह्नु ने पूरी गंगा नदी को पी गए। बाद में देवी देवताओं की प्रार्थना करने पर गंगा नदी को अपने दाएं कान से बाहर कर दिया इसलिए गंगा नदी को जाह्नवी नाम मिला।

पितृ दोष से मुक्ति के लिए जरूर करें बस 3 आसान उपाय, पूर्वजों की आत्मा होगी तृप्त

अमावस्या तिथि पितरों की पूजा के लिए शुभ मानी जाती है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। इसके अलावा यह दिन गंगा नदी में डुबकी लगाने और दान-पुण्य के लिए भी अच्छा माना जाता है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में इस दिन के लिए कुछ शक्तिशाली उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से आपके जीवन में चमत्कारी प्रभाव देखने को मिलेगा।

अमावस्या तिथि पर करें ये ज्योतिष उपाय

पितृ दोष के लिए उपाय

वैशाख अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाएं। इसके बाद उसकी 11 बार परिक्रमा करें। फिर घर की दक्षिण दिशा में एक मुट्ठी तिल सरसों के तेल में भिगोकर रखें। जानकारी के लिए बता दें, यह दिशा पूर्वजों की दिशा मानी जाती है। इसलिए जो जातक इस उपाय को करते हैं उन्हें पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

पितृ स्तोत्र व श्रीमद्भागवत कथा का करें पाठ

ऐसा माना जाता है कि वैशाख अमावस्या के दिन पितृ स्तोत्र व श्रीमद्भागवत कथा का पाठ करना या सुनना चाहिए। ऐसा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही घर में शुभता का आगमन होता है। यह दिन विष्णु पूजन के लिए भी विशेष माना जाता है।

पशु-पक्षियों के लिए करें ये काम

वैशाख अमावस्या के दिन गाय, कौआ, कुत्ता, चिड़िया आदि जीवों को भोजन व पानी का प्रबंध करें। ऐसा कहा जाता है इससे वे तृप्त होते हैं। साथ ही पितर भी खुश होते हैं। इसलिए कोशिश करें कि इन जीवों को इस दिन कुछ न कुछ जरूर खिलाएं। ताकि आपके पूर्वजों की आत्मा को शांति मिल सके।

भगवान श्री कृष्ण क्यों कभी वापस नहीं लौटे वृंदावन? एक नहीं, मिलती हैं कई वजह

श्री कृष्ण ने कई लीलाएं की हैं, जिन्हें लोग आज भी याद करके आनंदित हो उठते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने अपने जीवन का अधिकतम समय वृंदावन में बिताया है। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि वृंदावन और वृंदावन वासियों से कान्हा कितना प्रेम करते थे। लेकिन इसके बावजूद मथुरा जाने के बाद वह कभी वृंदावन नहीं लौटे। क्या आप इसका सही कारण जानते हैं, अगर नहीं तो चलिए जानते हैं इसके पीछे की वजह।

कैसे जाना हुआ मथुरा

भगवान श्री कृष्ण ने अपने बचपन का कुछ समय गोकुल में बिताया। कंस के बढ़ते हुए अत्याचार को देखकर कृष्ण जी का परिवार वृंदावन में जाकर बस गया। इसके बाद वह मथुरा चले गए और कंस का वध करके जनता को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई। इसके बाद सभी लोगों के आग्रह करने पर उन्होंने मथुरा का राजपाट संभाला। जीवन में कभी वापस लौटकर वृंदावन नहीं आए।

है ये कारण

कंस का वध करने के बाद जरासंध नाम का राक्षस भगवान कृष्ण का शत्रु बन बैठा। वह मथुरा पर अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता था। कई ग्रंथों में यह वर्णित है कि जरासंध ने 18 बार मथुरा पर आक्रमण किया था, जिसमें से 17 बार उसे असफलता हाथ लगी। 18वें आक्रमण में वह विजय प्राप्त करने में सफल रहा।

मथुरा छोड़कर वापस वृंदावन न जाने का एक यह भी कारण था। क्योंकि मौका मिलते ही जरासंध मथुरा पर हमला कर देता। हालांकि जरासंध के लगातार हमलों के कारण ही भगवान कृष्ण ने मथुरा वासियों के साथ मथुरा को छोड़कर पानी के बीचोंबीच द्वारका नगरी बसाई। इसके बाद भगवान कृष्ण द्वारिकाधीश कहलाने लगे।

वापस न लौटने का अन्य कारण

भगवान कृष्ण को वृंदावन अति प्रिय था। वह दूर रहते हुए भी वृंदावन और वृंदावन वासियों को सदैव याद करते रहते थे। क्योंकि जितना पावन स्नेह उन्हें वृंदावन में प्राप्त हुआ, उतना कहीं और मिलना संभव नहीं था। लेकिन वह जानते थे कि यदि वह वापस लौटते हैं, तो वृंदावन के लोग उन्हें वहां से आने नहीं देंगे। भगवान कृष्ण जानते थे कि वृंदावन जाना उनकी लीला में नहीं था। तब उन्होंने अपने मित्र उद्धव को वृंदावन भेजकर अपना संदेश गोपियों तक पहुचाने को कहा। लेकिन गोपियां कृष्ण जी को भूलने को तैयार नहीं हुईं।

मिला था यह श्राप

एक बार की बात है, एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा था। उस राजकुमारी से नारद मुनि भी विवाह करना चाहते थे। सहायता के लिए वह भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे और कहां के मुझे अपने सामान सुंदर बना दीजिए। भगवान विष्णु ने उन्हें अपना वानर रूप दे दिया और नारद जी इसी रूप में स्वयंवर में पहुंच गए।

नारद जी को लग रहा था कि भगवान विष्णु जैसा स्वरूप देखकर राजकुमारी उन्हें ही वरमाला पहनाएंगी। लेकिन राजकुमारी ने उन्हें छोड़कर भगवान विष्णु के गले में माला डाल दी। साथ ही सभा में नारद जी का उपहास भी हुआ। इस पर नाराज जी भगवान विष्णु से क्रोधित हो गए और भगवान विष्णु को नारायण को वियोग का श्राप दे दिया था। उस शाप के फलस्वरूप द्वापर युग में कृष्ण जी को राधा रानी से वियोग सहना पड़ा।

श्रेयस तलपड़े और विजय राज की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर करतम भुगतम का टीजर हुआ रिलीज

श्रेयस तलपड़े और विजय राज की आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म कर्तम भुगतम का दमदार टीजर जारी हो चुका है। यह फिल्म कर्म और भाग्य की रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी। दिलचस्प टीजर एक ऐसी दुनिया की झलक पेश करता है, जहां मानव मनोविज्ञान ज्योतिष के रहस्यों से टकराता है। कर्तम भुगतम कर्म के जटिल जाल में उतरता है, इस शाश्वत सत्य की खोज करता है कि कर्मों के परिणाम होते हैं।टीजर एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है, जो सदियों पुरानी सच्चाई की पड़ताल करती है, हर कार्य का एक परिणाम होता है। टीजर में पात्रों के जीवन की झलकियां, गहरे रहस्यों और छिपी हुई प्रेरणाओं की ओर इशारा किया गया है। टीजर में विजय राज कर्म और उसके फल के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो होना है वो होकर रहेगा। जन्म, मृत्यु सब लिखी होती है, जो किया वो कर्म है, जो कर रहा है, वो धर्म है और जो होगा, वो कर्तम भुगतम। ज्योतिष और कर्म के प्राचीन सार्वभौमिक सत्यों को जोड़ते हुए फिल्म यह बताने की कोशिश करेगी कि कैसे हर काम के कुछ निश्चित परिणाम होते हैं, जैसी कि सदियों पुरानी हिंदी कहावत है कि जैसा करोगे, वैसा भरोगे। काल और लक जैसी फिल्में बना चुके सोहम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। श्रेयस के अलावा फिल्म में विजय राज, मधु और अक्षा परदासानी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी दिखेंगे। मेकर्स का दावा है कि कर्तम भुगतम एक ऐसी साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक अपनी सीटों से बांधे रखेगी।यह फिल्म 17 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण गांधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट की ओर से किया गया है। इस फिल्म को पूरे भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक सोहम पी। शाह ने कहा कहा था कि कर्तम भुगतम एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है, जो कर्म की जटिल कार्यप्रणाली से संबंधित है। हमारी फिल्म ज्योतिष और मानव भाग्य के बीच गहरे संबंध की बात करती है। वहीं श्रेयस भी फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं।

17 मई को 5 भाषाओं में होगी रिलीज

नितिन की फिल्म थम्मुडु से सामने आया बड़ा अपडेट

अभिनेत्री वर्षा बोलम्मा करेंगी फिल्म में काम

अभिनेता नितिन की आने वाली फिल्म थम्मुडु को लेकर दर्शक उत्साहित नजर आ रहे हैं। फिल्म में दमदार एक्शन देखने को मिल सकता है। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी वेणु श्रीराम के कंधों पर है। शूटिंग शुरू होने के बाद से ही आए दिन इस फिल्म से जुड़ी नई-नई जानकारी सामने आ रही है।फिल्म थम्मुडु से जुड़ा ताजा अपडेट यह है कि अभिनेत्री वर्षा बोलम्मा भी इसमें अभिनय करते हुए नजर आएंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में उनका किरदार ज्यादा बड़ा नहीं होगा। इस खबर से उनके फैंस के बीच खुशी का माहौल है। वे वर्षा के छोटे किरदार को भी देखने के लिए उतावले नजर आ रहे हैं। वर्षा बोलम्मा की फिल्म में एंट्री को लेकर आधिकारिक घोषणा जल्द की जा सकती है। बता दें कि वर्षा ने इससे पहले फिल्म ऊरु पेरू भैरवकोना में काम किया था। यह फिल्म इस साल 14 फरवरी को रिलीज हुई थी।थम्मुडु में नितिन के अलावा सप्तमी गौड़ा भी मुख्य भूमिका अदा कर रही हैं। दर्शक उन्हें कांतारा फिल्म से जानते हैं। फिल्म में अभिनेत्री लया भी काम करती दिखाई देंगी। इस फिल्म में उन्होंने नितिन के किरदार की बहन की भूमिका निभाई हैं। फिल्म का निर्माण दिल राजू कर रहे हैं। यह तीसरा मौका है, जब नितिन और दिल राजू एक साथ काम कर रहे हैं।

नितिन के फैंस को उम्मीद है कि यह फिल्म धमाल मचाएगी। उनकी पिछली फिल्म एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी मैन से दर्शकों को निराशा हाथ लगी थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी थी। मालूम हो कि फिल्म के एक एक्शन सीन को शूट करने के दौरान नितिन चोटिल भी हो चुके हैं।

शिमरी साड़ी पहन अमायरा दस्तूर ने गिराई हुस्न की बिजलियां

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर कर लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने एथनिक लुक्स की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है।इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं अमायरा दस्तूर ने शिमरी गोल्डन कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद स्टाइलिश लग रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन अपने स्टाइलिश लुक्स से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस ने बेहद प्यारा सा कैप्शन भी शेयर किया है।उन्होंने कैप्शन में लिखा है जस्ट विंगिंग इट, लाइफ, आईलाइनर सबकुछ। वहीं दूसरी फोटोज के साथ उन्होंने लिखा मेरे गोल्डन गर्ल एरा में।एक्ट्रेस की इन फोटोज पर फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स कर के खूब प्यार लुटा रहे हैं। वहीं कई सारे यूजर्स इमोजी के जरिए रिएक्शंस दे रहे हैं।

हमसे पूछा भी नहीं जाता, को-स्टार्स संग अपने लिंकअप पर सोनाली बेंद्रे का छलका दर्द

90 के दशक की खूबसूरत हसीना सोनाली बेंद्रे इन दिनों अपनी वेब सीरीज ब्रोकन न्यूज 2 की वजह से चर्चा में हैं। इस सीरीज के पहले पार्ट को लोगों ने काफी अच्छा रिस्पॉन्स दिया था। रिपोर्ट्स की मानें को सोनाली बेंद्रे की ब्रोकन न्यूज 2 भी ओटीटी पर धमाल मचाने वाली है। सोनाली बेंद्रे अपनी सीरीज ब्रोकन न्यूज 2 का प्रमोशन कर रही हैं। इस बीच सोनाली बेंद्रे ने मीडिया से बातचीत की है। इस दौरान सोनाली बेंद्रे ने 90 के दशक के प्रोड्यूसर्स को लेकर बड़ा खुलासा कर दिया है। सोनाली बेंद्रे ने ऐसी बात कह दी है कि सभी लोग दंग रह गए हैं।

सोनाली बेंद्रे ने कही ये बात

एंटरटेनमेंट वर्ल्ड की पॉपुलर एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने हाल ही में न्यूज 18 शोशा को एक इंटरव्यू दिया है। इस दौरान सोनाली बेंद्रे ने कई बड़े खुलासे किए हैं। सोनाली बेंद्रे ने कहा, 'इन दिनों एक्टर्स से एक बार पूछा जाता है कि क्या वे चाहेंगे कि उनके को-स्टार्स के साथ लिंक-अप की अफवाहें उड़ें। उस समय तो हमसे पूछा भी नहीं जाता था और वे गॉसिप सिर्फ फिल्म को प्रमोट करने के लिए होती थी और एक्टर्स कुछ कर भी नहीं पाते थे। ये सब बस खबरों में बने रहने के लिए किया जाता था।'

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस हैं सोनाली बेंद्रे

बताते चलें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने कई सुपरहिट फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा हैं। उनकी एक्टिंग को लोग काफी पसंद करते हैं। आज भी सोनाली बेंद्रे हर मामले में नई एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं। 90 के दौर में सोनाली बेंद्रे की खूबसूरती पर हर कोई फिदा था। आज भी सोनाली बेंद्रे ने अपने आपको अच्छे से मेंटेन कर रखा है। मालूम हो कि सोनाली बेंद्रे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। सोनाली बेंद्रे अक्सर अपने फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। सोनाली बेंद्रे के हर एक पोस्ट पर लोग रिएक्ट करते हैं।

मंथा रुथ प्रभु की अपकमिंग मूवी बंगारम का धांसू ऐलान, सामने आया फर्स्ट लुक पोस्टर

साउथ फिल्म एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु आज अपना 37वां बर्थडे मना रही है। अदाकारा के बर्थडे के खास मौके पर उनकी अपकमिंग मूवी 'बंगारम' का धांसू ऐलान हुआ है। अदाकारा ने इंस्टाग्राम पर अपनी अपकमिंग फिल्म 'बंगारम' का जबरदस्त फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया है। सामने आए फर्स्ट लुक पोस्टर में अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु लाल साड़ी पहने हाथों में बंदूक थामे दिख रही हैं। साथ ही अदाकारा ने मांग में सिंदूर और मंगलसूत्र पहना हुआ है। साथ ही सामने आए पोस्टर में सामंथा रुथ प्रभु के माथे से खून टपकता दिख रहा है।

रिलीज हुआ सामंथा रुथ प्रभु की मूवी 'बंगारम' का धांसू पोस्टर

एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में सामने आया ये धांसू पोस्टर फैंस के बीच आते ही तहलका मचाने लगा है। दिलचस्प बात ये है कि इसके साथ ही अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु ने फिल्म प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रख दिया है। अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु की ये मूवी उनके फिल्म प्रोडक्शन बैनर 'तराला मूवींग पिक्चर्स' के तले बनाई जाएगी। इस फिल्म के ऐलान के साथ ही मेकर्स ने एक धांसू टीजर भी जारी किया है। जिसमें बैकग्राउंड में एक कुकर फटता हुआ दिखता है। साथ ही एक टेडी बियर भी फटता नजर आता है। सामंथा रुथ प्रभु की इस अपकमिंग फिल्म को लेकर फैंस के बीच अभी से बज बनने लगा है।

पैन इंडिया रिलीज होगी 'बंगारम'

इधर, इस फिल्म को लेकर ट्रेड एनलिस्ट रमेश बाला ने दिलचस्प जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि अदाकारा के बर्थडे के खास मौके पर उनकी अगली फिल्म का ऐलान किया गया है। जो उनके प्रोडक्शन बैनर तराला मूविंग पिक्चर्स के तले बनने वाली पहली मूवी होगी। अदाकारा ने बंगारम का पोस्टर और टीजर जारी किया है। अदाकारा की ये तेलुगु फिल्म उनके बतौर प्रोड्यूर की शुरुआत करेगी। साथ ही फिल्म में वो लीड एक्ट्रेस होंगी। इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को साल 2025 तक रिलीज करने की तैयारी है। तो क्या आप अदाकारा की इस अपकमिंग फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं।

अंकिता लोखंडे का टूटा हाथ विक्की जैन भी पहुंचे अस्पताल

टीवी इंडस्ट्री के स्टार कपल अंकिता लोखंडे और विक्की जैन से जुड़ी एक बुरी खबर सामने आई है। विक्की और अंकिता फैंस के बीच काफी पॉपुलर हो गए हैं। दोनों की एक झलक पाने के लिए फैंस लंबे समय तक इंतजार करने के लिए तैयार रहते हैं, लेकिन अब कपल की बिगड़ी तबीयत ने फैंस को चिंता में डाल दिया है। जी हां, विक्की जैन और अंकिता लोखंडे दोनों की साथ में ही तबीयत खराब हो गई है और इस वक्त दोनों एक ही अस्पातल में भर्ती हैं। इस बात की जानकारी खुद अंकिता लोखंडे ने कुछ तस्वीरें शेयर कर दी है, जिसमें विक्की और अंकिता की हालत काफी ज्यादा खराब दिखाई दे रही है।

अस्पताल में भर्ती हुए अंकिता लोखंडे-विक्की जैन

दरअसल, टीवी इंडस्ट्री की हिट एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे और विक्की जैन अस्पताल के एक ही कमरे में एडमिट हैं। अंकिता लोखंडे के हाथ में चोट लगी हुई है और विक्की की हालत भी काफी ज्यादा खराब है। एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अस्पताल के कमरे से ही कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें दोनों ही अस्पताल के बेड पर लेटे हुए हैं। कुछ फोटोज में अंकिता और विक्की एक ही बेड पर लेटे हुए हैं और कैमरे की ओर देखकर स्माइल कर रहे हैं। वहीं, एक फोटो में अंकिता लोखंडे अपने बेड पर बैठी हुई हैं और विक्की अपने बेड पर बैठकर फोन चला रहे हैं। इन फोटोज के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'सच में।।। बीमारी और स्वास्थ्य में एक साथ।' इस कैप्शन के साथ अंकिता लोखंडे ने वियर्ड और फनी दोनों इमोजी लगाए हैं।

लोगों ने लिए अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के मजे

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के फैंस दोनों की ये तस्वीरें देखकर चिंता में पड़ गए हैं। हर कोई दोनों के जल्द ठीक होने की दुआ मांग रहा है, लेकिन कपल को ट्रोल करने वालों की कमी नहीं हैं। इन फोटोज पर भी लोग कपल की टांग खिंचना नहीं भूल रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'प्यार कितना है ये तो बिग बॉस में ही देख लिया।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'अस्पताल में आराम करो।।। वहां भी शोऑफ ही करना है।' इतना ही नहीं, एक यूजर ने तो यह भी पूछ लिया, 'पेशंट कौन है?' हालांकि, कई सेलेब्स ने भी अंकिता और विक्की के जल्द ठीक होने की दुआ की है।

बेटे अकाय के जन्म के बाद पहली बार नजर आईं अनुष्का शर्मा, पति विराट कोहली संग सेलिब्रेट किया बर्थडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली बीती फरवरी में दूसरी माता-पिता बने हैं। अनुष्का शर्मा ने बेटे अकाय को लंदन में जन्म दिया था और ये कपल काफी समय भारत के बाहर था। विराट कोहली आईपीएल खेलने के लिए भारत आए थे। वहीं, कुछ दिनों पहले अनुष्का शर्मा भी भारत लौटकर आई हैं। हालांकि, भारत लौटने के बाद अनुष्का शर्मा की कोई फोटो और वीडियो सामने नहीं आया था। अब अनुष्का शर्मा के बर्थडे के दौरान उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इनमें अनुष्का शर्मा अपने पति विराट कोहली और आरसीबी की टीम के साथ बेंगलुरू में एंजॉय करते नजर आ रही हैं।

अनुष्का शर्मा की तस्वीरें हुईं वायरल

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने बीती 1 मई को अपना 36वां जन्मदिन मनाया है। अब अनुष्का शर्मा के बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई है। इन तस्वीरों में अनुष्का शर्मा अपने पति विराट कोहली और आरसीबी की टीम के साथ नजर आ रही हैं। बताते चलें कि अनुष्का शर्मा ने बेटे अकाय को जन्म देने के बाद पहली बार इस तरह से नजर आई हैं। अनुष्का शर्मा की तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और जमकर प्यारे कमेंट कर रहे हैं। बताते चलें कि अनुष्का शर्मा ने अकाय को जन्म देने के बाद सिर्फ एक बार अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। गौरतलब है कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने साल 2017 में शादी की थी। अनुष्का शर्मा ने साल 2021 में बेटी वामिका और साल 2024 में बेटे अकाय को जन्म दिया था। अनुष्का शर्मा के वर्क फ्रंट की बात करें तो फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में नजर आएंगी। अनुष्का शर्मा की ये फिल्म भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक और और वह क्रिकेटर का रोल करेंगी। बताते चलें कि अनुष्का शर्मा काफी समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं और फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

संपादकीय

स्कूलों को मौत की धमकी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-नोएडा के 222 स्कूलों को बम से उड़ा देने की धमकी ने एकबारगी तो सभी को कंपा दिया। हडक़ंप मच गया। लाखों लोग सन्नाटे में आ गए। अभिभावक घर से भागे, दफ्तर का काम छोड़ा और स्कूलों की तरफ बदहवास दौड़े, ताकि अपने बच्चों को सकुशल घर वापस ला सकें। सडक़ों पर सायरन बज रहे थे। फायर ब्रिगेड की गाडियां भी भाग रही थीं। दिल्ली पुलिस के बम निरोधक दस्तों, श्वान दस्तों और अन्य जांच इकाइयों ने अपने-अपने मोर्चे संभाल लिए थे। दिन की शुरुआत किसी बड़े हादसे की संभावनाओं के साथ हुई थी। जिस ई-मेल आईडी-स्वारीम एट मेल डॉट आरयू- से स्कूलों को धमकी भेजी गई थी, उसकी शब्दावली आतंकी संगठन आईएसआईएस की भाषा से मिलती थी। ये शब्द अरबी भाषा के हैं, जिन्हें आईएस के आतंकी इस्तेमाल करते रहे हैं। रूसी डोमेन से मेल की गई थी। पुलिस का मानना है कि संभव है कि इसके लिए 'डार्कनेट' या 'प्रॉक्सी सर्वर' का प्रयोग किया गया हो! पुलिस की आतंकवाद विरोधी ईकाई, स्पेशल सेल भी जांच में जुड़ी है। साजिशकार कहीं बैठकर भी ये मेल भेज सकते थे। रूस में होना जरूरी नहीं है। रूस भारत के खिलाफ किसी 'हत्यारी साजिश' में शामिल क्यों होगा? क्या यह किसी आतंकी हमले का पूर्वाभ्यास भी हो सकता है? राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और नोएडा के अलावा बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई सरीखे महानगरों के स्कूलों में भी ऐसी फर्जी और अफवाह वाली मेल भेजी जा चुकी हैं। क्या आतंकी ताकतें हमारी व्यवस्था को सचेत कर, अंततः लापरवाह कर देना चाहती हैं, ताकि असल हमला किया जा सके। बेशक 8 घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस और गृह मंत्रालय इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि सब कुछ फर्जी था, अफवाह थी, लेकिन 2 लाख से अधिक स्कूली बच्चों की सुरक्षा दांव पर है। दिल्ली में आतंकी हमले होते रहे हैं, बेशक मोदी सरकार में वे नगण्य हो गए हैं। ऐसी अफवाहें भी 'साइबर अपराध' का हिस्सा हैं, जिसके खिलाफ कार्रवाई के लिए सीमापार पुलिस को भी सक्रिय होने की जरूरत है। दिल्ली-एनसीआर में जो कुछ भी हुआ है, वह धडक़नें रोक देने वाला प्रकरण है। एक तरफ मौत की धमकी थी, तो दूसरी ओर गृह मंत्रालय और पुलिस दहशत में न आने की बात कह रहे थे। शुक्र है कि मेल फर्जी, अफवाहपूर्ण साबित हुई, लेकिन बड़ी त्रासदी भी हो सकती थी। इन स्कूलों में 2 लाख से अधिक बच्चे पढ़ते हैं, अध्यापक और कर्मचारी भी हैं। यदि वाकई बम रखे होते और वे विस्फोट कर जाते, तो कल्पना करते हुए भी मन सिहरने लगता है! पाकिस्तान में फर्जी सिलसिलों के बाद अचानक पेशावर के स्कूल पर आतंकी हमला किया गया था, जिसमें करीब 140 मासूम छात्र मारे गए थे। पाकिस्तान को तो हम आतंकवाद की पनाहगाह मान सकते हैं, लिहाजा ऐसे हमले की कल्पना भी कर सकते हैं, लेकिन हमारे कोलकाता के करीब 200 सरकारी और निजी स्कूलों को इसी अप्रैल में ही, ई-मेल के जरिए, बम-विस्फोट की धमकी दी गई थी। 1 दिसंबर, 2023 को बेंगलुरु के 48 स्कूलों में बम की अफवाह फैलाई गई थी। फरवरी, 2024 में चेन्नई के 13 स्कूलों को ऐसी ही धमकी भेजी गई थी। क्या स्कूल ही किसी संगठन या साजिशकार के आसान निशाने पर हैं? ई-मेल की भाषा इतनी नफरत भरी थी कि हिंदुस्तान की व्यवस्था को 'काफिर' कहा गया था। आठ बार 'इंशाल्लाह' या 'अल्लाह' लिखा गया था, लिहाजा साफ संकेत है कि किस जमात ने वह मेल भेजी होगी! इन ई-मेल के मूल तक पहुंचना या साजिशकार का चेहरा चिह्नित करना लगभग 'असंभव' है, क्योंकि ई-मेल भेजने के बाद अकाउंट ही समाप्त कर दिया गया है। साजिशकार एक से दूसरे देश में चले गए होंगे! सीमापार जांचों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को साझा करने की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था ही लगभग गायब है। यह सभी देशों के लिए गंभीर चुनौती है। भारत की 'पारस्परिक कानूनी सहायता संधि' करीब 42 देशों के साथ ही है, जबकि करीब 195 देश संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य हैं। यह संधि 'साइबर अपराध' की जांच के लिए भी अनिवार्य हो, ऐसा प्रावधान नहीं है।

दिल्ली-नोएडा के 222 स्कूलों को बम से उड़ा देने की धमकी ने एकबारगी तो सभी को कंपा दिया। हडक़ंप मच गया। लाखों लोग सन्नाटे में आ गए। अभिभावक घर से भागे, दफ्तर का काम छोड़ा और स्कूलों की तरफ बदहवास दौड़े, ताकि अपने बच्चों को सकुशल घर वापस ला सकें। सडक़ों पर सायरन बज रहे थे। फायर ब्रिगेड की गाडियां भी भाग रही थीं। दिल्ली पुलिस के बम निरोधक दस्तों, श्वान दस्तों और अन्य जांच इकाइयों ने अपने-अपने मोर्चे संभाल लिए थे। दिन की शुरुआत किसी बड़े हादसे की संभावनाओं के साथ हुई थी। जिस ई-मेल आईडी-स्वारीम एट मेल डॉट आरयू- से स्कूलों को धमकी भेजी गई थी, उसकी शब्दावली आतंकी संगठन आईएसआईएस की भाषा से मिलती थी। ये शब्द अरबी भाषा के हैं, जिन्हें आईएस के आतंकी इस्तेमाल करते रहे हैं।

हमारा मकसद इस जंग से पैदा हुए एक दूसरे हालात की चर्चा करना है जिसने अमरीका की पोल खोल दी

छात्र प्रदर्शनों ने खोली अमरीकी पाखंड की पोल

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

आतंकवादी संगठन हमास ने इजराइल के अनेकों नागरिकों को बन्धक बना रखा है। इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में जंग चल रही है जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन न हमास बन्धकों को छोडऩे को तैयार है और न इजराइल बिना बन्धकों को मुक्त कराए जंग रोकने को तैयार है। कहीं कहीं मामला यहूदी बनाम मुसलमान भी बनता जा रहा है। अब तो मुसलमान के अतिरिक्त शिया मजहब का पैरोकार इरान भी हमास के पक्ष में कूद पड़ा है जबकि पाकिस्तान में मुसलमान शिया मजहब वालों के इबादतखानों पर लगातार हमला करते रहते हैं।

इजरायल और हमास में जंग रुकने का नाम नहीं ले रही। आतंकवादी संगठन हमास ने इजराइल के अनेकों नागरिकों को बन्धक बना रखा है। इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में जंग चल रही है जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन न हमास बन्धकों को छोडऩे को तैयार है और न इजराइल बिना बन्धकों को मुक्त कराए जंग रोकने को तैयार है। कहीं कहीं मामला यहूदी बनाम मुसलमान भी बनता जा रहा है। अब तो मुसलमान के अतिरिक्त शिया मजहब का पैरोकार इरान भी हमास के पक्ष में कूद पड़ा है जबकि पाकिस्तान में मुसलमान शिया मजहब वालों के इबादतखानों पर लगातार हमला करते रहते हैं। लेकिन हमारा मकसद इजरायल-हमास की इस लड़ाई पर चर्चा करना नहीं है और न ही यहूदी-मुसलमान-शिया के इतिहास की भीतरी परतों को उखाडऩा है। हमारा मकसद इस जंग से पैदा हुए एक दूसरे हालात की चर्चा करना है जिसने अमरीका की पोल खोल दी है। इस जंग को लेकर अमरीका के विश्वविद्यालयों में एक जोरदार बहस छिड़ गई है जिसमें अध्यापक और शागिर्द दोनों ही पूरे जोश से हिस्सेदारी कर रहे हैं। इस विषय को लेकर विचार गोष्ठियां हो रही हैं। इन विचार गोष्ठियों में कोई इजराइल का पक्ष लेता है और कोई फिलस्तीन का पक्ष लेता है। लेकिन मामला यहीं तक रहता तब कोई बखेड़ा खड़ा नहीं होता। अमरीका अपने आप को मानव अधिकारों और विचार स्वतंत्रता का सबसे बड़ा अलम्बरदार मानता और मनवाता है। इसलिए ये विचार गोष्ठियां उसकी इस छवि को निखारने वाली ही थीं। लेकिन मामला विचार गोष्ठियों तक नहीं रहा। मामला आगे बढ़ गया। छात्र और अध्यापक गोष्ठी कक्षों से बाहर निकल कर विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन करने लगे। जिंदाबाद-मुर्दाबाद से परिसर गूंजने लगे। कहीं प्रदर्शन इजराइल के पक्ष में हो रहा है और कहीं प्रदर्शन फिलस्तीन के पक्ष में हो रहा है। अनेक स्थानों पर तो प्रदर्शनकारी धरने पर ही बैठ गए। अब अमरीका में बहुत लम्बे अरसे से खड़ी स्वतंत्रता की देवी हिलने लगी। वह भी गुस्से में आ गई लगती है। उसका मानना है कि 'इस

प्रकार' की स्वतंत्रता ठीक नहीं है। 'उस प्रकार' की स्वतंत्रता ही ठीक है। शुरू में यह समझ में नहीं आ रहा था कि इनसे क्या अभिप्राय है, लेकिन जल्दी ही मामला स्पष्ट हो गया जब पुलिस ने इजरायल के पक्ष में प्रदर्शन कर रहे छात्रों को तो कुछ नहीं कहा, लेकिन फिलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे छात्रों की धर पकड़ शुरू कर दी। कोलम्बिया विश्वविद्यालय में तो पुलिस की बर्बरता ने सभी हदें पार कर दीं। विश्वविद्यालय के अधिकारियों की अनुमति के बिना ही पुलिस विश्वविद्यालय परिसर में घुस गई। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों तक को हथकडियां लगाई गईं और धक्के मार मार कर उन्हें पुलिस की गाडियों में ठूंस दिया गया। छात्रों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उनका विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रतिबन्धित कर दिया। उनकी एडमिशन तक कैंसिल की जाने लगी। दरअसल इस जंग में अमरीका इजराइल का साथ दे रहा है। उसे अरबों रुपए के हथियार बेच रहा है। इसलिए जब विश्वविद्यालयों में इजराइल के पक्ष में प्रदर्शन होते हैं तो वे अमरीका की स्वतंत्रता की देवी के हिसाब किताब से 'इस प्रकार' की स्वतंत्रता में आते हैं। जो फिलस्तीन के हक में प्रदर्शन होते हैं, वे 'उस प्रकार' की स्वतंत्रता के घेरे में आते हैं, जिसकी अनुमति अब अमरीका देने को तैयार नहीं है। इस मामले में कुछ भारतीय छात्रों को भी पकड़ लिया गया है। हम यहां इस बात की चर्चा नहीं कर रहे कि इजराइल ठीक है या हमास-फिलस्तीन। हमारी चर्चा अमरीका के पाखंड की है जिसकी परतें खुल रही हैं। अमरीका सारी दुनिया को उपदेश ही नहीं देता बल्कि 'विचार स्वतंत्रता' के नाम पर दुनिया में थानेदार की भूमिका निभाने की कोशिश भी करता रहता है। फिलस्तीन के पक्ष में जिन भारतीय छात्रों को अमरीका ने पकड़ा है, मान लीजिए वही छात्र भारतीय विश्वविद्यालय में फिलस्तीन के पक्ष में प्रदर्शन करते और विश्वविद्यालय उन पर एक्शन करता तो अमरीका फतवा जारी करना शुरू कर देता कि भारत में तानाशाही आ रही है। विचार स्वतंत्रता का गला घोंटा जा रहा है। लेकिन जहां तक उसके अपने घर में यही मसला सामने आता है तो वह विचार स्वतंत्रता का गला घोंट ही नहीं रहा बल्कि उसको काट रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि अमरीका पुलिस के खुफिया लोग विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर छात्रों और प्राध्यापकों की जासूसी करते हैं, उनके व्यक्तिगत जीवन में तांकझांक करते हैं ताकि यह पता रहे कि कौनसे लोग इजराइल को लेकर अमरीका की घोषित नीति के खिलाफ हैं। यह सब तब हो रहा है जब अमरीका के तथाकथित बुद्धिजीवी जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के टुकड़े टुकड़े गैंग का विचार स्वतंत्रता के नाम पर समर्थन करते देखे जाते हैं। इजराइल-फिलस्तीन का मसला ऐसा पहला मसला नहीं है जिसमें अमरीका अपने असली रूप में सामने आया है। ऐसे अनेकों मसले हैं जिन पर अमरीका और उसके सत्ताधीश अपना असली रूप दिखाते रहते हैं। मसलन पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प का मसला ही ले लिया जाए। वे एक बार फिर राष्ट्रपति का चुनाव लडऩे के लिए मैदान में हैं। उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी ने उन्हें मैदान में उतारने का ऐलान कर दिया है। कुछ महीने में ही चुनाव होने वाले हैं। मौजूदा राष्ट्रपति भी मैदान में हैं। उनको लगता है कि शायद वे चुनाव के मैदान में तो ट्रम्प का मुकाबला शायद न कर पाएं, इसलिए वे कचहरियों की मदद से ट्रम्प को मैदान से बाहर करना चाहते हैं। उनका मकसद है किसी तरह किसी केस में कचहरी ही उन पर चुनाव लडऩे का प्रतिबन्ध लगा दे।

दृष्टि कोण

धधक रहे हैं धरती के फेफड़े, हो रहा पर्यावरण का विनाश

धरती पर जीवन जीने के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन के उत्पादन में एल्गी या शेवाल के बाद वनों की महती भूमिका को देखते हुए वनों को धरती के फेफड़ों की संज्ञा भी दी जाती है। लेकिन जब फेफड़े ही जल रहे हों तो फिर स्थिति की गंभीरता को आंका जा सकता है। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि डेशबोर्ड पर 24 अप्रैल की सुबह की ताजा स्थिति पर नजर डालें, तो आपको देशभर में पृथ्वी के दहकते फेफड़ों में मची तबाही का मंजर साफ नजर आएगा। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह से प्राप्त वनाग्नि के दृश्यों के विष्लेशित आकड़ों की पल-पल की जानकारी राज्यों के वन विभागों को देता है, जिससे की वनाग्नि को बुझाने के लिए तत्काल कार्यवाही कर सकें। विभाग के डैशबोर्ड पर 24 अप्रैल की प्रातः उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश के 13 राज्यों में 62 वन क्षेत्रों में भीषण आग लगी हुई थी, जिनमें हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड में सर्वाधिक 30 स्थानों पर जंगल भयंकर रूप से धू-धू कर जल रहे थे। हिमालय पर लपटें कितनी खतरनाक हैं, उसे बढ़ती दैवी आपदाओं से साफ महसूस किया जा सकता है। डैशबोर्ड में दूसरे नम्बर पर 8 घटनाओं के साथ आन्ध्र प्रदेश, 6 के साथ बिहार और 3 अग्निकांडों के साथ झारखण्ड को दर्शाया गया था। बाकी राज्यों में एक या दो घटनाऐं दर्शायी गयीं थी। यही नहीं डैशबोर्ड में 17 अप्रैल से 22 अप्रैल तक के सप्ताह में हुए भीषण अग्निकाण्डों में उड़ीसा को पहले और उत्तराखण्ड को दूसरे स्थान पर दर्शाया गया था। उसके बाद वन बाहुल्य छत्तीसगढ़, और झारखण्ड की स्थिति बताई गई है। सरकारी विवरणों को अगर देखें तो वनाग्नि के नुकसान में केवल पेड़ों की गिनती करने के साथ ही आर्थिक नुकसान का आंकलन कर दिया जाता है, जबकि वन पेड़ पौधों और जीवों की प्रजातियों की एक विशाल श्रृंखला के प्राकृतिक घर हैं, जिनमें से कई प्रजातियां अन्यत्र कहीं नहीं पाई जाती हैं। जंगल में बड़े पेडों के अलावा छोटी नाजुक वनस्पतियां, लाइकेन्स के साथ ही जीवों की हिरन, लोमड़ी, गुलदार जैसे स्तनपायी जीव प्रायः भागकर जान बचाने में कामयाब हो सकते हैं। लेकिन पक्षी, तितलियां, मक्खियां, मकड़े, कीड़े-मकोड़े, मेंढक,

दीमक, रेंगने वाले सांप, छिपकलियां और केंचुए जैसे अनगिनत जीव प्रजातियां खाक हो जाती हैं। आप कह सकते हैं कि वनाग्नि से भरा पूरा वन्यजीव संसार खाक हो जाता है। जबकि चींटी और दीमक से लेकर बड़े स्तनपाई जीवों तक हर एक को प्रकृति ने कुछ न कुछ दायित्व सौपा हुआ है। उदाहरण के लिए अगर वनों में दीमक न होंगे तो मिट्टी में उपजे बड़े पेड़ फिर मिट्टी में कैसे मिल पाएंगे। वनों को पृथ्वी के फेफड़े इसलिए माना जाता है, क्योंकि मानव फेफड़े की तरह वन ऑक्सीजन का उत्पादन करने और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम सांस में ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। हमारी त्यागी गई कार्बनडाइआक्साइड वृक्षों के काम आती है और पादपों द्वारा छोड़ी गई ऑक्सीजन हमारे काम आ जाती है। वन प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जिससे वे पृथ्वी के वायुमंडल में गैसों के संतुलन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं। जंगल की आग से उत्पन्न धुआं और राख हवा की गुणवत्ता को खराब करता है, जिससे आस-पास के समुदायों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो सकता है। जंगल की आग बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ती है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है और ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती है। इस धुंवे में ब्लैक कार्बन होता है जो कि ग्लोबल और लोकल वार्मिंग का बढ़ाता है और इसका ऐरासोल वृद्धि के साथ ही अतिवृष्टि में भी सीधा योगदान होता है। जंगल की आग एक वैश्विक समस्या है। ऑस्ट्रेलिया, अमेजॉन, कनाडा के लम्बे समय तक दहकने वाले अग्निकांड इतिहास में दर्ज हैं। चूंकि अब धीरे-धीरे धरती का वनावरण सिमट रहा है इसलिए बचे-खुचे जंगलों की आग और अधिक विनाशकारी साबित हो रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश का 36 प्रतिशत वनक्षेत्र अक्सर वनाग्नि से धधकता रहता है और इसमें से भी 4 प्रतिशत क्षेत्र वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जबकि 6 प्रतिशत वनावरण अत्यधिक अग्नि प्रवण पाया गया है। फॉरेस्ट इन्वेटरी रिकॉर्ड के अनुसार भारत में 54.40 प्रतिशत वन कभी-कभी आग की चपेट में आते हैं। 7.49 प्रतिशत मामूली रूप से बार-बार जलते हैं, जबकि 2.40 प्रतिशत वन अक्सर जलते रहते हैं। देश का 35.71 प्रतिशत वन क्षेत्र कभी भी आग की चपेट में नहीं आया। उत्तराखण्ड सरकार ने वनों में भड़की आग पर काबू पाने के लिए वायुसेना के हेलीकाप्टर मोर्चे पर उतार दिए हैं। वनकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। इस पर सेवा निवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एमसी भण्डारी इसे सेना का दुरुपयोग बताते हैं और कहते हैं कि सेना का उपयोग केवल बेहद गंभीर स्थितियों में तब किया जाता है जब सिविल एडमिनिस्ट्रेशन असफल हो जाता है और स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर हो जाती है।

कुछ अलग

दुनिया गोल है...

भूगोल हमें बताता है कि हमारी पृथ्वी चपटी और गोलाकार आकार की है, जिसका मतलब है कि यह ज्यादातर गोलाकार है, लेकिन अपने ध्रुवों पर थोड़ी चपटी है और भूमध्य रेखा पर थोड़ी उभरी हुई है। यह लगभग एक अनियमित आकार के दीर्घ वृत्त की तरह की है। इसके अलावा, अन्य ग्रहों की तरह पृथ्वी भी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है और यह अपनी धुरी पर भी घूमती है। पृथ्वी अपने अक्ष पर दाहिनी ओर यानी पूर्व दिशा में 23.5 डिग्री झुकी हुई भी है। पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है जिसके कारण दिन और रात होते हैं क्योंकि पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने होता है वहां सूर्य की रोशनी पहुंचने के कारण दिन होता है और जो भाग पीछे छुप जाता है वहां रात हो जाती है। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है उसके कारण हम विभिन्न मौसम देख पाते हैं। पृथ्वी लगभग गोलाकार है और समय, स्थान और स्थिति के अनुसार दुनिया के लोगों का व्यवहार बदलते मौसम की तरह हमेशा बदलने वाला होने के कारण दुनिया के बारे में भी यह जुमला बन गया कि दुनिया गोल है। आज हम अपने आसपास की दुनिया में जो भी गड़बडियां देखते हैं उसका कारण यही है कि 'दुनिया गोल है', यानी, लोगों के व्यवहार के बारे में कोई सटीक भविष्यवाणी कर पाना हमेशा संभव नहीं है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि एक ही स्थिति पर अलग-अलग व्यक्तियों की राय, नजरिया और व्यवहार अलग-अलग होंगे। यह तो रही दुनियावी स्थिति, लेकिन अगर हमें एक सीधे-सच्चे इनसान की तरह इसी दुनिया में जीवन बिताना हो तो हमें क्या करना होगा? हम पहले ही कह चुके हैं कि पृथ्वी गोल है, दायीं ओर झुकी हुई है, अपनी धुरी पर घूमती है और सूर्य के भी चारों ओर चक्कर लगाती है। सवाल यह है कि पृथ्वी के गोल होने का, अपनी धुरी पर घूमने का, दायीं ओर झुके हुए होने का, सूर्य के चारों तरफ चक्कर लगाने का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव है, या हम इससे क्या सीख सकते हैं? पृथ्वी गोल है, यानी इसका कोई आरंभ और कोई अंत नहीं है। इसे हम यूं भी कह सकते हैं कि पृथ्वी का गोला बनाने के लिए हम जहां से शुरू करते हैं, उसका अंत भी वहीं होगा। हमारा जीवन भी ऐसा ही होना चाहिए। हम पैदा होते हैं, बड़े होते हैं, पढ़ते-लिखते हैं, पढ़ाई पूरी होने पर काम पर जाना शुरू करते हैं, शादी होती है, बच्चे होते हैं, और हमारी उम्र बढने के साथ-साथ हमारे बच्चों के साथ भी यही क्रम चलता है, बड़े होना, पढऩा-लिखना, काम पर लगना और फिर शादी हो जाना। बच्चे एक बार सैटल हो जाएं तो हमारा एक सर्कल पूरा हो जाता है। अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां पूरी करते हुए हम एक तरह से गोल-गोल घूमते हैं, यह है अपनी ही धुरी पर घूमना। जैसे पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है, वैसे ही हम भी जब अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां पूरी करते हैं तो हम अपनी धुरी पर घूम रहे होते हैं। लेकिन जब हमारे बच्चे सैटल हो जाते हैं और उनकी शादी भी हो जाती है तो हमारा वह चक्कर भी पूरा हो जाता है जिसकी तुलना हम पृथ्वी के सूर्य के चारों तरफ चक्कर लगाने से कर सकते हैं। वह जीवन का एक चक्र है, जो पूरा हो गया। अपनी धुरी पर घूमते रहना तो तब भी जारी रहता ही है, क्योंकि हम परिवार की जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो पाते। बच्चों के बाद नाती-पोते हमारे नए खिलौने बन जाते हैं और हम उन्हें सहेजने-संवारने में जुट जाते हैं। लेकिन सूर्य के चारों तरफ के पृथ्वी के चक्कर की तुलना वाले अपने चक्कर के बाद हम मानो ठहर जाते हैं और सूर्य के चारों ओर का हमारा अगला चक्कर लगता ही नहीं। यहां फिर सवाल यह है कि हमारे अपने जीवन में हमारे लिए सूर्य के चक्कर का क्या मतलब है और इसका महत्व क्या है? जब एक बार हमारे अपने बच्चे सैटल हो गए और शादी करके अपने-अपने परिवार में रम गए, तो हमारी पारिवारिक जिम्मेदारियों का एक चरण पूरा हो गया।

देश दुनिया से

औरत क्या चाहती है, समझने के लिए त्यागनी होगी पुरुषवादी सोच

स्त्री शोषण और पुरुषतंत्र की भयावहता के बारे में बताया गया था। निमंत्रण लिखने के कारण मुझे अनेक लोगों की निंदा-आलोचना सुननी पड़ी थी। कुछ लोगों के मुताबिक, वह पोर्नोग्राफी थी, जिसमें यौन संबंधों का खुला चित्रण था। बस, फिर क्या था, चारों ओर मेरी बदनामी कर दी गई। मेरी बदनामी फैलने लगी। कहा गया कि मैं पोर्नोग्राफी लिखती हूं। मेरी उस उपन्यासिका में आखिर था क्या? कहानी यह थी कि अट्ठारह साल की किशोरी एक सुदर्शन युवक के प्रेम में पड़ जाती है। जबकि वह युवक उस तरुणी के दायरे से बहुत दूर है। तरुणी उस युवक को रोज चिट्ठी लिखती है, जिसमें वह अपना प्रेम निवेदन करती है।

वर्ष 1991 में मैंने निमंत्रण नाम से एक उपन्यासिका लिखी थी, जिसमें स्त्री शोषण और पुरुषतंत्र की भयावहता के बारे में बताया गया था। निमंत्रण लिखने के कारण मुझे अनेक लोगों की निंदा-आलोचना सुननी पड़ी थी। कुछ लोगों के मुताबिक, वह पोर्नोग्राफी थी, जिसमें यौन संबंधों का खुला चित्रण था। बस, फिर क्या था, चारों ओर मेरी बदनामी कर दी गई। मेरी बदनामी फैलने लगी। कहा गया कि मैं पोर्नोग्राफी लिखती हूं। मेरी उस उपन्यासिका में आखिर था क्या? कहानी यह थी कि अट्ठारह साल की किशोरी एक सुदर्शन युवक के प्रेम में पड़ जाती है। जबकि वह युवक उस तरुणी के दायरे से बहुत दूर है। तरुणी उस युवक को रोज चिट्ठी लिखती है, जिसमें वह अपना प्रेम निवेदन करती है। लेकिन युवक के पास वे चिट्ठियां पहुंचती ही नहीं। आखिरकार जब युवक को किशोरी के उससे एकतरफा प्रेम का पता चलता है, तब दो दिन प्रेम का अभिनय कर एक दोपहर को वह उसे अपने घर लंच के लिए आमंत्रित करता है। किशोरी सज-धजकर अपने प्रेमी के लिए कीमती उपहार खरीदकर उसके यहां पहुंचती है। वहां युवक और उसके सात दोस्त थे। वे सब उससे बलात्कार करते हैं। सामूहिक बलात्कार के बाद अंदर और बाहर से गंभीर रूप से घायल वह किशोरी घर लौटते हुए मन ही मन सोचती है कि पिता जब उससे पूछेंगे कि कहां गई थी, तब वह झूठ नहीं बोलेगी। उन्हें बता देगी कि वह किसी के निमंत्रण पर उसके घर गई थी। उपन्यासिका यहीं खत्म हो जाती है। उसमें बलात्कार के जो ब्योरे दिए गए थे, स्त्री-विरोधियों ने उसे पोर्नोग्राफी कहा था। समाज में जब स्त्री विरोधियों की संख्या बढ़ जाती है, तब औरतों के शोषण को स्वाभाविक समझ लिया जाता है। ऐसे तत्वों के लिए बलात्कार भी स्वाभाविक घटना है। निमंत्रण की कहानी काल्पनिक नहीं थी। हालांकि समाज का एक वर्ग मानता है कि इस तरह की घटनाएं नहीं होतीं। दूसरा वर्ग यह तो मानता है कि इस तरह की घटनाएं होती हैं, लेकिन उसका कहना है कि इसके लिए महिलाएं ही दोषी हैं। वे क्यों दोषी हैं, इसकी वजह भी बताई जाती है। दोष यह है कि वे प्रेम में पड़ती ही क्यों हैं? वे पुरुषों के पास जाती ही क्यों हैं? जाने पर तो उनके साथ गलत होगा ही। जो लोग बलात्कार का शिकार होने वाली महिलाओं पर ही बलात्कार की जिम्मेदारी डाल देते हैं, वे चाहते हैं कि लड़कियां घर से बाहर न निकलें, किसी के प्रेम में न पड़ें, किसी पर भरोसा न करें और किसी के निमंत्रण पर उसके यहां या उसके साथ न जाएं। वे महिलाओं को तो जिम्मेदार ठहरा देते हैं, लेकिन पुरुष की आंखों में उंगली डालकर नहीं कहते कि महिलाओं के साथ अत्याचार करने का पुरुषों को कोई अधिकार नहीं है। यह अजीब है कि घर से बाहर तक लड़कियों-महिलाओं के साथ गलत बर्ताव और यौन हिंसा को अंजाम तो पुरुष देते हैं, लेकिन इन सबके लिए जिम्मेदार महिलाओं को ठहराया जाता है। पुरुषवर्चस्ववादी समाज में पुरुषों की बर्बरता को कमतर करके दिखाने या उन्हें निर्दोष बताने की प्रवृत्ति पुरानी है। जिन लोगों ने निमंत्रण की कहानी को मनगढंत बताया था, उन्हें छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की एक खबर से अवगत कराना चाहती हूं, जहां सोलह वर्षीय एक किशोरी के साथ उसके प्रेमी और उसके दो साथियों ने मिलकर बलात्कार किया। तीन युवाओं ने किशोरी को पूरी रात एक परित्यक्त घर में बंधक बनाकर रखा था। सुबह घर लौटी किशोरी ने पिता को सारी बातें बताईं, तो घरवालों ने थाने में रिपोर्ट लिखवाई। निमंत्रण नाम की उपन्यासिका मैंने लड़कियों-महिलाओं को सजग करने के लिए लिखी थी। मैं महिलाओं को यह बताना चाह रही थी कि उन्हें पुरुषों के जाल में नहीं फंसना चाहिए। इसमें संदेह नहीं कि शिक्षा ने आज की बहुत-सी स्त्रियों को जिस तरह आत्मनिर्भर बनाया है, उसी तरह उन्हें सजग भी किया है। लेकिन सभी स्त्रियां शिक्षित और सजग नहीं हैं, इसलिए वे पुरुषों के जाल में आसानी से फंस जाती हैं। हालांकि अनेक शिक्षित और आत्मनिर्भर स्त्रियां भी पुरुषों के धोखे और यौन अत्याचार का शिकार होती हैं। मौजूदा 21वीं सदी में भी स्त्रियों की यह दुर्दशा है, तो इसके लिए पुरुषवादी सोच जिम्मेदार है। लेकिन मैं यहां यह भी बताना चाहती हूं कि शिक्षा ने स्त्रियों के प्रति अनेक पुरुषों की भी सोच बदली है। निमंत्रण उपन्यासिका में भी पुरुषों के लिए संदेश था, और मेरा मानना है कि उसे पढ़कर अनेक पुरुषों ने भी स्त्रियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार करने के बारे में सीखा या सोचा होगा। लेकिन पुरुषों की बड़ी आबादी की सोच नहीं बदली है, इसी कारण महिलाओं के साथ होने वाली यौन हिंसा की घटनाएं कम होने का नाम ही नहीं ले रहीं।

आप का नजरिया

वाहन रफ्तार के हमले

हम वाहन चला नहीं रहे, बल्कि रफ्तार को हमलावर बना रहे हैं। इसी रविवार के दृष्टांत में देखें तो वाहनों की गति व भौगोलिक परिस्थिति ने लील दिए छह लोग। ठियोग की खाई में गिरे वाहन ने दो यात्रियों की ईहलीला खत्म की दी, हाटकोटी का मलबा वाहन को लपेट कर दो लोगों के लिए घातक बना। ऊना-चंडीगढ़ मार्ग पर रफ्तार ने यमदूत बन कर दो युवकों को काल का ग्रास बना दिया, जबकि बिलासपुर में ट्रक की टक्कर ने एचआरटीसी की बस को पुल के नीचे लुढक़ा दिया। गनीमत यह कि इस दुर्घटना में चोटिल होने के बावजूद यात्री बाल-बाल बच गए, वरना मौत के दृश्य हम अपनी करनी से पैदा कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल में अधिकांश सडक़ें तंग हैं, लेकिन जीवन को गति देने के प्रयास में वाहन चालन के नियम और सडक़ पर शिष्टाचार लगभग समाप्त है। वाहनों का पंजीकरण अगर साढ़े बाईस लाख से ऊपर पहुंच चुका है, तो इतने ही बाहरी राज्यों के वाहन सडक़ों पर दौड़ रहे हैं। सडक़ों का विस्तार व इनका चौड़ाकरण अपने आप में एक सुखद एहसास है, लेकिन हिमाचल में वाहन चालन की परिपाटी बिगडैल़ हो रही है। दोपहिया वाहन और आवारा पशु, किसी भी बड़े वाहन को चुनौती दे सकते हैं, जबकि निजी बसें, टैक्सियां और स्थानीय ट्रांसपोर्ट की जरूरतें दबाव बढ़ा रही हैं। अभी पर्यटन सीजन शुरू हो चुका है, लेकिन पुलिस पैट्रोलिंग सिर्फ चालान काटकर अव्यवस्था में शिरकत कर रही है। पर्यटन सीजन में वाहन दुर्घटनाओं के आंकड़ों पर गौर करें, तो यातायात पुलिस का हुलिया बदलने की जरूरत है। न हम रोकते और न ही टोकते हैं, बल्कि आज भी ट्रक-ट्रैक्टर ट्रॉलियों में भर कर श्रद्धालु मंदिर पर्यटन के अभिप्राय बन जाते हैं। स्थानीय यातायात में निजी वाहनों पर बढ़ती निर्भरता और आवाजाही में कर्मचारी वर्ग द्वारा वाहनों का अधिकतम प्रयोग, सडक़ पर उच्छृंखलता बढ़ा रहा है। ऐसे में जरूरत है कि वाहन चालकों को नियमों का भय और चलने की सभ्यता सिखाई जाए। आखिर हिमाचल को चलाने के लिए कितने वाहन चाहिए और उनके कौन से मॉडल उपयुक्त हैं। आज भी प्रदेश की कुछ सडक़ें जिस भौगोलिक स्थिति का प्रतिनिधित्व करती हैं, वहां पेट्रोल बचाने के लिए कुछ वाहन चालक खतरनाक ढर्रे को अंजाम देते हैं या ओवरटेकिंग की कला जोर जबरदस्ती के आलम में भयावह प्रतीत होती है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम न तो यातायात के दबाव समझ पा रहा है और न ही इसके निर्देश तय कर पा रहा है। नतीजतन रूट परमिट आबंटन के कारण सडक़ों पर वाहनों की प्रतिस्पर्धा, रुकने व सवारी उतारने-चढ़ाने की लापरवाही तथा ओवरटेकिंग के मंसूबे आत्मघातक होकर कई बार मौत के अंजाम तक पहुंच रहे हैं। वाहनों की बढ़ती खरीद, ड्राइविंग में बढ़ती स्पीड और आधुनिक जीवन शैली की व्यस्तता में बढ़ती लापरवाही ने हिमाचल का सुकून छीन लिया है। परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए ड्राइविंग शिष्टाचार को सिर्फ पुलिस पैट्रोलिंग ही सुधार सकती है, जबकि सिटी व इंटरसिटी बस सेवाओं को सक्षम व निजी वाहनों की तरह समय का पाबंद बनाना होगा। सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न विकल्पों पर महापरियोजनाओं पर काम करना पड़ेगा, क्योंकि सडक़ों की चौड़ाई को बढ़ाते हुए हम पहाड़ों को अस्थिर कर रहे हैं।

भारत उम्रदराज आबादी को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराने में एशिया-प्रशांत में सबसे पीछे, रिपोर्ट में दावा

तिबलिसी, 03 मई (एजेंसियां)।

भारत बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराने के मामले में एशिया-प्रशांत देशों में सबसे पीछे है। भारत को अपनी आर्थिक वृद्धि दर कायम रखने और तेजी से बढ़ती आबादी की जरूरतें पूरी करने के लिए सबको स्वास्थ्य बीमा के दायरे में लाने की जरूरत है।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट 'एजिंग वेल इन एशिया' में कहा, यूनिवर्सल स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने में भारत समेत कई देश पीछे हैं। इन देशों में बुजुर्गों के बीच स्वास्थ्य बीमा की पहुंच सबसे कम 21 फीसदी है। हालांकि, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड ने यूनिवर्सल स्वास्थ्य कवरेज हासिल कर लिया है।

एडीबी की वरिष्ठ अर्थशास्त्री एइको किकावा ने कहा, स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाने से स्थिति सुधरेगी और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग अर्थव्यवस्था के लिए अधिक उत्पादक बन पाएंगे। साथ ही, भारत जैसे देशों को बुजुर्गों की मौजूदगी से मिलने वाला लाभांश अधिक हो सकता है। उन्होंने कहा, बुजुर्गों की शारीरिक व कार्यात्मक क्षमता बढ़ाने वाली जरूरी सेवाओं और गतिविधियों का विस्तार भी अहम है।

आयुष्मान भारत योजना की सराहना

एडीबी की वरिष्ठ अर्थशास्त्री एइको किकावा ने कहा कि भारत ने अपनी गरीब आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए कई उपाय किए हैं। गरीबों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा देने वाली आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आने से बुजुर्गों का स्वास्थ्य कवरेज बेहतर हुआ है।

जीडीपी में योगदान बढ़ा सकते हैं बुजुर्ग

रिपोर्ट के मुताबिक, विकासशील एशिया-प्रशांत देशों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 2050 तक करीब दोगुनी होकर 1.2 अरब पहुंच जाएगी। यह कुल आबादी का करीब एक चौथाई होगा। ऐसी स्थिति में पेंशन और कल्याण कार्यक्रमों के अलावा स्वास्थ्य बीमा की जरूरत भी बढ़ जाएगी।

एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा, इन अर्थव्यवस्थाओं के पास बुजुर्गों से अतिरिक्त उत्पादकता के रूप में लाभांश हासिल करने का मौका होगा। इससे एशिया-प्रशात क्षेत्र की जीडीपी औसतन 0.9 फीसदी बढ़ सकती है।

भारत में...6.4 साल तक बढ़ सकती है जीवन प्रत्याशा

भारत में बुजुर्ग महिलाओं की जीवन प्रत्याशा सबसे अधिक 6.4 साल बढ़ने की उम्मीद है। कजाखस्तान, जॉर्जिया और हांगकांग में यह वृद्धि 4.6 साल होगी। बुजुर्ग पुरुषों के

न्यूज़ ब्रीफ

गो फर्स्ट के विमानों को इंजन और स्पेयर पार्ट्स की जरूरत, देश से बाहर उड़ान भरने में लगेगा लंबा समय

नई दिल्ली। गो फर्स्ट के जिन 54 विमानों का पंजीकरण रद्द किया गया है, उन्हें देश से बाहर उड़ाने में लेसर्स (लीज पर लेने वाली कंपनियां) को अधिक समय लग सकता है। इसकी वजह यह है कि विमानन कंपनी के अधिकतर विमानों को इंजन और स्पेयर पार्ट्स की आवश्यकता है। 2023 में बंद किया था परिचालन बता दें कि गो फर्स्ट एयरलाइन ने 2 मई 2023 को परिचालन बंद कर दिया था और इस वजह से कंपनी जमीन पर आ गई थी। बताया गया है कि जिस दौरान एयरलाइन ने परिचालन बंद किया था, उस समय 24 विमान उड़ान भरने की स्थिति में थे। इसके अलावा 30 विमान बिना इंजन और स्पेयर पार्ट्स के हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गो फर्स्ट के 54 विमानों का रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर दिया था। इस तरह से लेसर्स को लीज पर लिए गए विमानों को वापस लेने की अनुमति मिल गई थी। कंपनी का फिर से उभरना मुश्किल सूत्रों का कहना है कि विमानन कंपनी का फिर से उभरना मुश्किल लगता है क्योंकि विमानों का पंजीकरण रद्द होने के बाद कंपनी के पास ज्यादा संसाधन नहीं बचे हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि इन 54 विमानों को देश से बाहर उड़ाने में लेसर्स को समय लग सकता है क्योंकि 30 विमानों के इंजन बदलने की आवश्यकता है। इसके अलावा उड़ान के लिए विमानों को कई तरह की स्वीकृतियां लेन होंगी क्योंकि वे बीते एक वर्ष से जमीन पर ही खड़े हैं। 30 विमानों को इंजन, स्पेयर पार्ट्स की जरूरत हवाई जहाजों को लीज पर देने वाली कंपनी विमान के सीईओ विशोक मानसिंह का कहना है कि जब गो फर्स्ट एयरलाइन ने परिचालन बंद किया तो लगभग 24 विमान उड़ान भरने की स्थिति में थे। जुलाई 2023 के बाद से विमानों के रख-रखाव का काम भी नहीं किया गया।

हम भारत में एपल के प्रदर्शन से बहुत खुश, बोले एपल सीईओ टिम कुक

नई दिल्ली। एपल के सीईओ टिम कुक ने भारत में कंपनी के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की है। कंपनी ने

मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में भारत में राजस्व का रिकॉर्ड बनाया है। हालांकि इस दौरान एपल के ओवरऑल कुल राजस्व में 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। आईफोन की बिक्री भी 10 प्रतिशत घटी है। टिम कुक ने कहा, हम भारत में दोहरे अंकों में मजबूत हुए और इसलिए हम इससे बहुत खुश हैं। यह हमारे लिए मार्च तिमाही के राजस्व का नया रिकॉर्ड है। जैसा कि मैंने पहले कहा है, मैं भारत को अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार के रूप में देखता हूं और यह हमारे लिए एक प्रमुख फोकस का क्षेत्र है। एपल के मुख्य वित्तीय अधिकारी लुका माएस्ट्री ने कहा, हम उभरते बाजारों में अपनी मजबूत गति से विशेष रूप से खुश हैं। हमने लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व, भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस और तुर्की सहित कई देशों और क्षेत्रों में पहली छमाही में राजस्व का रिकॉर्ड बनाया है। लुका माएस्ट्री ने कहा, हम खुश हैं क्योंकि ये ऐसे बाजार हैं जहां हमारी बाजार हिस्सेदारी कम है, आबादी बड़ी है और बढ़ रही है, और हमारे उत्पाद वास्तव में उन बाजारों में बहुत प्रगति कर रहे हैं। ब्रांड के लिए उत्साह का स्तर बहुत अधिक है।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट, सोना 70,600, चांदी लगभग 81,300 रुपए

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 70,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 58 रुपये की गिरावट के साथ 70,678 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 111 रुपये की गिरावट के साथ 70,625 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 38 रुपये की गिरावट के साथ 81,325 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 63 रुपये की गिरावट के साथ 81,300 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,313.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,309.60 डॉलर था। फिलहाल यह 1 डॉलर की तेजी के साथ 2,310.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 26.94 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 26.82 डॉलर था। फिलहाल यह 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 26.88 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

साजिश है किसी...

के रूप में भी जाना जाता है, ने अलगाववादी आंदोलनों के खिलाफ कदम नहीं उठाया है, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से भारतीय सांसदों को फांसी देने और स्टॉक एक्सचेंज के विनाश का आह्वान किया है।

हाल ही में अमेरिका की एक जिला अदालत ने एक भारतीय अधिकारी पर भारत की धरती पर पन्नू की हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया। इससे पहले, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि इस बात के विश्वसनीय सबूत हैं कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत का हाथ था। इसके अलावा, पाकिस्तान ने दावा किया था कि भारतीय खुफिया एजेंसी ने कथित तौर पर उसके देश में गैरकानूनी हत्याएं की हैं। हैरानी की बात है कि खालिस्तानियों ने पिछले साल अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला किया था और वहां आग लगा दी थी। कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में भारतीय वाणिज्य दूतावासों को आईएसआई समर्थक, सीआईए समर्थित खालिस्तानी अलगाववादियों और समर्थकों द्वारा नियमित रूप से निशाना बनाया जाता रहा है। लेकिन ये देश उन हमलों की समुचित जांच किए बिना निष्कर्ष निकाल रहे हैं।

इतना ही नहीं, सीआईए चीन की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा वित्त पोषित एक्टिविस्ट, छद्मी शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, पत्रकारों, थिएटर कलाकारों, फिल्म अभिनेताओं, फिल्म निर्देशकों, यूट्यूबर और प्रभावशाली लोगों का नकाब ओढ़े शैतानी तत्वों को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने के उद्देश्य से झूठे आख्यानों का प्रचार करने के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। वाशिंगटन पोस्ट और संडे गार्जियन सहित वैश्विक मीडिया भी इस दुष्प्रचार बढ़ावा दे रहा है-

इन्हीं तत्वों द्वारा नियोजित तरीके से यह बेबुनियाद दावा किया जाता है कि लोकतंत्र खतरे में है। यह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश करने वालों के असली एजेंडे पर पर्दा डालने की कोशिश है ताकि उनकी करतूत लोगों सामने न आए। ऐसे आधारहीन दावे किए जा रहे हैं कि भारत में भविष्य में चुनाव नहीं होंगे या संविधान को बदल दिया जाएगा। इस प्रकार के झूठ का वास्तविक उद्देश्य भारत की जनता में भय और कलह पैदा करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में यह दुष्प्रचार किया जाता है कि वे तानाशाह और फासीवादी हैं और लगातार उनके नेतृत्व को अवैध ठहराने और सार्वजनिक अशांति को भड़काने के प्रयास किए जा रहे हैं। जय श्रीराम को महज राजनीतिक नारे के रूप में चित्रित करने का प्रयास साम्प्रदायिक तनाव को बढ़ावा देने और भारत की सांस्कृतिक विरासत को विकृत करने के लिए किया जा रहा है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां इस बार 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस बार लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने 11 लाख मतदान केंद्र बनाए हैं। निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का उपयोग करता है, लेकिन इस निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर भी प्रश्न चिह्न लगाए गए। इसी तरह, आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र ने सवाल उठाए, जो हमारी न्यायिक प्रक्रिया और हमारे देश के अधिकार क्षेत्र में सीधा हस्तक्षेप है। हाल ही में यूट्यूबर ध्रुव राठी ने अपने यूट्यूब चैनल पर केजरीवाल की गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए भारत की तुलना उत्तर कोरिया से की थी। ऐसा करके उसने परोक्ष रूप से कहा कि भारत में तानाशाही है। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष ने केंद्र सरकार पर ईडी, सीबीआई और एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए दिल्ली में चुनाव आयोग कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया था।

इसी तरह, लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के विजन दस्तावेज को प्रतिबिंबित करता प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र की संप्रभुता और प्रगति को कमजोर करना है। विपक्ष का यह सामूहिक और समन्वित हमला वैश्विक सूचना युद्ध मुहिम में उनकी भागीदारी की ओर संकेत करता है, जो 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के दौरान ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के समान देश में अराजकता और अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहा है, जिसका लक्ष्य सत्तारूढ़ भाजपा की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाना है। उनका उद्देश्य वैश्विक एजेंडे को पूरा करने के लिए नई दिल्ली में एक आज्ञाकारी और लचीली सरकार को सत्ता में स्थापित करना प्रतीत होता है।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने भारत को वैश्विक मंच पर ऐसी महत्वपूर्ण स्थिति में पहुंचा दिया है, जिससे इसकी प्रगति को कमजोर करने की कोशिश करने वाले विरोधियों को काफी निराशा हुई है। हाल ही में जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी, जहां एक आम मसौदे पर सहमति बनी, और कोरोना संकट के दौरान 150 से अधिक देशों को टीके उपलब्ध कराने की भारत की पहल इसके बढ़ते प्रभाव का प्रमाण है।

इन उपलब्धियों के बीच विदेशों में भारत विरोधियों को वैश्विक दक्षिण के नेता के रूप में प्रधानमंत्री मोदी का उभरना हजम नहीं हो पा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का दूरदर्शी दृष्टिकोण विजन 2047 योजना में समाहित है, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता के शताब्दी समारोह के माध्यम से भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित करना है। यह व्यापक दृष्टिकोण राजनीतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक आयामों को समाहित करता है, जो भारत को अधिक वैश्विक महत्व की ओर ले जाने वाला है। बढ़ते भारत का प्रभाव किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिसमें राजनीति, आर्थिक विकास, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक तथा तकनीकी विकास आदि शामिल हैं।

भारत की कूटनीतिक शक्ति और रणनीतिक गठबंधन वैश्विक स्तर पर न केवल इसके राजनीतिक कद को बढ़ा रहे हैं, बल्कि दुनिया भर के देशों से मान्यता और सम्मान प्राप्त कर रहे हैं। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान प्रणाली की व्यापक स्वीकृति जैसी पहल भारत के नवीन आर्थिक समाधानों को प्रदर्शित करती है, जो इसे कुछ क्षेत्रों में चीन के पसंदीदा विकल्प के रूप में स्थापित करती है। एक समग्र कल्याण अभ्यास के रूप में योग की वैश्विक स्वीकृति भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रभाव को रेखांकित करती है, जो दुनिया भर के विविध समुदायों के साथ सद्भावना और संबंधों को बढ़ावा देती है। अंतरिक्ष अभियानों, बुनियादी ढांचे के विकास और सैन्य और रक्षा प्रौद्योगिकियों में भारत की प्रगति इसकी बढ़ती क्षमताओं और वैश्विक प्रगति में योगदान को उजागर करती है।

हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का मुखर रुख, जिसमें दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के लिए गहरे समुद्र में अन्वेषण भी शामिल है, महत्वपूर्ण संसाधनों को सुरक्षित करने और प्रमुख रणनीतिक क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का दावा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सफल मिसाइल परीक्षणों और अंतरिक्ष अभियानों के साथ एक मजबूत सैन्य औद्योगिक परिसर का उद्भव, भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और अंतरिक्ष शक्ति को दर्शाता है, जिससे इसका रणनीतिक महत्व बढ़ जाता है। विश्वगुरु बनने की दिशा में भारत की राह में न केवल ठोस उपलब्धियां शामिल हैं, बल्कि समावेशिता, प्रगति और सहयोग का लोकाचार भी शामिल है। दुनिया भर के 17 देशों द्वारा भारत के नेतृत्व को स्वीकार करना, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी को दिए गए सर्वोच्च सम्मान से प्रमाणित है, वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि में भारत के योगदान की मान्यता को दर्शाता है। इसलिए जैसे-जैसे भारत नरेंद्र मोदी के विजन-2047 समय सीमा में उल्लिखित स्वतंत्रता की अपनी शताब्दी वर्षगांठ की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है, इसके विरोधी इसकी प्रगति को बाधित करने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत के संवैधानिक निकायों और संस्थाओं को कमजोर करने के लिए सीआईए, सीपीसी, आईएसआई, जॉर्ज सोरोस और नेविल रॉय सिंघम गिरोह के कुत्सित प्रयासों को उजागर किया जाना चाहिए और उनकी निंदा की जानी चाहिए। भारत का वैश्विक पावरहाउस का दर्जा प्राप्त करना न केवल देशवासियों के लिए गर्व की बात है, बल्कि शेष विश्व के लिए आशा और प्रेरणा का प्रतीक भी है।

भारत विरोधी दुष्प्रचार...

लिए कहा था, ताकि अराजकता और हिंसा को अधिक से अधिक भड़काया जा सके। न्यूज़क्लिक के कर्मचारी-पत्रकारों को सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों तक पैसे पहुंचाने के लिए भारी मात्रा में नकदी दी गई थी। इन गवाहों ने बताया है कि दिल्ली के हिंदू-विरोधी दंगों में इस्तेमाल किए गए हथियार खरीदने के लिए न्यूज़क्लिक के माध्यम से चीनी पैसों का इस्तेमाल किया गया था। न्यूज़क्लिक ने सीएए विरोधी हिंसा के दौरान मुस्लिमों को हिंसा और दंगों में शामिल होने के लिए उन्हें फंड दिया था। न्यूज़क्लिक ने कश्मीर में आतंकवादियों को भी पैसे पहुंचाए थे। जिन लोगों तक पैसे पहुंचाए गए, उसमें शरजील इमाम भी है, जिसने पूर्वोत्तर राज्यों को भारत से अलग तोड़ देने की सार्वजनिक धमकी दी थी। शरजील सीएए-विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा फैलाने का मुख्य आरोपी है। उसने न्यूज़क्लिक के भारत स्थित प्रमुख प्रबीर पुरकायस्थ से पैसे लिए और अपना नापाक एजेंडा आगे बढ़ाता रहा।

सीट जिताने के ...

बात क्यों करते हैं? अपने छिपे हुए एजेंडे को छुपाने के लिए, यानी अपने वोट बैंक को बनाए रखने के लिए। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने सोचा, अगर वे राम मंदिर गए, तो वे अपना वोट बैंक खो देंगे। अगर आपको याद हो तो राजीव गांधी ने अपना चुनाव अभियान राम मंदिर से शुरू किया था। लेकिन फिर उनके वोट बैंक ने पूछा कि अगर आप ऐसा करेंगे तो आपमें और भाजपा में क्या अंतर रहेगा। इसलिए वे भाग गए। पहले वे मंदिरों में जाते थे, लेकिन अब नहीं। क्योंकि पिछली बार उनके वोट बैंक ने उन्हें फटकार लगाई थी।

रायबरेली में भाजपा....

अमेठी से कमजोर प्रत्याशी दिया, ताकि स्मृति ईरानी को अमेठी सीट जीतने में ज्यादा परेशानी न हो। राजनीतिक दलों में आपसी समझदारी इतनी रहती है कि राहुल गांधी वाराणसी से चुनाव नहीं लड़ सकते और नरेंद्र मोदी वायनाड से चुनाव नहीं लड़ सकते।

पिछली बार अमेठी में राहुल गांधी की हार और हाल ही में सोनिया गांधी के राज्यसभा सांसद बनने के बाद से यह सवाल उठ रहा था कि गांधी परिवार का गढ़ रही अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस किसे मैदान में उतारेगी? अब यह सस्पेंस समाप्त हो गया है।

नामांकन के आखिरी दिन कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान किया। पार्टी ने तय किया कि राहुल गांधी रायबरेली से और किशोरी लाल शर्मा अमेठी लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में होंगे। केएल शर्मा, सोनिया गांधी के प्रतिनिधि रह चुके हैं। इसी के साथ प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की अटकलों पर विराम लग गया। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी 1999 के लोकसभा चुनावों तक अमेठी सीट से चुनाव लड़ती थीं। इसके बाद 2004 में उन्होंने राहुल के लिए यह सीट छोड़ी और रायबरेली का रुख किया। राहुल ने 2004 और 2009 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से आसान जीत दर्ज की। 2014 में जरूर राहुल को स्मृति ईरानी ने टक्कर दी, लेकिन हरा नहीं पाईं। हालांकि, 2019 में राहुल ने अमेठी के अलावा वायनाड से भी चुनाव लड़ा। अमेठी में उन्हें स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वे वायनाड से जीतकर लोकसभा पहुंचे। इसके बाद 2024 में सोनिया गांधी को पार्टी ने राज्यसभा भेजने का फैसला किया और उनकी पारंपरिक सीट रायबरेली से राहुल को उतारा। राहुल गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं। पिछली बार वे वायनाड से ही जीते थे। वायनाड में मतदान हो चुका है। अमेठी और रायबरेली में 20 मई को मतदान है।

वायनाड से भाग ...

बन गए हैं कि अमेठी जो उनके परिवार की सीट मानी जाती थी, वहां से कोई चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं है। पंजाब से केएल शर्मा को लाया गया है कि आप ही चुनाव लड़ लीजिए कोई कार्यकर्ता टिकट लेने के लिए तैयार नहीं है। उन्हें रायबरेली से भी हार का मुंह देखना पड़ेगा।

राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कटाक्ष करते हुए कहा, राहुल जी, आपने कहा था कि डरो मत और अब आप कह रहे हैं कि अमेठी से लड़ो मत। कांग्रेस ने यह बात साबित कर दी है कि उन्होंने समर्पण कर दिया और वे अमेठी से भाग गए हैं। अमेठी को कई वर्षों तक धोखा देने के बाद, वे वायनाड गए और अब वायनाड को भी धोखा दे रहे हैं। वे इस्तेमाल करे और फेंको की तरह वायनाड का इस्तेमाल कर रहे हैं। रायबरेली उनके लिए सुरक्षित सीट है। भाजपा उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगी और एनडीए देश में 400 का आंकड़ा पार करेगा। केएल शर्मा की प्रतिक्रिया सबकुछ बता रही है। उन्हें लग रहा है कि उन्हें बलि का बकरा बना दिया गया है। मुझे राबर्ट वाड्रा के लिए बुरा लग रहा है, उन्होंने काफी कोशिश की, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला।

सोनिया के पुत्र-प्रेम...

राहुल गांधी की न्याय यात्रा शुरू हुई। पार्टी के कुछ नेताओं ने रायबरेली से प्रियंका के बजाय राहुल का नाम रायबरेली के लिए आगे बढ़ाया। इस पर प्रियंका ने चुप्पी साध ली। उनकी टीम भी धीरे-धीरे यूपी चुनाव से दूर होती नजर आईं।

प्रियंका गांधी नहीं चाहतीं कि उनके और राहुल गांधी के बीच सियासत को लेकर किसी तरह का टकराव हो। ऐसे में उन्होंने अपनी टीम को भी साफ कहा कि चुनाव तो कभी भी लड़ लेंगे। क्योंकि उनकी टीम ने रायबरेली के साथ ही प्रयागराज, फूलपुर, वाराणसी सीट का सर्वे करने के बाद प्रियंका गांधी को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट को उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया था। तभी से उनके चुनाव लड़ने को लेकर संशय की स्थिति बनी थी।

राहुल की रायबरेली ...

गांधी भी सांसद निर्वाचित हुए थे। राहुल गांधी के पहले अमेठी लोकसभा सीट से और प्रियंका गांधी के रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा थी, लेकिन शुक्रवार को जारी लिस्ट में पार्टी ने रायबरेली से राहुल गांधी के नाम का एलान किया। वहीं अमेठी में कांग्रेस ने किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारा है। रायबरेली में पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं, जहां बीती 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है।

टीएमसी से...

पार्टी ने अधीर रंजन को भाजपा की बी-टीम का सदस्य तक बता दिया। कांग्रेस नेता अधीर रंजन के बयान का वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें अधीर कहते नजर आ रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के बजाय भाजपा को वोट देना बेहतर है।

इस पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, लोकसभा के कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि भाजपा को वोट देना बेहतर है। ऐसा बोलने वाले की तो कोई विचारधारा है और न ही कोई आदर्श। उनके जैसे कुछ स्वार्थी लोगों ने देश को बेच दिया है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बंगाल के मुर्शिदाबाद में मंगलवार को एक चुनावी रैली को संबोधित किया था। इस सभा के दौरान आठ सेकंड का वीडियो क्लिप सामने आया, जिसमें वे कह रहे हैं कि टीएमसी को वोट देने की तुलना में भाजपा को वोट देना बेहतर है। कांग्रेस का कहना है कि वीडियो से छेड़छाड़ की गई है। इस मामले में चुनाव आयोग से मदद मांगी है।इस सियासी घमासान के बीच जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस का एकमात्र लक्ष्य पश्चिम बंगाल में भाजपा के सीटों की संख्या कम करना है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि अधीर रंजन ने क्या कहा, लेकिन हमारा उद्देश्य पश्चिम बंगाल में भाजपा की सीटों को काफी कम करना है। पिछले चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतीं, हमें उनकी सीट की संख्या कम करनी है और यही एकमात्र लक्ष्य है। ये विधानसभा चुनाव नहीं, ये लोकसभा चुनाव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, वाम दलों के साथ विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है, टीएमसी नेता ममता बनर्जी का भी यही कहना है कि वे गठबंधन का हिस्सा हैं। हालांकि हमारा सीट बंटवारा नहीं हो सका। पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 42 सीट हैं।

पर्चा दाखिले से...

और गुजरात से आए जगदीश पटेल ने बैठकें शुरू कर दी हैं। इसमें महिला मोर्चा की भी प्रमुख भूमिका रहने वाली है। महिलाओं के ग्रुप के अलावा, युवा बाइकों से भी रहेंगे और नामांकन के एक दिन पहले सभी शीर्ष नेता भी वाराणसी पहुंच जाएंगे। इसके बाद कुछ नेता मतदान तक बनारस में ही प्रवास करेंगे और यहां चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कुछ महिला नेताओं की सूची भी तैयार की जा रही है। अंतिम सप्ताह में कुछ छोटी-छोटी जनसभाएं अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल से भी कराई जाएंगी और ग्रामीण क्षेत्र में सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर जनसभाएं करेंगे। इसी बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत कई नेता जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

अब भारत को....

भारतीय मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड के साथ साझेदारी के लिए बातचीत कर रही है।

जर्मनी सरकार भारत को छोटे हथियार बेचने पर प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हो गई है। यह प्रतिबंध हटने के बाद भारतीय सेना और राज्य पुलिस बल नाटो देशों की तरह जर्मन हथियार खरीद सकते हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की योजना उच्च तकनीक वाली पनडुब्बियां बनाने की है और इसके निर्माण के लिए वह साझेदार की तलाश कर रहा है। वहीं इस सौदे के लिए एक जर्मन कंपनी प्रबल दावेदार बनकर उभरी है। भारत अभी सबसे ज्यादा हथियार अमेरिका, इजराइल, रूस और फ्रांस से खरीद रहा है। वहीं जर्मनी अपने हथियारों के निर्यात के लिए नए बाजार तलाश रहा है, अभी तक उसका फोकस यूरोपीय यूनियन के देश रहे हैं। लेकिन अब उसे यह संभावना भारत में नजर आ रही है। अभी तक भारत को हथियार बेचने वाले देशों में जर्मनी पांचवें स्थान पर है। वहीं जर्मनी जानता है कि भारत पिछले कुछ सालों से रूस पर से अपनी हथियारों की निर्भरता घटा रहा है।

2005 से 2021 तक जर्मनी की चांसलर रहीं एंजेला मर्केल की अध्यक्षता वाली जर्मनी की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन सरकार ने कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों के चलते भारतीय पुलिस बलों को छोटे हथियारों की बिक्री को लेकर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं जर्मन सरकार के इस फैसले के बाद भारतीय सुरक्षा बल एमपी5 सब मशीन गन जैसे छोटे हथियार खरीद सकेंगे। एमपी-5 गनों को जर्मन कंपनी हेकलर एंड कोच बनाती है, जिनका इस्तेमाल एनएसजी और मार्कोस कमांडो भी करते हैं। 2022 में, यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद, जर्मनी ने अपनी विदेश और रक्षा नीति में बड़ा बदलाव करते हुए रक्षा खर्च में भारी बढ़ोतरी करने का ऐलान किया था।

इससे पहले भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने खुलासा किया था कि जर्मन सरकार छह नई पनडुब्बियों के निर्माण के लिए भारतीय नौसेना के 43,000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट-75 का कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए बातचीत कर रही है। इस साल जनवरी में जर्मन रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने भारत का दौरा किया था, उस दौरान उन्होंने मुंबई में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) का भी दौरा किया था, जहां जर्मन शिपबिल्डर थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और एमडीएल ने भारत में छह स्टील्थ पनडुब्बियों के निर्माण पर सहयोग के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत जर्मन कंपनी पनडुब्बियों की इंजीनियरिंग और डिजाइन में योगदान देने के साथ-साथ कंसल्टेंसी भी देगी। वहीं, एमडीएल पनडुब्बियों के निर्माण और डिलीवरी की जिम्मेदारी लेगा। भारत ने इससे पहले 80 के दशक के आखिर में जर्मनी के हाउल्ड्सवेर्के-डॉयचे वेफर्ट (एचडीडब्ल्यू) से चार पनडुब्बियां खरीदी थीं। इनमें से दो पनडुब्बियां को 1992 और 1994 में एमडीएल में बनाया गया था, जबकि अन्य दो जर्मनी से आईं थीं। इस साल अगस्त में तमिलनाडु में तरंग शक्ति के नाम से बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास होने वाला है, जिसमें जर्मनी भी हिस्सा लेगा। इस अभ्यास में जर्मनी के 12 टॉरनेडो जेट, आठ यूरोफाइटर्स, मिड-एयर फ्यूलिंग के लिए एयरबस 300, एयरबस 400एम समेत 32 जर्मन वायु सेना के विमान हिस्सा लेंगे।

वैचारिक दलबदल से...

सांसद वर्मा बसपा छोड़कर सपा में शामिल हो गए हैं। समाजवादी पार्टी गठबंधन ने राम शिरोमणि वर्मा को श्रावस्ती से प्रत्याशी भी बनाया है।

तेलंगाना में पिछली बार के. चंद्रशेखर राव वाली बीआरएस 17 में से नौ सीटों पर जीती थी। हालांकि, इसके कई सांसद दलबदल कर चुके हैं। जहीराबाद के सांसद बीबी पाटिल, नागरकुर्नूल (एससी) से सांसद पोथुगंती रामुलु और पेद्दापल्ली से बोरलाकुंटा वेंकटेश ने भाजपा में शामिल हो गए। बीबी पाटिल को भाजपा ने जहीराबाद से अपना उम्मीदवार बनाया है। नागरकुर्नूल सीट पर सांसद पोथुगंती रामुलु की जगह उनके बेटे भारत प्रसाद को भाजपा ने अपना चेहरा घोषित किया है। पेद्दापल्ली सांसद वेंकटेश पहले बीआरएस से कांग्रेस में गए थे, लेकिन जब उन्हें टिकट नहीं मिला तो वह भाजपा में शामिल हो गए। वहीं, वारंगल से सांसद पसुनुरी दयाकर और चेवेल्ला से सांसद रंजीत रेड्डी कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस ने चेवेल्ला सीट पर बीआरएस से आए रंजीत रेड्डी को टिकट दिया है लेकिन वारंगल में दयाकर को मौका नहीं दिया गया।इस चुनाव में तमाम विपक्षी दलों के कई सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं। इसी सूची में एक चर्चित नाम नवनीत राणा का है। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में चार निर्दलीय जीतकर संसद पहुंचे थे। इनमें से एक नवनीत राणा भी थीं। 2024 लोकसभा चुनाव में नवनीत भाजपा में शामिल हो गईं। महाराष्ट्र की अमरावती सीट से भाजपा ने नवनीत राणा को अपना उम्मीदवार भी बनाया था। वे वर्तमान में इसी सीट से सांसद हैं।

2019 में जीतीं एक अन्य निर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गईं। अभिनेता से नेता बनीं सुमलता कर्नाटक के मांड्या से निर्दलीय सांसद चुनी गई थीं। सुमलता मांड्या सीट से भाजपा का टिकट मांग रही थीं, लेकिन भाजपा ने गठबंधन सहयोगी जेडीएस को दे दिया। पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी मांड्या से एनडीए उम्मीदवार थे।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते और लुधियाना सांसद रवनीत सिंह बिट्टू कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। इस सीट पर भाजपा ने बिट्टू को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस से निलंबित सांसद और पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह की पत्नी परणीत कौर भी भाजपा में शामिल हो गई हैं। परणीत पटियाला सीट पर भाजपा की उम्मीदवार हैं। पंजाब की एक अन्य सीट जालंधर से सांसद सुशील कुमार रिंकू आप छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। रिंकू आम आदमी पार्टी से एकलौते सांसद थे।

झारखंड में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आ गईं। भाजपा ने सिंहभूम लोकसभा सीट से गीता कोड़ा को अपना प्रत्याशी बनाया है। हाल ही में बीजद के अनुभवी सांसद महताब भाजपा में शामिल हुए थे। बीजद छोड़ने वाले महताब अब कटक से भाजपा के प्रत्याशी हैं।

दादरा और नगर हवेली (डीएनएच) से सांसद कलाबेन डेलकर शिवसेना (यूबीटी) छोड़कर भाजपा में शामिल हो गईं। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरीं। डेलकर ने महाराष्ट्र के बाहर पहली शिवसेना (यूबीटी) सांसद थीं। कलाबेन दादरा और नगर हवेली लोकसभा सीट से 2021 में उपचुनाव में जीती थीं। उनके पति मोहनभाई संजीभाई डेलकर के निधन के बाद यह सीट खाली हुई थी।

बिहार के मुजफ्फरपुर से मौजूदा सांसद अजय कुमार निषाद भाजपा द्वारा टिकट नहीं दिए जाने के बाद कांग्रेस में शामिल हो गए। बाद में कांग्रेस ने उन्हें मुजफ्फरपुर से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। हरियाणा में वरिष्ठ नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे और भाजपा से हिसार के सांसद बृजेंद्र सिंह भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। बृजेंद्र को उम्मीद थी कि कांग्रेस से उन्हें टिकट मिलेगा लेकिन हाल ही में जारी पार्टी उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम नहीं आया। हिसार से पार्टी ने जय प्रकाश को टिकट दिया है।

चूरू लोकसभा सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद राहुल कास्वां का टिकट काट दिया। उनकी जगह पैरा खिलाड़ी देवेंद्र झांझड़िया को अपना चेहरा घोषित किया था। टिकट कटने के बाद कस्वां भाजपा छोड़ कांग्रेस में चले गए। कांग्रेस ने राहुल को चूरू से अपना उम्मीदवार भी घोषित किया था।

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने से निराश सांसद संगन्ना कराडी कांग्रेस में शामिल हो गए। प्रमुख लिंगायत समुदाय के नेता कराडी कोप्पल से दो बार के भाजपा सांसद हैं। जलगांव से भाजपा सांसद उन्मेश पाटिल शिवसेना (यूबीटी) में शामिल हो गए। पाटिल को इस बार टिकट नहीं दिया गया था।

पिछले दिनों कांग्रेस के दो राष्ट्रीय प्रवक्ताओं ने कांग्रेस को अलविदा कहा। कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता रोहन गुप्ता भाजपा में शामिल हो गए। रोहन ने मसनातन धर्मफ का अपमान करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि उन्हें अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बारे में चुप रहने के लिए कहा गया था। इससे पहले कांग्रेस ने रोहन गुप्ता को अहमदाबाद पूर्व से अपना उम्मीदवार घोषित किया था। पिता की खराब तबीयत का हवाला देते उन्हें टिकट वापस कर दिया और कुछ दिनों बाद भाजपा में चले गए।

इससे पहले एक अन्य प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने भी पार्टी छोड़ दी और आम चुनाव से पहले सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए। मुक्केबाजी में भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर सिंह और कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। उनका नाम मथुरा से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चर्चा में था, जहां से अभिनेत्री और मौजूदा सांसद हेमा मालिनी भाजपा की उम्मीदवार थीं।मुंबई में कई कांग्रेस नेताओं ने चुनाव के बीच पार्टी का साथ छोड़ दिया। हाल में पूर्व सांसद संजय निरुपम ने पार्टी को अलविदा कहा। वह मुंबई उत्तर पश्चिम सीट कांग्रेस की ओर से शिवसेना यूबीटी को सौंपे जाने से नाराज थे। इससे पहले महाराष्ट्र के दो बड़े नेता मिलिंद देवड़ा और अशोक चव्हाण भी कांग्रेस का दामन छोड़ चुके हैं।

मेदवेदेव के रिटायर होने से लेहेका सेमीफाइनल में

मैड्रिड, 03 मई (एजेंसियां) । दानिल मेदवेदेव के एक सेट (4-6) से पिछड़ने के बाद चोट के कारण नाम वापस लेने से जिरी लेहेका ने मैड्रिड ओपन में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई। दुनिया के 31वें नंबर के चेक खिलाड़ी ने पूरे राउंड में आश्चर्यजनक प्रदर्शन करते हुए अब मास्टर्स 1000 इवेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ परिणाम और दौरे पर अपना छठा सेमीफ़ाइनल हासिल किया। दाहिने कशेरुका की समस्या के कारण मोंटे-कार्लो और बार्सिलोना से हटने के बाद लेहेका क्ले स्विंग का अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे थे। पहला सेट बिजली की गति से आगे बढ़ रहा था, पहले 15 मिनट में केवल 5 गेम पूरे हुए और रिटर्न पर केवल तीन अंक जीते। हालाँकि, सर्विस की लड़ाई जल्द ही मेडिकल टाइम-आउट से बाधित हो गई, जिसका अनुरोध मेदवेदेव ने तब किया जब वह 3-2 से आगे थे। लॉकर रूम से लौटने के बाद, मेदवेदेव असहज दिखे और उन्होंने लेहेका को रोकने की कोशिश की, लेकिन किसी तरह गेम को 40-30 तक ले जाने में सफल रहे। हालाँकि, दर्द स्पष्ट रूप से दूर नहीं हो रहा था और उनकी अपनी सर्विस पर दो अप्रत्याशित त्रुटियों (एक फोरहैंड पर और दूसरी बैकहैंड पर) ने उनके प्रतिद्वंद्वी को दो ब्रेक प्वाइंट दिए। मैड्रिड ओपन की रिपोर्ट के अनुसार, जिरी ने अपने अवसर का लाभ उठाया। मेदवेदेव की दोहरी गलती के बाद, मैच सर्विस के साथ चला गया जब तक कि दुनिया का नंबर 4 गेम नौ में एक और चोट से बचने में असमर्थ नहीं हो गया, जिससे वह कभी उबर नहीं सका।

विराट का अनुभव टी20 विश्वकप के लिए अहम रहेगा : अगरकर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है उनका अनुभव बहुमूल्य है और वह टी20 विश्व कप में हमारे लिए बेहद अहम हैं। अगरकर ने कहा कि इसी कारण हम आईपीएल में उनके स्ट्राइक रेट को लेकर विचार नहीं कर रहे क्योंकि हम जाने हैं कि वह शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं। विराट ने अब तक 10 पारियों में एक शतक और चार अर्धशतकों के साथ 500 रन बनाए हैं पर उनके 147 से कुछ अधिक का उनका स्ट्राइक रेट को कम बताया जा रहा है। वहीं अन्य बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड का स्ट्राइक रेट 194 से अधिक हैं। इसके अलावा फिल सॉल्ट 180 से अधिक और सुनील नारायण 182 से अधिक हैं। अगरकर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम इस पर चर्चा कर रहे हैं। वह आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं इसलिए कोई चिंता की बात नहीं है।' विराट का अनुभव बहुमूल्य है पर अगरकर का मानना है कि अगर बड़े स्कोर वाले मैच होते हैं तो बल्लेबाजी क्रम में पर्याप्त पावर हिटर हैं। अगरकर ने कहा कि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंतर है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव बहुत अहम होता है। अगरकर का सीधा कहना है कि विश्वकप कप का दबाव अलग होता है। इसलिए वह कोहली के स्ट्राइक रेट को लेकर चिंतित नहीं हैं। विराट कोहली के नाम टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है।

न्यूज ब्रीफ

हममें से किसी ने अपना विकेट जानबूझकर नहीं गंवायाः रियान पराग

हैदराबाद। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से एक रन से हार का सामना करने के बाद, इन-फॉर्म बल्लेबाज रियान पराग ने इस बात से इनकार किया कि कुछ बल्लेबाजों ने, जिनमें वह भी शामिल हैं, निर्णायक मोड़ पर अपने विकेट जानबूझकर गंवाए। शुरुआती ओवर में जोस बटलर और संजू सैमसन को खोने के बाद, पराग और यशस्वी जायसवाल ने जवाबी हमले में तीसरे विकेट के लिए 134 रन जोड़े और एक प्रभावशाली जीत की ओर अग्रसर थे। लेकिन जायसवाल 40 गेंदों में 67 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पराग 49 गेंदों में 77 रन बनाकर आउट हुए और वहां से आरआर को इस सीजन की दूसरी हार झेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। पराग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे नहीं लगता कि हममें से किसी ने भी अपना विकेट फेंका है। जायसवाल ने उस स्कूप की कोशिश की क्योंकि नटराजन अच्छी धीमी बाउंसर फेंक रहे थे इसलिए उन्होंने अगली गेंद यॉर्कर समझकर यह शॉट खेला। मैंने भी सिक्स लगाने की कोशिश की और गेंद मिस हुई लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमने अपने विकेट फेंके, अंत तक टिके रहना अच्छा होता। हम दोनों की भी योजना यह थी। पराग ने यह भी कहा कि भुवनेश्वर कुमार, पैट कमिंस और नटराजन ने आखिरी पांच ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करके आरआर को जीत से वंचित कर दिया। पराग ने कहा, मैं काफी आश्वस्त था लेकिन आपको उन्हें इसका श्रेय देना होगा कि उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। यह उनका घरेलू मैदान है, उन्होंने ऐसी गेंदबाजी की जैसे उन्हें पता हो कि विकेट कैसे रिएक्ट करेगी।

पांड्या के चयन कोअगरकर ने सही बताया, उसका कोई विकल्प नहीं

मुंबई । बीसीसीआई चयनसमिति के प्रमुख अजित अगरकर ने आगामी टी20 विश्व कप क्रिकेट के लिए

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के चयन को लेकर कहा कि हमारे पास उनका कोई विकल्प नहीं था। अगरकर के अनुसार कोई अन्य खिलाड़ी वो भूमिका नहीं निभा सकता जो पंड्या निभाते हैं। अगरकर के अनुसार हार्दिक के होने से टीम में संतुलन आता हैं, साथ ही वह जिस प्रकार खेलता है वैसे कोई नहीं खेल सकता। साथ ही कहा कि टीम चयन में आईपीएल प्रदर्शन की भूमिका नहीं रही है। उन्होंने ये बात इसलिए कही कि पंड्या आईपीएल में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में विफल रहे हैं। इसी कारण कई लोगों ने हार्दिक को टी20 विश्व कप टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर सवाल उठाये थे। इसके अलावा पंड्या की फिटनेस भी अच्छी नहीं रही है। अगरकर ने कहा कि उपकप्तानी को लेकर कोई बात नहीं हुई। उसने अभी तक मुंबई इंडियंस के लिए सारे मैच खेले हैं। वहीं टी20 विश्वकप में अभी समय है। वह फिट है तो वह जो कर सकता है, उसका कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि वह चोट के बाद लंबे समय में वापसी कर रहा है। हमें उम्मीद है कि वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहा है। गेंदबाजी करने पर वह रोहित को काफी विकल्प और संतुलन दे सकता है।

आगरकरः रिंकू सिंह को मुख्य टीम से बाहर रखना सबसे मुश्किल फैसला

मुंबई । टी-20 विश्व कप के लिए जब भारतीय टीम घोषित हुई तो 15 सदस्यीय टीम में रिंकू सिंह का नाम नहीं था। रिंकू को टूर्नामेंट के लिए रिजर्व का हिस्सा बनाया गया है, लेकिन फ़ैंस से लेकर विशेषज्ञों तक हर कोई रिंकू को मुख्य टीम में शामिल नहीं किए जाने से दुः खी है। अधिकतर लोगों का मानना है कि रिंकू ने जो करके दिखाया है, उसके आधार पर उन्हें जरूर टीम में चुना जाना चाहिए थे। अब टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर ने भी इस बारे में अपना पक्ष रखा है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए आगरकर ने कहा, रिंकू ने कुछ भी गलत नहीं किया है और ना ही शुभमन गिल ने ही। हमें नहीं पता है कि हमें वहां कैसी परिस्थितियां मिलने वाली हैं और हम पर्याप्त विकल्प रखना चाहते थे। हमारे पास दो कलाई के स्पिनर हैं जिससे रोहित के पास अधिक विकल्प होंगे और मुझे नहीं लगता कि इसका रिंकू से कुछ लेना-देना है। यह उनकी गलती नहीं है कि उन्हें मौक़ा नहीं मिला है। हमें जिस 15 की जरूरत थी उसमें दो शानदार विकेटकीपर हैं और वे दमदार बल्लेबाज़ी करते हैं। हमें एक अतिरिक्त गेंदबाज़ी विकल्प की जरूरत थी और रिंकू अभी भी रिजर्व का हिस्सा तो हैं ही। क्या विराट कोहली की स्ट्राइक-रेट है चिंता का विषय विराट कोहली की स्ट्राइक-रेट को लेकर तमाम तरीके की बातें चल रही हैं, लेकिन विश्व कप का टीम चयन होते समय किसी के मन में यह नहीं चल रहा था।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 24 रनों से हराया

मुंबई, 03 मई (एजेंसियां)। वेंकटेश अय्यर (70) और मनीष पांडे (42) रनों की शानदार पारियों और उसके बाद मिचेल स्टार्क तथा अन्य की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 51वें मुकाबले में मुम्बई इंडियंस को 18.5 ओवर में 145 रनों पर समेटते हुये 24 रन से जीत दर्ज की। कोलकाता की 10 मैचों में यह सातवीं जीत है।

170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने एक-एक करके अपने छह विकेट 71 के स्कोर तक गवां दिये थे। सबसे पहले दूसरे ओवर में इशान किशन(13) पर उसके बाद नमन धीर (11), रोहित शर्मा (11), तिलक वर्मा (4), नेहाल वढेरा (6) और कप्तान हार्दिक पांड्या (1) रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे। सूर्यकुमार और टिम डेविड ने पारी को संभाला और सातवें विकेट लिये 49 रनों की साझेदारी की। सूर्यकुमार यादव ने 35 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए सर्वाधिक (56) रन बनाये। उन्हें आंद्रे रसल ने सॉल्ट के हाथों कैच आउट कराया। सूर्यकुमार जब तक क्रीज पर थे लग रहा था कि मुम्बई आसानी से

मुकाबला जीत लेंगी लेकिन उनके आउट होते के साथ एक-एक करके विकेट गिरने लगे। टिम डेविड 20 गेंदों में 24 रन, गेराल्ड कोएत्जी (8), पीयूष चावला (शून्य) पर आउट हुये। मुम्बई इंडियंस की पूरी टीम 18:5 ओवर में 145 रनों सिमट गई।

कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से मिचेल स्टार्क ने चार विकेट लिये। वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण और आंद्रे रसल को दो-दो विकेट मिले। इससे पहल कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुम्बई इंडियंस को जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट (5) का विकेट गवां दिया। उसके बाद तीसरे ओवर में अंगकृष रघुवंशी (13) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। कप्तान श्रेयस अय्यर (6), सुनील नारायण (8) और रिंकू सिंह (9) रन बनाकर बनाकर आउट हुये। एक समय कोलकाता ने 57 रन पर अपने नाम विकेट गवां दिये थे। ऐसे समय में वेंकटेश अय्यर और मनीष पांडे ने पारी को संभाला। दोनों ने छठें विकेट लिये (83) रन जोड़े। मनीष पांडे ने 31 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुये (42) रन बनाये। आंद्रे रसल (7), रमनदीप सिंह (2), मिचेल स्टार्क (शून्य) पर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए 52 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए (70) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली और अपनी टीम को 169 रन के सम्मानजक स्कोर तक पहुंचाया। बुमराह ने 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर वेंकटेश को बोल्ड कर कोलकाता की पारी का अंत किया। मुम्बई की ओर से नुवान तुषारा और जसप्रीत बुमराह ने तीन- तीन विकेट लिये। हार्दिक पांड्या को दो विकेट मिले। पीयूष चावला ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

ना थॉमस कप और ना ही उबेर कप में भारत को मिला कोई पदक महिलाओं के बाद पुरुष टीम भी हारी

चेंगदू (चीन), 03 मई ।

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप बैडमिंटन टीम अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाई और क्वार्टर फाइनल में चीन से 1-3 से हार के साथ बाहर हो गई। महिला टीम का अभियान उबेर कप में जापान के हाथों 0-3 से हार के साथ समाप्त हो गया। दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। सात्विक-चिराग की जोड़ी को दुनिया की नंबर जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग के हाथों 15-21, 21-11, 12-21 से हार मिली।

युगल में जीत से चीन को 2-0 से बढ़त मिल गई। उसके बाद निगाह लक्ष्य पर थी, जिन्होंने निराश नहीं किया। अल्मोड़ा के 22 साल के सेन ने दुनिया के छठे नंबर के ली शी फेंग को 13-21, 21-8, 21-14 से हराकर स्कोर 1-2 कर दिया लेकिन युगल में ध्रुव और साई की दुनिया की 11वें नंबर की रेन जियांग यू और ही जी टिंग से 10-21, 10-21 की हार के साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं। उबेर कप में जापान ने 3-0 से हराया इससे पहले उबेर कप में अश्मिता चालिहा और ईशारानी बरुआ के संघर्षपूर्ण खेल के बावजूद भारत की युवा महिला टीम को जापान के हाथों 0-3 से हार मिली। इस टूर्नामेंट में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने हिस्सा नहीं लिया था। बावजूद इसके भारत ने ग्रुप मैचों में कनाडा और सिंगापुर को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। जापान के खिलाफ अश्मिता को अया ओहरी के खिलाफ 10-21, 22-20, 15-21 से हार मिली। बीस साल की ईशारानी दुनिया की पूर्व नंबर एक नोजोमी ओकुहारा से 15-21, 12-21 से हार गईं। युगल में प्रिया और श्रुति मिश्रा को दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी नामी मातसुयामा और चिहारू शिदा ने 21-8, 21-9 से हराया।

भारतीय महिला हॉकी टीम में बड़ा बदलाव, सविता पूनिया की जगह सलीमा टेटे बनीं कप्तान

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां) । भारतीय महिला हॉकी टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। मिडफील्डर सलीमा टेटे को अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की जगह इस महीने के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और इंग्लैंड चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। वहीं, नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है।

सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा- मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं।

उन्होंने कहा, एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है। सविता ओलंपिक क्वालिफायर और उसके बाद प्रो लीग मैचों में भारत की कप्तान रही थीं।

बेल्जियम में मैच 22 से 26 मई तक और इंग्लैंड में एक से नौ जून तक होंगे। भारत का सामना पहले चरण में दो बार अर्जेंटीना और बेल्जियम से होगा। लंदन चरण में टीम ब्रिटेन और जर्मनी से खेलेगी। भारत इस समय प्रो लीग तालिका में छठे स्थान पर है। सलीमा को हाल ही में हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में बलबीर सिंह सीनियर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला था।

भारतीय महिला टीम :

गोलकीपर : सविता पूनिया, बिछू देवी खारीबाम।

डिफेंडर : निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी।

मिडफील्डर : सलीमा टेटे (कप्तान), वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नवनीत कौर, नेहा, ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, लालरेम्सियामी।

फॉरवर्ड : मुमताज खान, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग।

सदमे में डूबा क्रिकेट जगत! इंग्लैंड के 20 साल के स्पिनर का हुआ निधन, लाल गेंद के मैच में चटकाए थे 3 विकेट

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां) । वोरसेस्टरशायर स्पिनर जोश बेकर का 20 साल की उम्र में निधन हो गया। इंग्लैंड काउंटी चैंपियनशिप टीम ने इसकी जानकारी दी। बाएं हाथ के स्पिनर ने एक दिन पहले ब्रूम्सग्रूव में समरसेट के खिलाफ वोरसेस्टरशायर की दूसरी एकादश के लिए 3 विकेट चटकाए थे। जोश बेकर की मृत्यु की खबर से क्रिकेट जगत सदमे में डूब गया है।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड, काउंटी क्लब और पूर्व क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर जोश बेकर की मृत्यु के लिए शोक प्रकट किया है। काउंटी क्लब ने अपने बयान में कहा, वोरसेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब जोश बेकर के असामयिक निधन की घोषणा करते हुए दुखी है, जिनकी उम्र केवल 20 वर्ष थी। बता दें कि जोश बेकर जब 17 साल के थे, तब वोरसेस्टरशायर से जुड़े थे। बाएं हाथ के स्पिनर ने अपने प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया था। उन्होंने 22 फर्स्ट क्लास मैचों में 43 और 25 सीमित ओवर मैच में 27 विकेट चटकाए थे। जोश बेकर ने अप्रैल में अपना आखिरी फर्स्ट क्लास मैच डरहम के खिलाफ खेला था।

क्लब ने कहा, जोश बेकर 2021 में क्लब के साथ पेशेवर हुए थे और जल्दी की लोकप्रियता हासिल की थी। स्पिन गेंदबाज के रूप में शैली से

ज्यादा उनकी भावना और उत्साह उन्हें हर किसी के करीब ले आया था। उनकी गर्मजोशी, दयालुता और व्यावसायिकता उल्लेखनीय थी, जिसने उन्हें अपने परिवार का सच्चा श्रेय और हमारी टीम का एक प्रिय सदस्य बना दिया।

एश्ले जाइल्स ने शोक प्रकट किया

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर और वोरसेस्टरशायर के सीईओ एश्ले जाइल्स ने कहा, जोश बेकर की मृत्यु की खबर ने हम सभी को तगड़ा झटका दिया है। जोश टीम साथी से कई बढ़कर थे। वो हमारे क्रिकेट परिवार का अतुल्नीय हिस्सा रहेंगे। हम सभी को उनकी बहुत कमी खलेगी। हमारा पूरा प्यार और प्रार्थनाएं जोश के परिवार और दोस्तों को जाती हैं।

बेकर के करियर का बड़ा पल

मई 2022 में जोश बेकर के करियर का बड़े पलों में से एक आया जब उनका सामना इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हुआ। स्टोक्स ने 88 गेंदों में 161 रन बनाए थे। बेकर के एक ओवर में स्टोक्स ने पांच छक्के और एक चौका जमाया था। चुनौतीपूर्ण अनुभव के बावजूद स्टोक्स ने बेकर की क्षमता को पहचाना और उनकी प्रतिभा की तारीफ करते हुए व्हाट्सऐप पर एक मैसेज भेजा। स्टोक्स ने लिखा, आपमें गंभीर प्रतिभा है और मेरे ख्याल से आप बहुत आगे जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण विचार आपके साथियों से मिलता है और मेरे ख्याल से आपको सभी का समर्थन हासिल है।

आईसीसी मेंस टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर पहुंचा

भारत फिसलकर दूसरे स्थान पर आया, वनडे और टी-20 में इंडिया टॉप पर

नई दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां) । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम भारत को पीछे कर वर्ल्ड टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 पर आ गया है। ऑस्ट्रेलिया अब 124 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर हैं। वहीं, भारत 4 पॉइंट्स पिछे 120 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। इंग्लैंड तीसरे और साउथ अफ्रीका 103 अंकों के साथ 100 अंकों से ऊपर चौथी टीम है।

भारत मुख्य रूप से इसलिए फिसला क्योंकि 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में उसकी 2-1 सीरीज जीत रैंकिंग में शामिल मैचों से बाहर हो गई है। वार्षिक अपडेट के बाद भारत वनडे और टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में टॉप पर बना हुआ है।

टेस्ट रैंकिंग के तीसरे से 9वें स्थान में कोई बदलाव नहीं

तीसरे से नौवें स्थान पर रहने वाली टीमों की

रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में 9 ही टीमों को टॉप में माना गया हैं, क्योंकि, अफगानिस्तान और आयरलैंड अभी तक पर्याप्त टेस्ट नहीं खेल पाने के कारण 11वें और 12वें नंबर पर हैं। जबकि जिम्बाब्वे भी टॉप-9 से बाहर है क्योंकि उन्होंने पिछले तीन सालों में केवल तीन टेस्ट खेले हैं।

रैंकिंग टेबल में आने के लिए टीमों को तीन साल के अंदर कम से कम आठ टेस्ट खेलने होंगे। मई 2023 से पहले पूरे किए गए मैचों का 50 फीसदी और बाद में हुए सभी मैचों को रैंकिंग के लिए माना जाता है।

भारत ने वनडे रैंकिंग में बनाई 6 पॉइंट की लीड

भारत भले ही आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया हो, लेकिन उसने उन पर अपनी बढ़त तीन से 6 पॉइंट तक बढ़ा ली है और 122 अंकों के साथ टेबल में टॉप पर है। टॉप 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को पछाड़कर 11वें स्थान पर कब्जा जमा लिया है। तीसरे स्थान पर मौजूद साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 पॉइंट दूर था, अब यह फासला कम होकर 4 पॉइंट का रह गया है। जबकि श्रीलंका पांचवें स्थान पर मौजूद इंग्लैंड से सिर्फ दो अंक पीछे है।

टी-20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर

टी-20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर आ गया। भारत 264 रेटिंग पॉइंट के साथ टॉप पर हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका को भी 2 स्थान का इजाफा हुआ और उसने इंग्लैंड के नीचे चौथे नंबर पर जगह बनाई।

देश हित का नहीं, स्वार्थ का है सपा-कांग्रेस गठबंधन: योगी

- सीएम ने संभल, बदायूं और आंवला में जनसभा को संबोधित किया
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी योगी के साथ रहे

संभल/बदायूं/बरेली 03 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल, बदायूं व आंवला लोकसभा क्षेत्रों में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया और भाजपा प्रत्याशियों को अधिक से अधिक वोट देने की अपील की। इस दौरान सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किए। संभल में जहां उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व मंत्री द्वारा राहुल गांधी की तारीफ पर निशाना साधा तो वहीं संभल में उन्होंने राम मंदिर पर सपा और कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाते हुए माफिया और गुंडों पर प्रदेश सरकार की प्रभावी कार्रवाई का जिक्र किया। वहीं, आंवला में उन्होंने कहा की यह स्वार्थ का गठबंधन है।

चुनाव के समय मतदाता इनके माई बाप होते हैं तो चुनाव खत्म होने के बाद ये पहचानते तक नहीं। तीनों ही लोकसभा क्षेत्रों में सीएम योगी ने पीएम मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत की बात की तो सपा और कांग्रेस के गठबंधन को भारत के हितों के लिए ठेस पहुंचाने वाला करार दिया।

सीएम योगी ने यूपी को पूरे देश में बनाया नजीर: मोहन यादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी संभल और बदायूं लोकसभा क्षेत्र में सीएम योगी के साथ जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मोहन यादव ने सीएम योगी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश को पूरे देश में एक नजीर की तरह पेश किया है। आज कोई भी गुंडा सोचता है कि कहीं भी गुंडागर्दी कर लो, लेकिन उत्तर प्रदेश में गुंडई की तो योगी जी छोड़ने वाले नहीं हैं। योगी जी ने कानून व्यवस्था का जो प्रदेश में अनुपालन सुनिश्चित किया है वो एक उदाहरण है। उन्होंने भगवान राम का भव्य मंदिर और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सीएम योगी का आभार जताया और साथ ही कहा कि अब तो योगी जी मथुरा की भी बात कर रहे हैं। निश्चित रूप से हर सनातनी उनका आभारी रहेगा।

संभल लोकसभा क्षेत्र में सीएम योगी ने भाजपा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी के पक्ष में वोट की अपील की। उन्होंने इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि यह देश के हित का नहीं बल्कि स्वार्थ का गठबंधन है। देश में राहुल गांधी की कोई तारीफ नहीं करता है, लेकिन पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी कर रहे हैं। यही इनका असली चेहरा है। यही नहीं देश में जब भी संकट आएगा तो सबसे पहले राहुल इटली भाग जाएंगे। इस दौरान उन्हे भारत और यहां की जनता की याद नहीं आएगी। वहीं जब चुनाव आते हैं तो इन्हें रामलला याद आते हैं और उत्तर प्रदेश आ धमकते हैं। राहुल चुनाव शुरू होते ही चुनावी गठबंधन करते हैं और चुनाव खत्म होते ही भाग जाते हैं। यह इनकी फितरत है। यह 5 वर्ष दिखाई नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी गरीब कल्याण, भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनावी समर में आपके बीच है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश का विकास हुआ है। यह सभी जानते हैं। ऐसे में निर्णय आपको लेना है।

बदायूं लोकसभा क्षेत्र में सीएम योगी ने दुर्विजय सिंह शाक्य के लिए मतदान की अपील की। यहां उन्होंने सपा व कांग्रेस के गठबंधन पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि ये जो गठबंधन है, इसका सिर्फ एक ही उद्देश्य है कि भारत के हितों को कैसे ठेस पहुंचाई जाए। सपा और कांग्रेस के गठबंधन को दिया जाने वाला वोट ऐसे ही जैसे किसी अनाड़ी के हाथ में ट्रैक्टर पकड़ा दिया जाए। उन्होंने कहा कि ये जो दो लड़कों की जोड़ी बनी है, ये जिंदगी भर लड़के ही बने रहेंगे। इसके साथ ही, सीएम योगी ने राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि 500 वर्षों के बाद अयोध्या में भगवान राम विराजमान हो गए हैं तो प्रदेश से माफिया और गुंडों का भी राम नाम सत्य हो गया है, जो बाकी बचे हैं धीरे-धीरे उनका भी राम नाम सत्य हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम वृंदावन बिहारी लाल के भक्त हैं और उन्होंने कहा था परित्राणाय साधु नाम विनाशाय च दुष्क्रिताम अर्थात सज्जन लोगों का हम संरक्षण करेंगे और दुर्जन लोगों को उनके सही ठिकाने पर भेजने का काम करेंगे। आज यही हो रहा है। अब उत्तर प्रदेश में दंगे भी नहीं होते, कर्फ्यू भी नहीं लगता। दंगे करने वाले गले में तख्ती टांग के फिर रहे हैं और कह रहे हैं कि एक बार जान बख्श दो।

आंवला लोकसभा में सीएम योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन स्वार्थ का गठबंधन है। चुनाव के समय आप इनके माई बाप हैं और चुनाव खत्म होते ही यह आपको पहचानते नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि अयोध्या के महाराज दिलीप ने गौ माता को शेर के मुंह से छुड़ाया था। ऐसे धर्मात्माओं ने भारत माता की धरती पर जन्म लिया है। सपा और कांग्रेस को गलतफहमी है कि वह किसी की रुचि के अनुसार खान-पान की स्वतंत्रता देंगे। प्रदेश में गौकशी की बात तो दूर कोई इसके बारे में सोचेगा भी तो उसके लिए जहन्नुम के द्वार खोल दिये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में गरीब कल्याणकारी योजनाओं की बंदरबांट होती थी। कांग्रेस सरकार तो प्रभु श्रीराम और कृष्ण भगवान के अस्तित्व पर सवाल करती थी। वहीं सपा के लोग जय श्री राम का नारा लगाने पर जेल में बंद कर देने की धमकी देते थे।

भाकपा के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार अंजान का निधन

लखनऊ, 03 मई (एजेंसियां)।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार अंजान का शुक्रवार सुबह लखनऊ में निधन हो गया। वे लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। अतुल कुमार पिछले करीब एक महीने से लखनऊ के मेयो अस्पताल में भर्ती थे।

अतुल कुमार अंजान ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत साल 1977 में की थी। पहली बार वे लखनऊ यूनिवर्सिटी से छात्रसंघ के अध्यक्ष के रूप में चुने गए थे। अतुल अंजान को वामपंथी राजनीति का बड़ा चेहरा माना जाता था। अतुल कुमार अंजान 20 साल की उम्र में नेशनल कॉलेज छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए थे। वे बार-बार छात्रों के मसले उठाने की वजह से बहुत मशहूर हो गए थे। इसी ख्याति की वजह से वे चार-चार बार लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष रहे। वे एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में भी जाने जाते थे। इनको करीब आधा दर्जन से ज्यादा भाषाओं की जानकारी थी। अंजान अपने विश्वविद्यालय के दिनों में ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गए थे।

अतुल कुमार अंजान उत्तर प्रदेश के चर्चित पुलिस-पीएसी विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक थे। अंजान अपने राजनीतिक करियर के सफर में कई बार जेल भी गए। उनके पिता डॉ. एपी सिंह एक अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की गतिविधियों में हिस्सा लिया था। इस वजह से अंग्रेजों ने उन्हें जेल में बंद कर दिया था। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने अतुल कुमार अंजान के निधन के बाद शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि अतुल कुमार अंजान के निधन से मैं स्तब्ध हूं। वे एक बहादुर और समर्पित लोकसेवक थे। मैं उन्हें अपनी भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। किसानों और श्रमिकों के हितों के प्रति सीपीआई नेता की दृढ़ प्रतिबद्धता ने जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों से व्यापक प्रशंसा और सम्मान प्राप्त किया है। एक समय अपने वक्तृत्व कौशल के लिए जाने जाने वाले तेजतर्रार छात्र नेता ने राजनीति में एक अलग मुकाम हासिल किया था।

सुलग रहा चंबल का बीहड़ वन्यजीव जान बचाकर भागे

आगरा, 03 मई (एजेंसियां)।

आगरा के बाह क्षेत्र में चंबल नदी के बीहड़ में खेरा राठौर में बुधवार दोपहर लगी आग बृहस्पतिवार तक सुलगती रही। चंबल के दो वर्ग किमी के जंगल में आग लगी थी। दमकल के लिए रास्ता न होने के कारण बीहड़ की आग बुझ नहीं सकी। वन्य जीव जान बचाकर भाग निकले। झाड़ियां राख होने के बाद आग बुझी। वन विभाग का दावा है कि आग से किसी वन्य जीव की मौत नहीं हुई है।

बुधवार की दोपहर खेड़ा राठौर और महुआशाला गांव के बीच के चंबल के बीहड़ में आग लग गई। कुछ जगह तक तो फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन दुर्गम बीहड़ में रास्ता न होने की वजह से दमकल नहीं पहुंच पाई। वन विभाग की टीम लाठी-डंडे, पेड़ों की टहनियों से झाड़ियों को पीट-पीटकर और घासफूस पर रेत डालकर बुझाने में जुटी रही।

बुधवार की पूरी रात बीहड़ में लगी आग का दायरा बढ़ता रहा। देर रात तक वन विभाग की टीम आग बुझाने को जूझती रही। झाड़ियां राख होने के बाद आग बुझी। बाह के रेंजर उदय प्रताप सिंह ने बताया कि करीब 2 किमी क्षेत्र में झाड़ियां और घासफूस जली है। फिलहाल किसी भी वन्यजीव के जलने की सूचना नहीं है।

बस्ती के बाहुबली नेता राजकिशोर सिंह भाजपा में शामिल

लखनऊ, 03 मई (एजेंसियां)।

बस्ती के बाहुबली छवि वाले पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह अपने भाई बृज किशोर सिंह डिंपल और समर्थकों के साथ बृहस्पतिवार को भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले राजकिशोर और उनके भाई बस्ती से मौजूदा सांसद व लोकसभा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। इसके बाद भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में भगवा पट्टा पहनकर पार्टी की सदस्यता ली। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रदेश भूपेंद्र चौधरी ने राजकिशोर समेत सभी नए लोगों को सदस्यता दिलाई।

करीब 22 साल के राजनीतिक सफर में राजकिशोर सपा, बसपा और कांग्रेस में कई बार आए और गए। वह बसपा और सपा सरकार में तीन बार मंत्री भी रहे। वर्ष 2019 के बस्ती सीट से लोकसभा चुनाव भी लड़े थे और करीब 56 हजार मत पाए थे, जब कांग्रेस की सियासी स्थिति काफी कमजोर थी। इस चुनाव में अपने दम पर 56 हजार वोट पाकर राजकिशोर ने अपनी पकड़ का आभास कराया था। हालांकि चुनाव हारने के बाद राजकिशोर कांग्रेस छोड़ वर्ष 2020 में दोबारा बसपा में शामिल हो गए। लेकिन पिछले साल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से हुई उनकी मुलाकात के बाद बसपा ने राजकिशोर से निष्कासित कर दिया था।

बसपा से निकाले जाने के बाद से ही राजकिशोर नए सियासी ठिकाने की तलाश कर रहे थे। उनके भाजपा में शामिल होने को लेकर कयास तो बहुत पहले ही लग रहे थे लेकिन अब जाकर उनको भाजपा में शामिल कराया गया है। सूत्रों का कहना है कि राजकिशोर पहले बस्ती से ही लोकसभा का टिकट का आश्वासन चाहते थे, पर भाजपा नेतृत्व तैयार नहीं हुआ। फिलहाल सिर्फ उन्हें पार्टी में शामिल कराने पर ही सहमति बनी है।

छात्रसंघ का चुनाव लड़कर राजनीति की शुरुआत करने वाले बृजकिशोर भी वर्ष 2014 में सपा के टिकट पर बस्ती चुनाव लड़ चुके हैं।

सिपाही भर्ती पेपर लीक : ईडी ने दर्ज किया केस

पहली बार मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट में होगी जांच

लखनऊ, 03 मई (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा का पेपर आउट होने के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस दर्ज जांच शुरू कर दी है। यह केस यूपी पुलिस द्वारा दर्ज किए मुकदमों के आधार पर दर्ज किया गया है। प्रदेश में पहली बार पेपर लीक कराने वाले किसी गिरोह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत जांच हो रही है।

गौरतलब है कि 18 व 19 फरवरी को आयोजित इस परीक्षा का पेपर आउट हो गया था। शासन ने इसकी जांच एसटीएफ को सौंपी थी। ईडी जल्द ही पेपर लीक करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड व अन्य सदस्यों से जेल में पूछताछ करेगा। वहीं, पेपर छापने वाली प्रिंटिंग प्रेस और ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालकों पर भी शिकंजा कसा जाएगा। बता दें कि जेल में बंद मुख्य आरोपी राजीव नयन मिश्रा, रवि अत्री, डॉ. शुभम मंडल, ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी शिवम गिरी, रोहित पांडेय, अभिषेक शुक्ला, दिल्ली पुलिस के सिपाही विक्रम पहल के साथ मध्य प्रदेश के रीवा के शिवशक्ति रिसॉर्ट और हरियाणा के मनेसर स्थित नेचर वैली रिसॉर्ट के मालिकों से पूछताछ होनी है।

दरअसल, एसटीएफ की जांच में सामने आया था कि दोनों रिसॉर्ट में सैकड़ों अभ्यर्थियों को बुलाकर पेपर पढ़वाया गया था। यह भी पता चला था कि ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारियों की मिलीभगत से राजीव नयन मिश्रा और रवि अत्री ने अहमदाबाद के वेयरहाउस में रखे पेपर के बक्सों को पीछे से खोलकर उनकी फोटो खींची थी, जिसे बाद में लाखों रुपए लेकर अभ्यर्थियों को बेचा गया था। इसके लिए बक्सा खोलने के एक्सपर्ट डॉ. शुभम मंडल को पटना से बुलाया गया था।

इस गिरोह के सदस्य यूपीटीईटी, आरओ/एआरओ परीक्षा, नीट पीजी, एसबीआई परीक्षा, एआईपीएमटी, हरियाणा की वेटनरी परीक्षा, एलटी ग्रेड परीक्षा और एनएचएम की नर्सिंग स्टाफ की भर्ती परीक्षा समेत दर्जनों प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर आउट करा चुके हैं। ईडी की जांच के दायरे में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अधिकारी भी आ सकते हैं। दरअसल प्रिंटिंग प्रेस का चयन बोर्ड के अधिकारियों ने किया था। पेपर छपने के बाद उसे अहमदाबाद में ट्रांसपोर्ट कंपनी के वेयरहाउस में रखा गया, जहां सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध नहीं थे। पहले दिन की दूसरी पाली का पेपर लीक होने की जानकारी सोशल मीडिया पर फैलने लगी थी, लेकिन बोर्ड के अधिकारी उसे नजरअंदाज करते रहे। बाद में दबाव बढ़ने पर अभ्यर्थियों से प्रत्यावेदन लिया गया।

सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा के दोनों दिन की दूसरी पाली का पेपर आउट हो गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने परीक्षा को निरस्त करते हुए एसटीएफ से जांच कराने का आदेश दिया था। एसटीएफ और जिला पुलिस ने मामले में अब तक करीब 300 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

कांग्रेस को पाकिस्तानी समर्थन से तस्वीर हुई साफ

कांग्रेस का हाथ, देश के दुश्मनों के साथ: योगी

लखनऊ, 03 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पाकिस्तान से कांग्रेस के समर्थन में उठी आवाज पर राहुल गांधी और इंडी गठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस का हाथ देश के दुश्मनों के साथ है। संभल, बदायूं और आंवला लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के लिए रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर मीडिया से इस विषय पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि यदि मोदी और भाजपा जीतते हैं तो देश में दीपावली मनाई जाती है तो वहीं कांग्रेस की जीत पर पाकिस्तान में जश्न मनाया जाता

है। इस अंतर को देश की जनता को समझना चाहिए और देश विरोधी तत्वों को नकार देना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि चुनाव आज चरम पर पहुंच चुका है। स्वाभाविक रूप से जो देश के दुश्मन हैं वह चुनाव के दौरान मोदी जी के पक्ष में जो माहौल है उसको खराब करने का भरसक प्रयास करेंगे। कुछ चीजें पूरे देश की जनता को देखनी चाहिएं कि कैसे पाकिस्तान राहुल गांधी को प्रोजेक्ट कर रहा है। पाकिस्तान सरकार का एक पूर्व मंत्री जो बेशर्मी के साथ पुलवामा की घटना का समर्थन करता है, वही व्यक्ति आज राहुल गांधी को सपोर्ट कर रहा है और राहुल गांधी को लेकर प्रफुल्लित हो रहा हो। यह दिखाता है कि कांग्रेस का हाथ, देश के दुश्मनों का साथ दोनों साथ हैं। ये दिखाता है कि मोदी जी जीतेंगे तो भारत में दीपावली होगी, लेकिन यदि कांग्रेस कहीं पर सफलता प्राप्त करे तो पाकिस्तान उससे प्रफुल्लित हो रहा है। देश की जनता को इन बयानों से अवेयर होना चाहिए और समझना चाहिए कि इसके पीछे भारत विरोधी ताकतों की मंशा क्या है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस आजादी के बाद अपने मार्ग से भटक गई है। उसने अपने स्वार्थ के लिए पहले देश का विभाजन किया और फिर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के अंदर तुष्टीकरण की नीतियों को आगे बढ़ाया। तुष्टीकरण की नीतियों का ही दुष्परिणाम था कि देश के अंदर अलगाववाद और उग्रवाद चरम पर पहुंचा। कांग्रेस सरकार की भ्रष्ट नीतियों के कारण देश के अंदर नक्सलवाद भी तेजी से फैला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पिछले 10 वर्ष के अंदर जो कार्य किया है उसके कारण आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद को नियंत्रित किया जा सका है। आज देश के अंदर एक सकारात्मक माहौल बना है। विकास और गरीब कल्याणकारी योजनाओं को लेकर एक बेहतर माहौल बना है, जिससे अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को भी शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। स्वाभाविक रूप से आम जनमानस का रुझान इन सभी बातों को लेकर मोदी जी के समर्थन में है। हमें पूर्ण विश्वास है कि कांग्रेस की विभाजनकारी, तुष्टीकरण की नीतियों का देश की जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जोरदार जवाब देकर उनकी मंशा पर पानी फेरने का काम करेगी और मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन फिर एक बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 04 मई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

वीडियो मामले में प्रदेश कांग्रेस के पांच पदाधिकारी गिरफ्तार, मिली सशर्त जमानत

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हैदराबाद के बाहरी इलाके सिद्दीपेट में चुनाव अभियान एवं जनसभा के दौरान दिये गये भाषण का एक विकृत वीडियो प्रसारित करने के आरोप में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस की सोशल मीडिया इकाई में काम करने वाले पांच पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार किए गए लोगों में पेंड्याला वामशी कृष्णा, मन्ने सतीश, पेट्टम नवीन, अस्मा तस्लीम और कोया गीता शामिल हैं। हैदराबाद शहर के साइबर अपराध पुलिस उपायुक्त दारा कविता ने शुक्रवार को यहां बताया कि सभी हैदराबाद के निवासी हैं। सभी आरोपियों को हैदराबाद के नामपल्ली में बारहवीं एसीएमएम की अदालत के

समक्ष पेश किया गया, जहां उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई।

अदालत ने उन्हें दो प्रतिभूतियों के साथ 10,000 रुपए जमा करने और अगले आदेश तक सोमवार और शुक्रवार को जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थिति दर्ज कराने को कहा है। यह गिरफ्तारियां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य महासचिव जी. प्रेमेंदर रेड्डी से 27 अप्रैल को प्राप्त शिकायत पर आधारित थीं, जिसमें उन्होंने कहा था कि तेलंगाना कांग्रेस ने अपने ट्विटर अकाउंट पर श्री शाह का विकृत/मनगढ़ंत वीडियो पोस्ट किया है। जानबूझकर और शरारती कृत्य का उद्देश्य अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भय पैदा करके लोगों और मतदाताओं को गुमराह करना है।विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस संबंध में साइबर अपराध पुलिस, हैदराबाद ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किये हैं और जांच कर रही है। गिरफ्तार किये गये सभी लोग राजनीतिक दलों से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट की निगरानी करते थे तथा उन्हें अपने आधिकारिक और व्यक्तिगत ट्विटर हैंडल पर अपलोड करते थे। श्री शाह ने मेडक में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान भाषण दिया था, जिसका मॉर्फ वीडियो वामशी कृष्णा को व्हाट्सऐप पर प्राप्त हुआ। उसने उस रूपांतरित वीडियो को ट्विटर हैंडल पर अपलोड किया और इसे विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुप में साझा किया।बाद में, वीडियो देखने वाले बाकी आरोपियों ने उसी वीडियो को अपने व्यक्तिगत ट्विटर हैंडल पर साझा किया। जब ट्विटर को संवेदनशील सामग्री के बारे में सूचित किया गया, तो उसने इसे हटा दिया। उन्होंने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया।विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस ने सोशल मीडिया यूनिट से पांच मोबाइल फोन, आई बॉल स्लाइड (टीएबी), दो एसीईआर लैपटॉप और दो सीपीयू जब्त किये। पुलिस ने जनता को आगाह किया कि वे राजनीतिक दलों से संबंधित कोई भी वीडियो या फोटो प्रसारित न करें क्योंकि इससे चुनाव से संबंधित आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो सकता है।

तेलंगाना कांग्रेस ने जारी किया चुनाव घोषणा पत्र

हैदराबाद में सुप्रीम कोर्ट की बेंच और आईटीआईआर के पुनरुद्धार सहित किए कई वादे

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना कांग्रेस ने शुक्रवार को अपना विशिष्ट घोषणा पत्र जारी किया। घोषणा पत्र में कांग्रेस ने हैदराबाद में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच, आंध्र प्रदेश के पांच गांवों को तेलंगाना में फिर से शामिल करना और हैदराबाद में सूचना प्रौद्योगिकी और निवेश क्षेत्र (आईटीआईआर) परियोजना का पुनरुद्धार सहित कई अन्य प्रमुख वादे किए हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की तेलंगाना प्रभारी दीपा दासमुंशी ने सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू, जो घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष भी हैं, राज्य सरकार के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और अन्य नेताओं के साथ घोषणापत्र जारी किया।

सत्तारूढ़ दल ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में तेलंगाना के लिए की गई प्रतिबद्धताओं और घोषणापत्र में किए गए 23 अन्य वादों को लागू करने का वादा किया।

श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए घोषणापत्र जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस के सत्ता में आने पर सभी वादे पूरे किये जायेंगे। पार्टी ने काजीपेट में एक रेल कोच फैक्ट्री, बयारम स्टील प्लांट, खनन विश्वविद्यालय, हैदराबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) और हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग के बगल में एक रैपिड रेलवे प्रणाली स्थापित करने का वादा किया, जैसा कि एपी पुनर्गठन अधिनियम, 2014 में वादा किया गया था।

भद्राचलम के आसपास के पांच गांव, जिन्हें 2014 में राज्य के विभाजन के बाद आंध्र प्रदेश में मिला दिया गया था, भद्राचलम श्री राम मंदिर को विकसित करने के लिए तेलंगाना राज्य में फिर से मिलाया जाएगा। ये गांव सात मंडलों का हिस्सा थे जिन्हें गोदावरी नदी पर आंध्र प्रदेश द्वारा पोलावरम परियोजना के निर्माण की सुविधा के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया गया था। कांग्रेस ने हैदराबाद में आईटीआईआर परियोजना को पुनर्जीवित करने का वादा किया है। इस परियोजना को कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने मंजूरी दी थी लेकिन बाद में एनडीए सरकार ने इसे रद्द कर दिया था। श्रीधर बाबू ने कहा कि यह परियोजना लाखों युवाओं के लिए रोजगार पैदा करेगी। उनका मानना है कि यह परियोजना तेलंगाना का चेहरा बदल देगी और राज्य भारी निवेश आकर्षित करेगा।अन्य प्रमुख वादों में पालमुरु-रंगारेड्डी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा, हैदराबाद में नीति आयोग का एक क्षेत्रीय कार्यालय, नए हवाई अड्डों की स्थापना, रामागुंडम-मनुगुरु रेलवे लेन, चार नए सैनिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालयों की संख्या में वृद्धि, नवोदय स्कूलों को दोगुना करना राष्ट्रीय शामिल हैं। खेल विश्वविद्यालय, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान की स्थापना, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की स्थापना, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना और राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय की स्थापना का भी वादा किया गया है। घोषणापत्र में भारतीय संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के अनुसार केंद्रीय निधि को सीधे ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने का भी वादा किया गया है।

हर घर के लिए सौर ऊर्जा आधारित बिजली उत्पादन प्रणाली, हैदराबाद-बेंगलुरु आईटी और औद्योगिक गलियारा, हैदराबाद-नागपुर औद्योगिक गलियारा, हैदराबाद-वारंगल औद्योगिक गलियारा, नलगोंडा औद्योगिक गलियारा और सिंगरेनी औद्योगिक गलियारा के माध्यम से हैदराबाद-मिर्यालगुडा, अंतरराष्ट्रीय मानक सांस्कृतिक और मनोरंजन केंद्र, राष्ट्रीय दर्जा मेदाराम सम्मक्का के लिए- सरलाम्मा जतारा और नया ड्राई पोर्ट अन्य प्रमुख वादे हैं। घोषणापत्र में पिछले महीने जारी पार्टी के राष्ट्रीय घोषणापत्र में सूचीबद्ध पंच न्याय या पांच न्यायाधीशों का भी उल्लेख है।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने बीआरएस एमएलसी का चुनाव अमान्य करार दिया

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को बड़ा झटका देते हुए शुक्रवार को पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) डांडे विट्ठल के चुनाव को अमान्य करार दे दिया और उन पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया।

श्री विट्ठल को 2022 में आदिलाबाद स्थानीय निकायों के एमएलसी के रूप में चुना गया था। अदालत ने पाया कि बीआरएस के आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में नामांकित विट्ठल ने बीआरएस नेता पट्टीरेड्डी राजेश्वर रेड्डी को प्रतियोगिता से बाहर करने के लिए उनके जाली हस्ताक्षर किए थे। बीआरएस से टिकट कटने से निराश श्री रेड्डी ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया था।

श्री विट्ठल ने फर्जी दस्तखत करके श्री रेड्डी का नामांकन वापस ले लिया था। बाद में श्री रेड्डी ने मामले को उच्च न्यायालय के संज्ञान में लाते हुए कहा कि उन्होंने अपना नामांकन वापस नहीं लिया और उनके हस्ताक्षर जाली थे। न्यायालय ने उनकी याचिका पर सुनवाई के बाद आज अपना फैसला सुनाया।

कांग्रेस अपने चुनावी वादे पूरा करने में रही नाकाम : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए अपने किसी भी वादे को पूरा करने में विफल रही है।वारंगल के बीआरएस नेताओं को भाजपा में शामिल करने के दौरान मीडिया से बात करते हुए श्री रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार की अक्षमता ने 100 दिनों के भीतर गारंटी के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की। श्री रेड्डी ने कांग्रेस पर अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भाजपा के खिलाफ कीचड़ उछालने का आरोप लगाया और इस बात पर जोर दिया कि पार्टी के वादे पूरे करने के इरादे से नहीं किए गए थे। उन्होंने कांग्रेस शासन में प्रगति की कमी को उजागर करते हुए श्री मोदी के कार्यकाल की तुलना में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के दौरान रेलवे के लिए धन आवंटित करने पर रेवंत रेड्डी को चुनौती दी।उन्होंने नौकरी नियुक्तियों और कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में कांग्रेस के झूठे प्रचार की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने अपने आश्वासनों को पूरा नहीं किया है। श्री रेड्डी ने केसीआर की सरकार के सत्ता खोने पर भ्रष्ट और धोखेबाज शासन की वापसी के खिलाफ चेतावनी दी और लोगों से कांग्रेस की भ्रामक रणनीति को खारिज करने का आग्रह किया।

बेगम बाजार में कल निकलेगी भगवान परशुराम की शोभायात्रा

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी श्री परशुराम जन्मोत्सव के सन्दर्भ में सर्व ब्राह्मण परिषद् राजस्थानी ब्राह्मण सभा की बैठक का आयोजन बेगम बाजार लड्डू ओझा के निवास स्थान पर किया गया। बैठक में आगामी परशुराम जन्मोत्सव पर व्यवस्था और मुख्यातिथि पर गहन वार्ता हुई। शोभायात्रा बेगम बाजार छतरी से निकलकर किराना मार्किट, चावला बिल्डिंग, स्वस्तिक मिर्ची, कोलसवादी माली भवन में सभा का रूप लेगी जिसमे प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। इस कार्यक्रम में सभी प्रवासी भाषाई समाज के अध्यक्ष समिति ने सभी समाजों से विनती की है कि इस शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सामाजिक एकता का परिचय दें और भगवन परशुराम जी का आशीर्वाद प्राप्त करें। बैठक में समिति के परामर्शदाता रामदेव नागला, महामंत्री विशाल शर्मा, लड्डू ओझा, ठाकुर सुधीर सिंह, रितेश शर्मा, विजय शर्मा, राजेश भाटी, विजय ओझा, दुर्गा शर्मा, गोविन्द शर्मा, शिवनारायण बजाज, धन्नजय मनसबदार, प्रदुमन मिश्रा, सन्देश उपाध्यय, अवदेश शर्मा आदि उपास्थि थे।

अफजलगंज गुरुद्वारा में किया जा रहा गुरमत शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुरु सिंह सभा अशोक बाजार गुरु नानक मार्ग अफजलगंज गुरुद्वारा साहिब में बच्चों के ग्रीष्म शिविर के मौके पर विशाल गुरमत कैम्प का आयोजन सिख समाज के बालक-बालिकाओं एवं युवाओं-महिलाओं को धर्म प्रचार से जोड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

भाई सविन्दर सिंह, भाई हरप्रीत सिंह दमदमी टकसाल पंजाब से आकर धार्मिक शिक्षा गुरमुखी का प्रशिक्षण दे रहे हैं। ज्ञानी हरि सिंह द्वारा हारमोनियम-तबला, सरदार राजेश सिंह तलवार द्वारा दस्तारबन्दी, सरदार निरवैर सिंह जसबीर कौर द्वारा भी बच्चों को गुरमत ज्ञान की शिक्षा दी जा रही।

धर्म प्रचार समिति में सरदार गुरभेज सिंह चावला, हरप्रीत कौर चावला, रानी कौर चावला, डॉ.भूपेन्दर सिंह कौर, प्रीती कौर उबेजा, सरदार सेवा सिंह सलूजा, सरदार इन्दरजीत सिंह नारंग, सरदार गुरदीप सिंह छावडा, सरदार अमरजीत सिंह चावला के अथक प्रयास से गुरमत शिविर में पूर्ण सहयोग किया जा रहा है।

गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार सतविन्दर सिंह बग्गा, महासचिव सरदार जोगेन्दर सिंह मुजराल द्वारा सभी सिख समाज एवं सहयोगी सेवादारों का आभार व्यक्त करते हुए सभी अभिभावकों से इस शिविर कैम्प में भाग लेकर लाभ उठाने की अपील की है।

हैदराबाद के चैतन्यपुरी थाना क्षेत्र के मोहन नगर के एक होटल में आग लग गई। आग लगने के समय होटल में 20 लोग मौजूद थे। घटना में एक दंपत्ति घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आग पर काबू पा लिया गया है।

नूतन कार्यकारिणी गठन कल

हैदराबाद, 03 मई (एजेंसियां)। बेगम बाज़ार वैश्य भवन स्थित श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ फीलखाना की साधारण सभा का आयोजन रविवार को किया जायेगा। संघ के महामंत्री दिलीप भंसाली द्वारा जारी प्रेस विग्यप्ति मे बताया कि रविवार को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ फीलखाना की साधारण सभा के आयोजन के साथ ही नूतन कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा। इस साधारण सभा के भोजन लाभार्थी गौतम चंद संदीपकुमार सुनील कुमार पटवारी रहेंगे। संघ के सभी सदस्यो को विशेष रूप से उपस्थित रहने का निवेदन किया।

बैलेट यूनिटों के निरीक्षण का पहला चरण पूरा

हनुमाकोंडा, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिले को आवंटित मतपत्र इकाइयों के निरीक्षण का पहला चरण वारंगल एनुमामुला कृषि बाजार यार्ड में दूसरे दिन भी जारी रहा। हनुमाकोंडा जिला निर्वाचन अधिकारी/कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने निरीक्षण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने जिले के अतिरिक्त कलेक्टर वेंकट रेड्डी और अन्य अधिकारियों से मतपत्र इकाइयों की निरीक्षण प्रक्रिया की जानकारी ली।

इस बीच, बैलेट यूनिटों के निरीक्षण का पहला चरण गुरुवार शाम को पूरा हो गया।

इसी प्रकार सीईओ के आदेश पर इसी माह के चौथे दिन सुबह 9 बजे विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व याचिकाकर्ताओं की मौजूदगी में गोदाम खुलवाकर अधिकारियों ने कहा कि कार्य पूरा होने के बाद निरीक्षण प्रक्रिया के पहले चरण में, मतपत्र इकाइयों का पहला पूरक रैंडमाइजेशन किया जाएगा और निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित किया जाएगा। इस मौके पर समाहरणालय एओ सत्यनारायण, चुनाव डीटी जन्नू श्यामकुमार समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

दो सेल फोन सौंपे गए

कागजनगर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
इसगांव से तुषार चक्रवर्ती का ओप्पो मोबाइल और कागजनगर से अनवर खान का पोको मोबाइल इसगांव पुलिस स्टेशन में गायब होने की सूचना दी गई थी और पुलिस ने उन्हें सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोजा और पीड़ितों को सौंप दिया। इस अवसर पर इसगांव एसआई रमन कुमार ने कहा कि यदि हर कोई जिसका मोबाइल खो गया है या चोरी हो गया है, वह तुरंत प्रतिक्रिया देता है और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराता है, तो मोबाइल का पता लगाने की अधिक संभावना है। एएसआई हीरामन ने इन मोबाइलों को ट्रेस करने की प्रतिभा के लिए पुलिस कांस्टेबल नईम को विशेष रूप से बधाई दी।

भाजपा नेताओं ने विकास संकल्प सभा स्थल पर किया भूमि पूजन

कागजनगर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कुमरमभीम जिला सिरपुर कागजनगर के एसपीएम क्रिकेट ग्राउंड में शुक्रवार को विकास संकल्प सभा के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आगामी 05 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कागजनगर में आगमन के अवसर पर मंच निर्माण से पूर्व यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने कहा कि इस सभा में सिरपुर टी विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ आसिफाबाद, खानापुर और बेल्लमपल्ली विधानसभा क्षेत्र से 50 हजार लोग शामिल होंगे और लोगों से सभा को सफल बनाने का आह्वान किया।

बेगमपेट हवाईअड्डे पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का स्वागत करते हुए सरकारी सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल और सांसद अनिल यादव।

नल्लाकुंटा शंकर मठ में सिरी सम्पदा अपार्टमेंट के निवासियों के साथ चुनाव प्रचार के दौरान बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी।

चुनाव ड्यूटी करने वाले कर्मचारी डाक मतपत्र सुविधा का लाभ उठाएं : दीपक तिवारी

सिरपुर कागजनगर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अपर समाहर्ता दीपक तिवारी ने कहा कि चुनाव ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। 001 सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन अधिकारी दीपक तिवारी, कागजनगर राजस्व मंडल पदाधिकारी काशाबोइना सुरेशतो ने कर्मचारियों, ड्राइवरों, वीडियोग्राफरों और आपातकालीन सेवा के लिए कागजनगर राजस्व मंडल अधिकारी के कार्यालय में स्थापित मतदाता सुविधा केंद्र खोला। आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत 001 सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की एक साथ जांच की गई। उन्होंने कहा कि इस माह की 3 से 8 तारीख तक सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक इसी केन्द्र पर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान किया जाये। इस मतदाता सुविधा केंद्र में कुल 1400 कर्मचारियों ने वोट देने के लिए आवेदन किया है। इस मौके पर अधिकारियों से सुविधा केंद्र की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली गई। मतदाता सुविधा केंद्र पर ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इस कार्यक्रम में तहसीलों, कर्मचारियों एवं मतदान कार्मिकों ने भाग लिया।

जन सेवा संघ ने मतदाता जागरूकता अभियान रैली का किया आयोजन

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ मेदक जोन के अंतर्गत अमीनपुर से इश्नापुर तक बिनीत सिंह वीके सिंह के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान रैली सफलतापूर्वक संपन्न हुई। रैली जिमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्था के प्रेरणा स्रोत के सिंह उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह प्रत्येक चुनाव में भाग ले और अपने बहुमूल्य वोट का अधिकार उपयोग करते हुए अच्छे प्रतिनिधि को चुने और देश की प्रगति की निरंतरता को सुनिश्चित करें। जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष बिनीत सिंह ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का अहम हिस्सा है चुनाव के द्वारा ही लोकतंत्र का निर्माण होता है और देश का

भविष्य तय होता है, मतदाताओं के इसी महत्व को प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से जन सेवा संघ द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान रैली का आयोजन किया जा रहा है।इस रैली में जन सेवा संघ के प्रेरणा स्रोत वीके सिंह, संस्था के कोषाध्यक्ष बिनीत सिंह, संस्था के पूर्व अध्यक्ष एलएम चौधरी, वरिष्ठ सदस्य आर के सिंह एवं अश्विनी कुमार सिंह, अशोक कुमार, राजेश यादव, रौशन सिंह आदि उपस्थित हुए। साथ ही मनोज पटेल को इश्नापुर के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया।

मतदाताओं को अनिवार्य रूप से करना चाहिए मतदान : कलेक्टर

हनुमाकोंडा, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने जिले के मतदाताओं से अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करने और 13 मई को होने वाले संसदीय चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने का आह्वान किया है। चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्वीप के तत्वावधान में हनुमाकोंडा सूबेदारी स्थित यूनिवर्सिटी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज के सभागार में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी सिक्ता पटनायक ने कहा कि मतदाताओं

को मतदान दिवस पर अनिवार्य रूप से मतदान करना चाहिए, जो लोकतंत्र में एक बड़ा त्योहार है। उन्होंने कहा कि वारंगल पश्चिम भी शहरी क्षेत्रों में कम मतदान वाले शहरों की सूची में है। उन्होंने कहा कि हनुमाकोंडा जिले में स्वीप के तहत मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

कहा कि मतदाता गतिशीलता के प्रति विभिन्न समुदायों को जागरूक किया जा रहा है।

युवा मतदाताओं को अपने माता-पिता और पड़ोसियों को चुनाव में मतदान करने के लिए जागरूक करना चाहिए जिनके पास वोट देने का अधिकार है। 13 मई को होने वाले संसदीय चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए युवाओं और छात्रों को इस तरह जागरूक किया जाए कि वे जिम्मेदारी से मतदान करें।

उन्होंने कहा कि यदि युवा संकल्पित हो तो कुछ भी संभव है। विद्यार्थियों ने चुनाव में निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कला एवं विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य एस.ज्योति ने की तथा हनुमाकोंडा स्वीप के अतिरिक्त नोडल अधिकारी श्रीनिवास राव, महाविद्यालय के उपप्राचार्य रमेश, अधिकारी मधुरिमा आदि सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

डॉ. अहिल्या मिश्र मातृवंदनम सम्मान से सम्मानित

मातृवंदनम पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पोट्टि श्रीरामुलु तेलुगु विश्व विद्यालय और सीता चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में विश्व विद्यालय के सभागार में प्रतिष्ठात्मक मातृवंदनम पुरस्कार प्रदान करने हेतु एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट लेखिकाओं के साथ-साथ संगीत,समाज सेवा तथा भारतीय संस्कृति के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रहीं साठ वर्ष उम्र पार कर चुकी महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत इस वर्ष तेलुगु भाषी हिंदी लेखिका डॉ सुमन लता एवं हिन्दी साहित्य जगत की लब्ध प्रतिष्ठित व ख्यातिप्राप्त लेखिका डॉ. अहिल्या मिश्र को साहित्य में योगदान हेतु विशेष रूप से मातृवंदनम सम्मान से सम्मानित किया गया। इन दोनों साहित्यकारों का सम्मानित होना हिंदी साहित्य जगत के लिए गर्व का विषय है। ग़ौरतलब है कि पिछले वर्ष यह पुरस्कार डॉ सी वसंता और डॉ मणिक्यंबा को दी गई थी। इसी क्रम में लगभग 40 अन्य महिलाओं को पुस्तक लेखन के आधार पर अपने-अपने क्षेत्रों में उनके विशिष्ट कार्यों के लिए मातृवंदनम पुरस्कार से नवाज़ा गया। अवसर पर तेलुगु और हिंदी साहित्यकारों ने डॉ सुमन लता और डॉ अहिल्या मिश्र के साथ सभी सम्मानित मनीषियों को इस गरिमामयी सम्मान प्राप्त करने हेतु बधाइयाँ दीं।

रेवंत रेड्डी की झूठी बातों पर विश्वास न करें : हरीश बाबू

कागजनगर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कुमरमभीम जिला कागज नगर ग्रामीण मंडल के पुराने सरसला गांव में शुक्रवार को विजय संकल्प यात्रा के तहत आयोजित बैठक में विधानसभा सदस्य डॉ. पलवई हरीश बाबू शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने आरक्षण को लेकर दुष्प्रचार किया और गिरी हुई राजनीति को हवा दी। उन्होंने कहा कि किसी को भी उनकी बातों पर यकीन नहीं

करना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी का एससी, एसटी और बीसी के लिए आरक्षण खत्म करने का कोई विचार नहीं है और जल्द ही वे अपना आरक्षण बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए केंद्र सरकार धन मुहैया कराएगी। उन्होंने अगले संसदीय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के कमल के फूल के निशान के लिए मतदान करने और सांसद गोदाम नागेश को चुनने का आह्वान किया।

रिकॉर्ड 1300 करोड़ के पार पहुंची यूपीसीडा की आय

लखनऊ/कानपुर, 03 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को औद्योगिक प्रदेश बनाने की सीएम योगी की मंशा को साकार करने में जुटे उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए 1359 करोड़ रुपए का ऑपरेटिंग राजस्व प्राप्त किया है। यह वित्तीय वर्ष 2018-19 की तुलना में दोगुना है। प्रदेश में औद्योगिकीकरण के लिए किए गए विभिन्न तरह के प्रयासों से जहां एक तरफ प्राधिकरण की आय बढ़ी है तो वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक खर्चो में भी वित्तीय वर्ष 2018-19 की तुलना में 9 प्रतिशत की कटौती दर्ज की गई है। इसके साथ ही, यूपीसीडा ने निवेशकों की सुविधा के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है जिससे यूपीसीडा के अवस्थापना विकास व्यय में चौगुना वृद्धि हुई है। यह वित्तीय वर्ष 2017-18 में 104 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 415 करोड़ हो गया है।

यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मयूर माहेश्वरी ने कहा कि प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश के औद्योगिक

परिदृश्य को विस्तारित करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। यूपीसीडा भूखंड आवंटन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। जिसके परिणामस्वरूप भूमि आवंटन में वृद्धि देखी गई और केवल 2023-24 में ही 693 प्लॉटों का आवंटन किया गया। इस महत्वपूर्ण पहल से जहां एक तरफ निवेशक लाभान्वित हुए हैं, वही दूसरी तरफ प्राधिकरण की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है। यूपीसीडा ने भूमि बैंक का विस्तार करने के लिए लैंड ऑडिट और विभिन्न नीतिगत सुधारों जैसे परचेजेबल एफएआर, मर्जर और पार्टीशन का सिंपलीफिकेशन आदि के माध्यम से अनयूज्ड लैंड का बेहतर तरीके से उद्योग हित में उपयोग किया है और जमीन की वैल्यू अनलॉकिंग की है। इसके अतिरिक्त ई ऑक्शन एवं निवेश मित्र पर पारदर्शी तरीकों से लैंड अलॉटमेंट करके यूपीसीडा ने निवेशकों का विश्वास जीतने में सफलता प्राप्त की है। इसके परिणामस्वरूप पिछले तीन वर्षों में निवेशकों को रिकॉर्ड संख्या में 1600 से अधिक प्लॉटों का आवंटन हुआ है एवं उत्तर प्रदेश को देश के औद्योगिक विकास का इंजन बनाने में मदद मिली है।

उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में डिजिटलीकरण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूपीसीडा निवेश मित्र के माध्यम से वर्तमान में 34 ऑनलाइन ई सेवाएं प्रदान कर रहा है जो कोविड-19 के पहले मात्र 2 थीं। परिणामस्वरूप 31,000 से अधिक आवेदनों का 96 प्रतिशत संतुष्टि दर के साथ निस्तारण किया गया है। इसके अलावा, कौशल विकास को बढ़ावा देने और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्राधिकरण ने अटल औद्योगिक अवसंरचना मिशन (एआईआईएम) और सुरक्षित औद्योगिक क्षेत्र परियोजनाओं जैसी पहल के तहत पिंक शौचालय और पिंक डॉरमेट्री जैसी महिला केंद्रित सुविधाओं का विकास किया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप औद्योगिक पार्कों में महिला भागीदारी और रोजगार में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकरण ने निवेशकों और उद्यमियों की समस्या के समाधान हेतु नागरिक सुविधा केंद्र की स्थापना की है जिसके माध्यम से विभिन्न विभागों से संबंधित प्रश्नों का तुरंत और संतोषजनक समाधान किया जा रहा है।

पश्चिमी यमुना नहर में नहाने गए 12वीं के दो छात्र डूबे

गोताखोरों की मदद से किशोरों के शव निकाले

यमुनानगर, 03 मई (एजेंसियां)। जिले के प्रतापनगर खंड के भूड़कलां में ताउ देवी लाल हर्बल पार्क के पास पश्चिमी यमुना नहर में शुक्रवार दोपहर 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले दो छात्र डूब गए। दोनों छात्र अपने सात-आठ अन्य दोस्तों के साथ नहाने के लिए पश्चिमी यमुना नहर में गए थे। नहाते समय भंगेड़ा गांव निवासी 17 वर्षीय कृष और कड़कौली निवासी 17 वर्षीय मयंक गहराई में चले गए। नहाते समय दोनों डूबने लगे तो बाकी छात्र घबरा कर बाहर आ गए। वह उन्हें बचाने के लिए लोगों से मदद मांगने लगे। परंतु इससे पहले की कोई मदद के लिए आगे आता दोनों पानी में डूब गए। सूचना पाते ही दोनों के परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से दोनों के शव नहर से निकाल लिए गए। दोनों का पोस्टमार्टम शनिवार को कराया जाएगा।

कृष व मयंक के अलावा जो अन्य छात्र नहर में नहाने गए थे वह सभी राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रतापनगर के छात्र हैं। सभी छात्रों का 11वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम तीन दिन पहले ही आया था। सभी अब 12वीं कक्षा में हुए थे। आज दोपहर करीब एक बजे सभी पश्चिमी यमुना नहर में नहाने के लिए भूड़कलां में गए थे। जहां पर सभी पानी में नहा रहे थे। इसी दौरान कृष व मयंक नहाते हुए नहर में ज्यादा अंदर चले गए। गहराई होने के कारण वहां पर पानी के कुंड बने हुए थे। दोनों ही खुद को संभाल नहीं सके और पानी में डूब गए। अन्य छात्रों द्वारा शोर मचाने पर वहां पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। नहर में जो दोनों छात्र डूबे हैं उनके पिता किसान हैं। कृष के पिता मदन कुमार खेती करते हैं। साथ ही पशुओं की डेयरी भी चलाते हैं। कृष की मां आशा वर्कर हैं। एक छोटा भाई है जो स्कूल में पढ़ रहा है। वहीं मयंक के पिता बृजेश भी किसान हैं। मां बीमा देवी घर पर ही रहती है। 14 साल की छोटी बहन है, जो स्कूल में पढ़ रही है। थाना प्रतापनगर के एसएचओ सतनाम सिंह का कहना है कि दोनों किशोरों के शव गोताखोरों ने निकाल लिए हैं।

विरोधी पार्टियों के प्रत्याशी बाहरी, इनका कुरुक्षेत्र से कोई लेना-देना नहीं : दुष्यंत चौटाला

कुरुक्षेत्र, 03 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में कुरुक्षेत्र के मैदान में भाजपा, इंडिया गठबंधन की ओर से आप व इनेलो ने जो प्रत्याशी उतारे हैं, उनका यहां से कोई नाता नहीं है। ये सिर्फ चुनाव जीतकर केंद्रीय सत्ता में शामिल होने के प्रयास में हैं, लेकिन यहां की जनता उन्हें स्वीकार नहीं करेगी। यह कहना है पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का। वह शुक्रवार को अपनी पार्टी जजपा की ओर से चुनाव मैदान में उतारे गए पाला राम सैनी का नामांकन भरवाने के लिए पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने सैनी समाज भवन में सभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि यहां अधिकतर प्रत्याशी बाहर के ही जीतते रहे हैं और इस बार भी भाजपा, इंडिया गठबंधन व इनेलो से बाहर से ही प्रत्याशियों को उतारा है जबकि यहां के कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर दी गई। ये प्रत्याशी धन बल के आधार पर चुनाव जीतने की फिराक में हैं, लेकिन अब जनता स्थानीय प्रत्याशी को ही अपना प्रतिनिधित्व सौंपने का मन बना चुकी है। जजपा ने कैथल के ही रहने वाले पाला राम सैनी को ही प्रत्याशी बनाया है और वे धनाढ्य प्रत्याशियों पर भारी पड़ेंगे। दुष्यंत ने कहा कि उक्त तीनों प्रत्याशियों के आने से यह सीट हॉट मानी जा रही है जबकि वास्तव में अब इसी क्षेत्र का प्रत्याशी आने से हॉट हुई है। उनके आने से उक्त तीनों प्रत्याशियों के चेहरे पर बौखलाहट दिखाई देने लगी है।

ऐसे में कार्यकर्ताओं के पास मौका है कि वे घर-घर जाकर बताएं कि इस बार कमेरे व धनाढ्य वर्ग के बीच लड़ाई है। जजपा की ओर से अब तक किए गए कार्यों व नीतियों से लोगों को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि किसी कार्यकर्ता को किसी से भी घबराने की जरूरत नहीं है। वहीं उन्होंने कहा कि पार्टी में आने-जाने वाले लोग रहेंगे, लेकिन हमें अपना कार्य लग्न से करना होगा। इस दौरान पार्टी प्रदेशाध्यक्ष ब्रज शर्मा ने भी संबोधित किया और कहा कि इस बार चुनाव स्थानीय और बाहरी प्रत्याशियों के बीच होगा। इसमें स्थानीय को जीताने के लिए अगले 22 दिन कड़ा संघर्ष करना होगा। सबसे ज्यादा युवा वर्ग को अपने साथ जोड़ना होगा। इस दौरान प्रत्याशी पाला राम सैनी, जिलाध्यक्ष कुलदीप जखवाला ने भी संबोधित किया जबकि माया राम चंद्रभानपुर, रणधीर चीका, रणदीप सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विदिशा: भाजपा के अभेद किले में मामा के सामने दादा

विदिशा, 03 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित सीटों में से एक, भारतीय जनता पार्टी के गढ़ के नाम से प्रचलित विदिशा यूं तो इस बार पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम भाजपा प्रत्याशी घोषित होने के बाद से ही सबकी नजरों में थी, लेकिन कांग्रेस ने यहां से एक बार फिर पूर्व सांसद प्रताप भानु शर्मा पर दांव खेल कर इसे और चर्चाओं का केंद्र बना दिया।

चार बार इस संसदीय क्षेत्र से सांसद रह चुके श्री चौहान जहां पूरे राज्य में मामा के नाम से पहचाने जाते हैं, वहीं श्री शर्मा ने सांसद रहते हुए पूरे संसदीय क्षेत्र में दादा के नाम से पहचान बनाई है। ऐसे में अब ये चुनाव मामा और दादा के बीच की जंग का सामना कर रहा है। ये संसदीय क्षेत्र इसके पहले भी अपने दिग्गज प्रत्याशियों के चलते देश भर में सुर्खियां बटोर चुका है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और

पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज इस संसदीय क्षेत्र का संसद में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। लगभग तीन दशक से भी ज्यादा समय से भाजपा का अभेद किला बने हुए इस क्षेत्र में पिछले चुनाव में पार्टी प्रत्याशी रमाकांत भार्गव ने लगभग पांच लाख से भी अधिक मतों से कांग्रेस प्रत्याशी शैलेंद्र पटेल को पराजित किया था। ऐसे में अब सबकी निगाहें इस बार यहां से जीतने वाले प्रत्याशी और उनकी जीत के अंतर पर टिकी हुई हैं।

विदिशा लोकसभा में आठ विधानसभाएं हैं, जिनमें भोजपुर, सांची, सिलवानी, विदिशा, बासौदा, बुधनी, इछावर और खातेगांव शामिल हैं। इनमें से सिलवानी को छोड़कर अन्य सभी पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। विदिशा लोकसभा सीट में रायसेन, विदिशा, सीहोर और देवास जिले के हिस्सों को शामिल किया गया है। ये क्षेत्र सांची के स्तूपों के चलते देश-दुनिया में विख्यात है। वहीं भोजपुर का विशाल शिव मंदिर अपने ऐतिहासिक महत्व के चलते देश के चुनिंदा शिव मंदिरों में शामिल है। समूचे लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की ओर से प्रचार का मैदान श्री चौहान ने स्वयं संभाला हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान श्री चौहान की राज्य भर में लोकप्रियता के बाद अब वे लगातार स्थान-स्थान पर न केवल अपने ही संसदीय क्षेत्र में महिलाओं के बीच चुनाव प्रचार करते देखे जा रहे हैं, बल्कि कई बार दूसरे संसदीय क्षेत्रों में भी उन्हें दूसरे प्रत्याशियों के लिए वोट की अपील करते हुए भी देखा जा रहा है।

सूरत में मादक पदार्थ मेफेड्रोन ड्रग बरामद, दो गिरफ्तार

सूरत, 03 मई (एजेंसियां)। गुजरात में सूरत शहर के दो अलग-अलग क्षेत्र में 20 लाख रुपये से अधिक कीमत का मादक पदार्थ मेफेड्रोन ड्रग बरामद करके दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सूचना के आधार पर डीसीबी क्षेत्र में रुस्तमपुरा निवासी मोहमद तोकिर उर्फ तोसिफ ह. शेख की तलाशी ली गयी। इस दौरान उसके पास से 19,74,200 रुपये का 197.42 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स, 70,000 रुपये का मोबाइल फोन, 1200 रुपये नकद सहित कुल 20, 45,400 रुपये कीमत का सामान जब्त करके उसे पकड़ लिया गया।

इसी तरह लालगेट क्षेत्र में वरियाणी बाजार फैशन स्ट्रीट स्थित एक मकान की तलाशी ली गयी। इस दौरान मौके से 1,19,400 रुपये का 11.92 ग्राम मादक पदार्थ मेफेड्रोन ड्रग्स, 13,950 रुपये नकद, 12,000 रुपये का एक मोबाइल फोन सहित कुल 1,45,550 रुपये कीमत का सामान जब्त करके एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पुलिस ने मामले दर्ज करके आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

चेन्नई के ज्वैलर्स शोरूम में डकैती के दो आरोपियों को सांचौर में पकड़ा

जयपुर, 03 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तमिलनाडु के चेन्नई शहर स्थित कृष्णा ज्वैलर्स शोरूम पर हथियारों के दम पर डकैती की वारदात कर सोने चांदी के आभूषण लूटने के मामले में वांछित दो बदमाशों को सांचौर जिले से पकड़ लिया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एजीटीएफ एवं अपराध) दिनेश एमएन ने बताया कि इन आरोपियों को पकड़ने के बाद तमिलनाडु से आई विशेष पुलिस टीम को सुपुर्द कर दिया गया। इन बदमाशों को दस्तयाब करने वाली एजीटीएफ के प्रत्येक सदस्य को 10-10 हजार रुपए के नकद इनाम से सम्मानित किया गया है। श्री एमएन ने बताया

कि पकड़े गए आरोपी सुरेश विश्नोई (28) खुमानियों की ढाणी डूंगरवा थाना बागोड़ा जिला सांचौर एवं अशोक कुमार विश्नोई (22) गांव बावरला थाना सरवाना जिला सांचौर के रहने वाले हैं। अशोक विश्नोई अपराधी प्रवृत्ति का है। पूर्व में भी सोना और पेट्रोल पंप लूट की घटना में शामिल रहा है। इसके विरुद्ध सांचौर और जोधपुर जिले में सात आपराधिक प्रकरण दर्ज है। इस गिरोह के सदस्य गुजरात में 12 किलो सोना लूट की वारदात में भी शामिल रहे है।

उन्होंने बताया कि डीआईजी योगेश यादव एवं एडिशनल एसपी विद्या प्रकाश के सुपरविजन में सक्रिय आपराधिक गिरोह एवं गैंगस्टर के बारे में आसूचना संकलन के लिए एक पुलिस टीम रवाना की गई है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु राज्य में चेन्नई कमिश्नरेट के जिला अवाडी में थाना मुथापुदुपेट स्थित कृष्णा ज्वैलर्स शोरूम में कुछ हथियारबंद बदमाशों द्वारा गत 15 अप्रैल को डकैती की वारदात की गई थी। जिसमें हथियारों की नोक पर कर्मचारियों को डरा धमका कर चार किलो सोने के आभूषण एवं 13 किलो चांदी एवं चांदी के आभूषण बदमाश लूट ले गये। टीम को सूचना मिली थी कि घटना के आरोपी सांचौर जिले में छुपे हुए हैं। इस सूचना पर एजीटीएफ ने अपनी पहचान छुपाते हुए भीनमाल, सांचौर, चितलवाना, धोरीमना बाड़मेर तथा जोधपुर में अपनी जान की परवाह न करते हुए डकैतों के संबंध में आसूचना संकलन कर कड़ी मेहनत से इन दोनों बदमाशों को पकड़ा और उनकी निशांदेही पर 750 ग्राम सोने के आभूषण एवं लगभग चार किलो चांदी एवं चांदी के आभूषण बरामद किए है।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,878.15
-732.96 -0.98% ↓
एनएसई :22,475.85
-172.35 (-0.76% ↓

राजस्थान से छह महिला उम्मीदवार भारतीय सेना में शामिल

सिरोही, 03 मई (एजेंसियां)। राजस्थान से छह महिला उम्मीदवार भारतीय सेना में सम्मिलित हुई हैं। इनमें तीन झुंझनूं और तीन नागौर जिले से हैं। चयनित महिला उम्मीदवारों का कोर ऑफ मिलिट्री पुलिस के प्रशिक्षण केंद्र, बेंगलुरु में प्रशिक्षण शुरू हो गया है।

सेना के जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया, राजस्थान की छह अग्निवीर महिला उम्मीदवार एक मई 2024 को भारतीय सेना में शामिल हुई हैं। इन उम्मीदवारों का गत एक मई 2024 को कोर ऑफ मिलिट्री पुलिस के प्रशिक्षण केंद्र, बेंगलुरु में प्रशिक्षण शुरू हो

चुका है। राजस्थान राज्य देश की सशस्त्र सेनाओं की सेवा में अग्रणी होने के साथ-साथ राज्य में महिलाओं के बढ़ते सशक्तीकरण का भी प्रतिनिधित्व करता है। मेरिट सूची में तीन उम्मीदवार सेना भर्ती कार्यालय, झुंझुनूं से हैं, जो कि झुंझनूं, बीकानेर और चूरू जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जबकि तीन उम्मीदवार सेना भर्ती कार्यालय, जोधपुर से हैं, जो कि नागौर जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इन सभी उम्मीदवारों ने अपने सीनियर सेकेंडरी परीक्षाओं तक बहुत उच्च अंक प्राप्त किया है और उनमें से एक कला संकाय में स्नातक है। इन सभी ने स्क्रीनिंग टेस्ट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और सभी उम्मीदवारों के बीच प्रथम छह स्थान हासिल किया है।

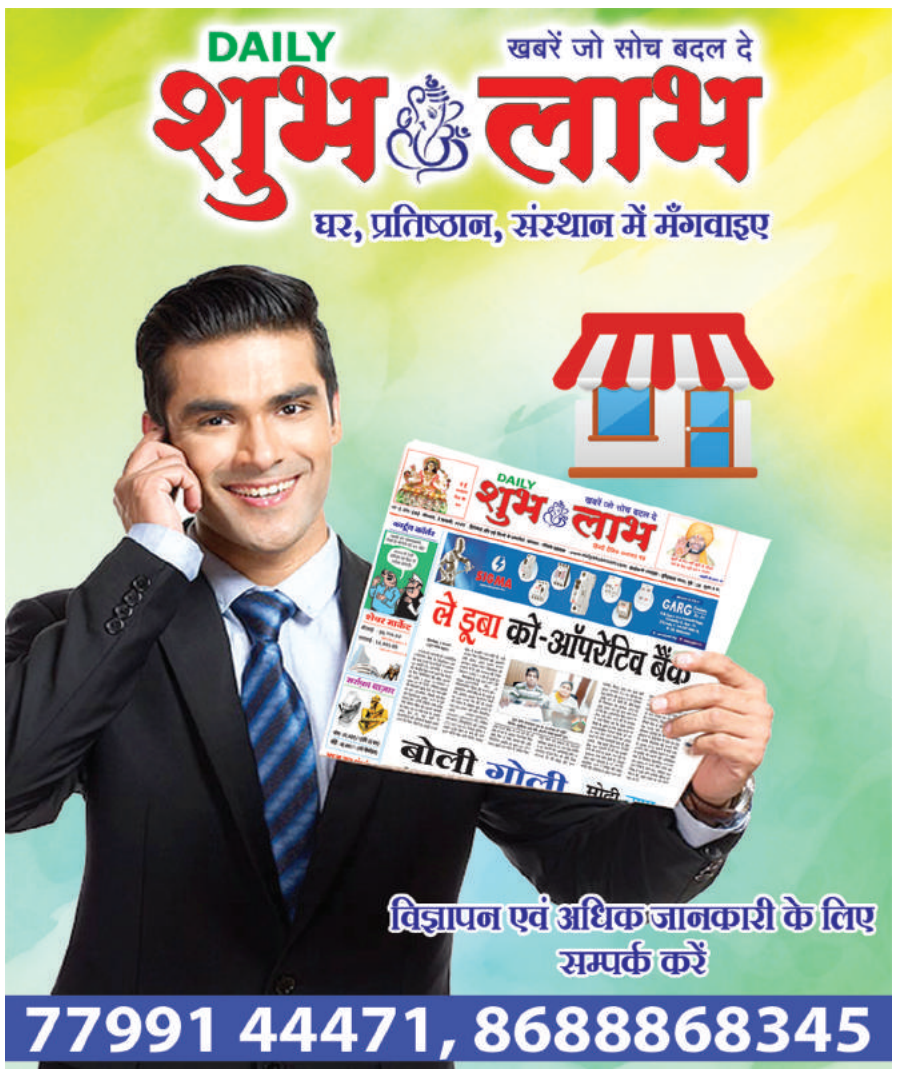

Classifieds

CHANGE OF NAME

I, ServiceNo.JC-705288F Rank: NB/SUB (PHARM), Name: SIDAGOUDA PATIL S/o. SHRIKANT, Unit: MILITARY HOSPITAL SECUNDERABAD, Residing at Vill: KERUR, PO. KERUR, Teh: CHIKODI, Dist BELAGAVI, State: KARNATAKA, Pin: 591213. Changed my Father name from **SHRIKANT** to **SHRIKANT BHIMAGOUDA PATIL**, Affidavit Signed By advocate and Notary B.Yadagiri MMCP,BA, LLB.

CHANGE OF NAME

I, Service No. JC-705288F Rank: NB/SUB (PHARM), Name SIDAGOUDA PATIL Slo. SHRIKANT BHIMAGOUDA PATIL, Unit: MILITARY HOSPITAL SECUNDERABAD, Residing at Vill KERUR, PO: KERUR, Teh: CHIKODI, Dist: BELAGAVI, State KARNATAKA, Pin: 591213, Changed my Mother name From **SHARAVVA** to **SHARUBAI SHRIKANTH PATIL**, Affidavit Signed By advocate and Notary B.Yadagiri MMCP,BA, LLB.

CHANGE OF NAME

I, Service No.15795142Y L/Nk(DS) RAMASANE GANESH RAMAKANT, R/o.Hari Om Nagar, Aalarwadi, Tq:Chakur, Dist:Latur, Maharashtra - 413513 of Unit:RCI, DRDO-Service Sale hereby state that my Daughter name is to be changed from **KRUTIKA** to **KRUTIKA GANESH RAMASANE** vide affidavit dt:02-05-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad, vide affidavit S.No.38AA 448686.

CHANGE OF NAME

I, BALIKA YENGE Spouse of Service No.15795142Y L/Nk(DS) RAMASANE GANESH RAMAKANT, R/o.Hari Om Nagar, Aalarwadi, Tq:Chakur, Dist: Latur, Maharashtra-413513 have changed my name from **BALIKA YENGE** to **BALIKA GANESH RAMASANE** vide affidavit dt:2-5-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad and affidavit S.No.38AA 448685.

मेरे खिलाफ मेरे ही नाम का प्रत्याशी खड़ा कर धोखे का सहारा ले रही कांग्रेस : कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी

मतदाताओं को भ्रमित कर मेरी जीत का अंतर कम करना ही कांग्रेस उम्मीदवार का है लक्ष्य

हैदराबाद, 03 मई (एजेंसियां)। चेवेल्ला संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने शुक्रवार को भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा दिन पर दिन खराब होती जा रही है, बीअ-ारएस अपने विरोधियों और केंद्र सरकार के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करती थी। वर्तमान मुख्यमंत्री ने शुरुआती दिनों में गरिमामय प्रवचन का उदाहरण दिया, हालांकि उन्होंने ने भी दुर्भाग्य से केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया जो तेलंगाना के विकास के लिए अच्छा नहीं है। तेलंगाना के हित के लिए केंद्र के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि राज्य में शून्य योगदान का दावा करने वाले मुख्यमंत्री का केंद्र पर आरोप भ्रामक है। वास्तव में, केंद्र प्रत्येक आर्थिक रूप से वंचित व्यक्ति को 5 किलोग्राम चावल वितरित करके आवश्यक सहायता प्रदान करता है, जो खाद्य असुरक्षा को कम करने में एक महत्वपूर्ण योगदान है। अन्य केंद्रीय योजनाओं में किसानों को 25000 करोड़ रुपए के एमएसपी से लाभ, यूरिया और उर्वरक सब्सिडी, सरपंचों को वितरित धन, रोजगार गारंटी योजना, मनरेगा, रायथु वेदिका के लिए धन, कब्रिस्तान आदि शामिल हैं। इन महत्वपूर्ण योगदानों को स्वीकार करने के बजाय, मुख्यमंत्री केंद्र सरकार पर शून्य सहायता देने का आरोप लगाते हुए अन्याय कर रहे हैं उन्होंने कहा कि यह आत्ममंथन करने का समय है।

कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ने हर महिला को 2500 रुपए, बेरोजगारों को 4000 रुपए, किसानों को एमएसपी पर 500 रुपए का बोनस, 15000 रुपए का रिथु बंधु, पिछले साल दिसंबर तक 2 लाख रुपए का ऋण माफ करने का वादा किया था, अब आपने उस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए अगस्त तक का समय मांगा है, वह भी इस वर्ष आने वाले अगस्त माह तक या फिर अगले वर्ष अगस्त तक यह भी स्पष्ट नहीं है। कोंडा विश्वेश्वर ने रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाते हुए कहा कि आपकी सरकार की लोगों के प्रति प्रतिबद्धताएं वास्तव में झूठे वादे हैं। यह आपका प्रशासन है जो जनता को धोखा दे रहा है। पीएम मोदी जो वादे करते हैं उन्हें पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड है, भले ही वे वादे कितने भी कठिन क्यों न हों, वह सुनिश्चित करते हैं कि वह प्रतिबद्धता पर खरे उतरें, यही मोदी की गारंटी की ताकत है।

कोंडा विश्वेश्वर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना के लोगों को हमेशा धोखा दिया है। व्यापक विरोध के बावजूद तेलंगाना का जबरन आंध्र में विलय कर दिया। 1960 के तेलंगाना आंदोलन के दौरान, कांग्रेस सरकार ने बेरहमी से गोली चलाने का आदेश दिया, जिससे लगभग 400 तेलंगाना आंदोलनकारियों की मौत हो गई। बाद में कांग्रेस ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए राज्य को अलग कर दिया। ये विभाजनकारी कृत्य तेलंगाना के लोगों के कल्याण और आकांक्षाओं की अनदेखी करते हुए केवल राजनीतिक लाभ के लिए किए गए थे। ऑपरेशन ब्लू स्टार में कांग्रेस पार्टी की भागीदारी थी, जहां स्वर्ण मंदिर में सिख आतंकवादियों पर हमला करने के लिए भारतीय सेना को तैनात किया गया था जो भारतीय इतिहास में एक काला अध्याय है। कांग्रेस ने मणिपुर आंदोलनकारियों पर बमबारी करने के लिए भारतीय वायुसेना का इस्तेमाल किया, जिससे 1000 से अधिक लोग मारे गए।

कोंडा विश्वेश्वर ने कहा कि कांग्रेस ने देश में आपातकाल लागू किया और संविधान को कई बार बदला, फिर भी, अब वह पाखंडी रूप से हमारे खिलाफ संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने डॉ. अम्बेडकर को अपमानित किया, उन्हें दो बार बंबई चुनाव में हराया। भाजपा डॉ. अंबेडकर को सर्वोच्च सम्मान देती है, उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करती है और उनके द्वारा लिखे गए संविधान में निर्धारित सिद्धांतों का सख्ती से पालन करती है। जबकि कांग्रेस उनकी आरक्षण नीति में बदलाव करके, कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण देकर उनका अपमान कर रही है, जो सांप्रदायिक आरक्षण के खिलाफ अंबेडकर की नीति और उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों के खिलाफ है। भाजपा आरक्षण देती है जबकि कांग्रेस आरक्षण हटाती है। कर्नाटक में कांग्रेस ने ओबीसी कोटे से मुसलमानों को 4% ओबीसी आरक्षण स्थानांतरित कर दिया।

कोंडा विश्वेश्वर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अतीत में निंदनीय कृत्य करते हुए एससी और एसटी समुदाय के सदस्यों पर जबरदस्ती परिवार नियोजन ऑपरेशन चलाया था। इन समुदायों के लगभग 60,000 व्यक्तियों को इन कठोर उपायों का सामना करना पड़ा, जो कि किए गए अन्याय की गंभीरता को उजागर करता है। आप हमें एक सांप्रदायिक पार्टी कहते हैं, फिर भी आपके अपने शब्द और कार्य सांप्रदायिक राजनीति का प्रत्यक्ष उदाहरण देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हज और जेरूसलम की मुस्लिम और ईसाई तीर्थयात्राओं के लिए धन के आवंटन में पक्षपाती हैं, जबकि हिंदू तीर्थयात्राओं के लिए समर्थन की उपेक्षा कर रही है, जो कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति के बारे में बहुत कुछ बताता है। कांग्रेस की नीतियां, योजनाएं सभी सांप्रदायिक रूप से उन्मुख हैं, हम सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं।कोंडा विश्वेश्वर ने कहा कि चेवेल्ला में कांग्रेस उम्मीदवार व्यक्तिगत हमलों का सहारा ले रहे हैं, सार्थक बहस में शामिल होने के लिए उनके पास ठोस मुद्दों का अभाव है। वह अपने घृणित चरित्र का प्रदर्शन करते हुए, मेरी मृत मां और मेरी पत्नी संगीता रेड्डी पर मौखिक हमला करके नए निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। मैं लोगों के लिए आसानी से उपलब्ध हूं, मेरे निवास के द्वार हमेशा खुले रहते हैं, जो कांग्रेस प्रत्याशी के निवास पर बंद गेटों और सुरक्षा कर्मियों के साथ बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी उन परियोजनाओं का श्रेय ले रहे हैं जो मैंने केंद्र सरकार से निर्वाचन क्षेत्र के लिए हासिल कीं, जिनमें राजमार्ग भी शामिल है। एक घोटालेबाज होने के बाद, अब कांग्रेस प्रत्याशी ने मतदाताओं को भ्रमित करने और मेरे जीत के अंतर को कम करने के उद्देश्य से, मेरे खिलाफ कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी नाम से उम्मीदवार खड़ा करके धोखे का सहारा लिया है। आपके कार्य मुझे मिल रहे भारी समर्थन के प्रति आपके डर को दर्शाते हैं। कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा, मुझे बीजेपी के कमल के निशान के साथ मतपत्र पर नंबर दो के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, मैं दो लाख बहुमत के साथ दूसरी बार जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

जागरूक समाज ही उन्नत समाज की स्थापना कर सकता है : ईटेला

कुशवाहा समाज हैदराबाद का भव्य होली मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुशवाहा समाज के तत्वावधान में एचएमटी ग्राउण्ड शिवालयम टेंपल फंक्शन हॉल कुतुबुल्लापुर म्यूनिसिपल ऑफ़िस के पास कुशवाहा समाज हैदराबाद का भव्य होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। कुशवाहा समाज हैदराबाद के अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध समाज सेवी गेना लाल कुशवाहा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। तेलंगाना के पूर्व मंत्री ईटेला राजेंद्र कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भगवान लव-कुश व ज्योति राव फुले और सावित्री बाई फुले के चित्रों पर माल्यार्पण किया तथा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में गेना लाल कुशवाहा ने ईटेला राजेंद्र का भव्य सम्मान किया। ईटेला राजेंद्र ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कुशवाहा समाज हैदराबाद के लोगों ने इस होली मिलन समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस होली मिलन समारोह की शोभा बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी उत्तर भारतीय परिवारों को उन्होंने बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ दीं और कहा कि उनकी समस्याओं के लिए वे संघर्ष करेंगे और हरसंभव मदद प्रदान करने का उन्होंने आश्वासन दिया। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा समाज के विकास की धुरी है जिस पर समस्त प्रगति चक्र घूमता है। शिक्षा हमारी समस्त उन्नति का आधार है। जागरूक समाज ही उन्नत समाज की स्थापना कर सकता है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति पथ पर अग्रसर कुशवाहा छात्र-छात्राओं को बधाई दी। कार्यक्रम के विशेष अतिथि एसके कुशवाहा ने कहा कि कुशवाहा समाज के जितने भी महापुरुष हुए हैं उनके विचारों और जीवनियों को हमें आत्मसात कर जीवन में आगे बढ़ना है। कुशवाहा समाज हैदराबाद के अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध समाज सेवी गेना लाल कुशवहा ने कहा कि कुशवाहा समाज की उन्नति के लिए सभी लोग एकजुट हो। समाज के लोग अपनी सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को पहचानें तभी हम सफल होंगे। सामाजिक संगठन को मजबूत करने के लिए सामाजिक कुरीतियों के त्याग की आज आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे ख़ुशी है कि आज के होली मिलन समारोह में उत्तर भारतीय परिवारों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया है।कार्यक्रम में सभी अतिथियों, कवियों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों का भव्य सम्मान किया गया है। एसएससी परीक्षा में 10 में से 10 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होने पर सुश्री बबली कुमारी को उनके पिता अजय कुमार सिंह और माता रेखा देवी के साथ सम्मानित किया गया है। समाज के सर्वांगीण विकास पर सत्येंद्र कुशवाहा, एन. पी. यादव, डॉ. राजीव सिंह कुशवाहा, नमन बंसाली, काजल कुशवाहा, रजनी श्रीरामोजी, मोहम्मद अफजल आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। मुकेश कुमार यादव और उनकी पूरी टीम ने संगीत पर बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उनके द्वारा गाये गये भजनों और नृत्य का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत एक कवि सम्मेलन का आयोजन भी संपन्न हुआ, जिसमें देश के सुप्रसिद्ध जाने माने कवि गोविंद अक्षय, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, बासित अली रईस, डॉ. मुमताज सुल्ताना, डॉ. राजीव सिंह कुशवाहा आदि ने अपनी कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को ख़ूब आनंदित किया और हँसने पर मजबूर कर दिया। समारोह में कुशवाहा समाज हैदराबाद के पदाधिकारियों में गेना लाल कुशवाहा, एस.के. कुशवाहा, उपेंद्र कुशवाहा, काजल कुशवाहा, प्रमोद कुमार सिंह, राम विलास सिंह, सुनील कुमार सिंह, तेज बहादुर मौर्य, सुभाष चंद्र कुशवाहा, अयज कुमार सिंह, आलोक कुमार मौर्य, डॉ. विनय कुमार, के. राजेश कुमार, संजय प्रसाद कुशवाहा, रमेश कुमार मौर्य, विष्णु देव सिंह, बी. एन. सिंह, हरिश्चंद्र मौर्य, धनंजय सिंह कुशवाहा, शंभू कुमार सिंह, सी. पी. सिंह, इंद्र देव प्रसाद सिंह, शिव जी सिंह, छोटे लाल मेहता, रमेश मेहता, राम अवध भक्त,, दशरथ प्रसाद सिंह, दिलीप कुमार कुशवाहा, राजकिशोर सिंह कुशवाहा, दिनेश प्रसाद कुशवाहा, सुभाष कुशवाहा, राजेश सिंह, आलोक कौशल कुशवाहा, राजीव कुमार, हरिहर वर्मा, प्रवीण कुमार, नितेश कुमार, शैलेश कुमार और अजय मौर्य, अनिल कुमार, अर्जुन कुमार, बद्रीनाथ कुशवाहा, सत्येंद्र कुशवाहा, डी. के. सिंह, आर. एन. सिंह, मिथिलेश प्रसाद, ओम प्रकाश कुमार, पवन किशोर, रामू प्रसाद आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के समापन पर स्वादिष्ट भोजन की सुंदर व्यवस्था थी। कुशवाहा समाज हैदराबाद के महासचिव प्रमोद कुमार सिंह के धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

यादव का भोपाल में रोड शो, शर्मा के समर्थन में वोट की अपील

भोपाल, 03 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी आलोक शर्मा के समर्थन में नरेला विधानसभा में रोड शो किया और इसके बाद वे आम सभा में शामिल हुए। कल देर रात हुए इस आयोजन में डॉ यादव ने कहा कि जनता ने फूलों की वर्षा कर प्रेम बरसाया है, इस स्नेह और प्रेम से मन अभिभूत हो गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 तक विकसित राष्ट्र के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जनता का उत्साह इस बात का परिचायक है कि मोदी की गारंटी को जनता ने शिरोधार्य किया है। इस दौरान सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा भी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री ने लगभग तीन किलोमीटर का रोड शो किया। यहां उन्होंने खुले रथ पर सवार होकर, हाथों में कमल का प्रतीक लेकर जनता का अभिवादन किया तथा भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। इस दौरान सड़क के दोनों ओर स्वागत मंच बनाये गये थे। विभिन्न समाजों के हर वर्ग के पुरुष, महिलाएं, युवा, बच्चे और बुजुर्गों द्वारा जगह-जगह मंच से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

युवक के अपहरण के मामले में पांच घंटे में ही तीन आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर, 03 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में धनाउ थाना क्षेत्र के बिसारणीया गांव से गुरुवार को एक युवक का अपहरण करने के मामले में पुलिस एवं डीएसटी ने त्वरित कार्रवाई कर मात्र पांच घंटे में ही अपहरणकर्ताओं के चंगुल से अपहृत युवक को रिहा करवाकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि गुरुवार शाम करीब छह बजे बिसारणीया गांव में एक दुकान के आगे से तरडों का तला निवासी श्रीराम उर्फ सुरेश कुमार जाट (20) को आरोपी टीकू राम जाट एवं दो अन्य कार से अगवा कर ले गए। इसके बाद जिले में नाकाबन्दी कराई गई और पुलिस टीम द्वारा आसूचना एवं तकनीकी सहायता से लगातार आरोपियों का पीछा किया।टीम ने मात्र पांच घंटे के अंदर थाना धोरीमन्ना इलाके के शोभाला जेतमाल क्षेत्र में आरोपी टीकुराम जाट (24) निवासी तरडो का तला, जगदीश जाट (21) निवासी हीर-ाणीयों की ढाणी एवं दुर्गाराम उर्फ गोगाराम जाट (21) निवासी डेलूओं का तला थाना धनाउ को गिरफ्तार कर अपहृत श्रीराम उर्फ सुरेश कुमार को सकुशल रिहा करवा लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी टीकुराम एवं जगदीश के विरुद्ध पूर्व में भी थाना धनाउ,धोरीमना एवं चौहटन में आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

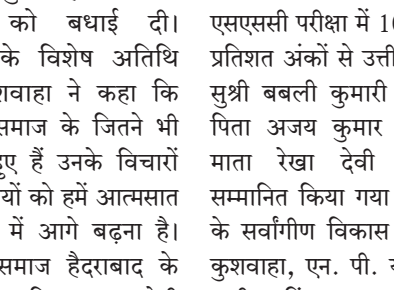

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.